शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अब भारतीय रेलवे की पटरियों पर दौड़ने... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 02 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-245

लंबित मामले कम करने के लिए सीजेआई का बड़ा ऐलान

जनवरी से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की होगी सुनवाई

- लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए बनाई गई है ठोस योजना
- पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन होगा
- दूसरे चरण में 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों का निपटारा किया जाएगा
- कानून मंत्री बोले- हमें बदलनी होगी तारीख पर तारीख की संस्कृति

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने रविवार को भारत मंडपम में आयोजित जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि लंबित मामलों की संख्या को कम करने के लिए एक ठोस योजना बनाई गई है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तीन मुख्य चरण हैं। जिसमें पहले चरण में जिला स्तर पर मामलों के प्रबंधन के लिए समितियों का गठन किया जाएगा। ये समितियां लंबित मामलों और रिकॉर्ड की स्थिति की जांच करेंगी। दूसरे चरण में, उन मामलों का निपटारा किया जाएगा जो 10 से 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं। तीसरे चरण में, जनवरी 2025 से जून 2025 तक दस वर्षों से अधिक समय से लंबित मामलों की सुनवाई की जाएगी। इसके लिए विभिन्न तकनीकी और डाटा प्रबंधन प्रणालियों की जरूरत होगी। लंबित मामलों से निपटने के अन्य उपायों में विवादों का समाधान करने की पहल भी शामिल है। हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार राष्ट्रीय लोक अदालत आयोजित की, जिसमें 1,000 से ज्यादा मामलों का समाधान किया गया।

मुख्य न्यायाधीश ने आगे यह भी कहा, हमें यह स्थिति बदलनी होगी कि हमारे जिला न्यायालयों में केवल 6.7 फीसदी इन्फ्रास्ट्रक्चर ही महिलाओं के अनुकूल है। आज के समय में जब कुछ राज्यों में भर्ती में 60 फीसदी से 70 फीसदी महिलाएं हैं, तो क्या यह स्वीकार्य है? हमारी प्राथमिकता है कि न्यायालयों तक पहुंच को बढ़ाया जाए। इसके लिए हम इन्फ्रास्ट्रक्चर का ऑडिट करेंगे, कोर्ट में मेडिकल सुविधाएं आदि स्थापित करेंगे और ई-सेवा केंद्र व वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों का उपयोग बढ़ाएंगे।

▶10पर

राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के नए झंडे-प्रतीक चिह्न का किया अनावरण

अदालतों में मामले लंबित होना हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को अदालतों में तारीख पर तारीख की संस्कृति को बदलने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने की आवश्यकता पर जोर दिया। वे भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय जिला न्यायापालिका राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट के लिए नए झंडे और प्रतीक चिह्न का भी अनावरण किया। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि अदालतों में मामले लंबित होना हम सभी के लिए एक बड़ी चुनौती है और इसके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि देश के सभी न्यायाधीशों की जिम्मेदारी है कि वे न्याय की रक्षा करें।

उन्होंने कहा- अदालती माहौल में आम लोगों का तनाव का स्तर बढ़ जाता है, जिसे उन्होंने ब्लैक कोर्ट सिंड्रोम नाम दिया। उन्होंने इस विषय पर अध्ययन का भी सुझाव दिया। उन्होंने महिला न्यायिक अधिकारियों की संख्या में बढ़ोतरी पर भी प्रसन्नता जताई।

▶10पर

नाबालिग के यौन उत्पीड़न के बाद उत्तर 24 परगना में बवाल

- बीरभूम के अस्पताल में नर्स से भी छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार
- टीएमसी नेता ने पीड़ित के परिवार से मामला सेटल करने को कहा
- गुस्साई भीड़ ने आरोपी के घर और उसके रिश्तेदार की दुकान पर बोला हमला

कोलकाता, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि उत्तर 24 परगना में एक नाबालिग से छेड़छाड़ की घटना से तनाव हो गया है। हालात इस कदर बिगड़ गए कि गुस्साई भीड़ ने कथित आरोपी के घर और उसके रिश्तेदार की दुकान पर हमला कर दिया। स्थिति को देखते हुए रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती कर दी गई है। वहीं बीरभूम जिले में भी एक अस्पताल में नर्स से छेड़छाड़ की घटना सामने आई है।

खबर के अनुसार, उत्तर 24 परगना के राजबाड़ी इलाके में एक व्यक्ति ने नौ साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न किया। जैसे ही लोगों को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना को लेकर लोगों का गुस्सा उस वक्त भड़क गया, जब कथित तौर पर स्थानीय टीएमसी नेता ने पीड़ित के परिवार से मामले को सेटल करने के लिए कहा। गुस्साए लोगों ने टीएमसी नेता के घर पर हमला कर दिया। इसके बाद आरएएफ ने हालात को नियंत्रण करने के लिए बल का प्रयोग किया। इस दौरान आंसू गैस के गोले भी छोड़े गए। पीड़िता के पिता का कहना है कि आरोपी उनके गांव का ही निवासी है।

मैं इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता कि वह ऐसा कर सकता है। मेरी बेटी नौ साल की है और वह घर से मेरी दुकान पर आई थी। उसी दौरान आरोपी ने उसका यौन उत्पीड़न किया। मेरी मांग है कि उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

एक अन्य घटना में बीरभूम जिले के इल्लमबाजार इलाके में स्थित एक अस्पताल में नर्स के साथ छेड़छाड़

▶10पर

कोलकाता में जारी प्रदर्शन में शामिल हुईं कई फिल्मी हस्तियां

शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों ने निकाला मार्च

कोलकाता, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में जारी विरोध प्रदर्शन में बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने चेहरे भी शामिल हो रहे हैं। फिल्म निर्देशक अपर्णा सेन समेत बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की कई प्रमुख हस्तियों ने भी रविवार को हजारों लोगों के साथ प्रदर्शन में हिस्सा लिया। ये सभी पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। बता दें कि इस मामले की जांच सीबीआई के हाथों में सौंप दी गई है। शहर में महामिछिल (जुलूस) के अलावा, दो अन्य रैलियां भी अलग-अलग स्थानों पर आयोजित की गई। उनमें से एक का आयोजन रामकृष्ण मिशन द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थान के पूर्व छात्रों ने किया, जबकि अन्य रैलियों का आयोजन छात्रों

▶10पर

2273 करोड़ के जुआ रैकेट के सरगना पर कसा शिकंजा, यूएई से गुजरात लाया गया

अहमदाबाद, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुजरात पुलिस और एनसीबी अबू धाबी के साथ एक प्रयास में यूएई में पकड़े गए 2,273 करोड़ रुपए से अधिक के जुआ रैकेट के सरगना को गुजरात वापस लाया गया। आरोपी दीपक कुमार धीरजलाल ठक्कर के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया था। सीबीआई की तरफ से जारी एक बयान में बताया गया कि गुजरात पुलिस ने आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश, सबूतों को गायब करने और जुआ रोकथाम अधिनियम के तहत अपराधों के मामलों में वांछित आरोपी दीपक कुमार ठक्कर के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था।

गुजरात में अहदाबाद के माधवपुरा पुलिस स्टेशन में 25 मार्च 2023 में दीपक कुमार के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय जुआ रैकेट चलाने के आरोप में आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। सीबीआई के अनुसार, वह अंतरराष्ट्रीय जुआ रैकेट का सरगना है, जो विशेष सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन के जरिए संचालित होता है। उन्होंने आगे बताया कि जांच एजेंसी ने गुजरात पुलिस के अनुरोध पर 15 दिसंबर, 2023 को इंटरपोल जनरल सचिवालय से आरोपी दीपक कुमार ठक्कर के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था।

बता दें कि रेड नोटिस दुनिया भर में कानून प्रवर्तन से प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या किसी कानूनी कार्रवाई के लिए लंबित किसी व्यक्ति का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का अनुरोध है। भारत में इंटरपोल के लिए राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो के रूप में, सीबीआई इंटरपोल चैनलों के माध्यम से सहायता के लिए भारत में सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह बने वायुसेना के उपप्रमुख

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

एयर मार्शल तेजिंदर सिंह ने रविवार को भारतीय वायुसेना के उपप्रमुख का पदभार संभाला। रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। वायु सेना के मुख्यालय (वायु भवन) में कार्यभार संभालने के बाद एयर मार्शल ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर बलिदान देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र एयर मार्शल तेजिंदर सिंह को 13 जून, 1987 को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की लड़ाकू शाखा में नियुक्त किया गया था। वह 4,500 घंटे से अधिक की उड़ान के साथ ए-कैटेगरी के फ्लाइंग प्रशिक्षक हैं।

▶10पर

तेलंगाना में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, रेड अलर्ट जारी

- सूर्यापेट में बाढ़ के पानी में दो कारें और एक ऑटो रिक्शा बहा, एक शव बरामद
- महबूबनगर और नलगोंडा जिलों में कुछ गांवों का अन्य इलाकों से संपर्क टूटा
- स्थिति पर नजर रखने के लिए राज्य सचिवालय में विशेष नियंत्रण कक्ष खोला गया
- आपदा प्रबंधन अधिकारियों को सचिवालय में 24 घंटे उपलब्ध रहने का निर्देश

हैदराबाद, 01 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दक्षिण बंगाल की खाड़ी में दबाव के कारण तेलंगाना में शनिवार से हो रही भारी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उधर मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार को भी बहुत भारी वर्षा का अनुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी कर दिया है।

शनिवार से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण राज्य के विभिन्न कस्बों और गांवों के साथ ही राजधानी हैदराबाद की सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे निचले इलाकों में बड़े पैमाने पर बाढ़ आ गई है। सड़कें, घर और कृषि क्षेत्र जलमग्न हो गए हैं, जिससे निवासियों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। सूर्यापेट जिले में सबसे अधिक बारिश हुजूरनगर में 29.3 सेंटीमीटर और चिलकुर में 28.2 सेंटीमीटर दर्ज की गई। सूर्यापेट जिले के कोडाद शहर में बाढ़ के पानी में दो कारें और एक ऑटोरिक्शा चालक बह गए। एक कार में एक आदमी का शव मिला। कारों और तिपहिया वाहनों में यात्रा कर रहे अन्य लोगों के बारे में पता नहीं है। खम्मम-सूर्यापेट राजमार्ग पर वाहनों का आवागमन रुक गया क्योंकि राजमार्ग बाढ़ के पानी में डूब गया है। इस बीच, भद्राद्रि कोठागुडेम जिले के भद्राचलम में गोदावरी नदी में जल स्तर बढ़ रहा है।

▶10पर

असम के टीएमसी अध्यक्ष रिपुन बोरा ने पार्टी छोड़ी ममता पर फोड़ा ठीकरा

गुवाहाटी, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

असम तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अध्यक्ष रिपुन बोरा ने रविवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्वोत्तर राज्य के लोग टीएमसी को पश्चिम बंगाल की

बोले- असम के लोग इसे अपना नहीं मानते

क्षेत्रीय पार्टी मानते हैं और इसे अपना मानने को तैयार नहीं हैं। रिपुन बोरा ने टीएमसी के महासचिव अभिषेक बनर्जी को लिखे पत्र में कहा कि उन्होंने पार्टी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को असम में टीएमसी को स्वीकार्य बनाने के लिए कई सुझाव दिए थे, लेकिन उन सुझावों

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 73,790/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 86,099/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 22^0

पीएम मोदी ने भारतीय पैरालंपिक पदक विजेताओं से फोन पर की बात

खिलाड़ियों के प्रयासों को सराहा, दी बधाई

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पेरिस पैरालंपिक में पदक जीतने वाले पैरा खिलाड़ियों से फोन पर बात की और उनके प्रयासों को सराहा। अधिकारियों के अनुसार, पीएम ने इस दौरान मोना अग्रवाल, प्रीति पाल, मनीष नरवाल और रुबीना फ्रांसिस से बात की।

पीएम मोदी ने इस दौरान प्रत्येक पदक विजेताओं को बधाई दी और कहा कि इन्होंने अपने प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया है। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने अवनि लेखरा को उनके आगे की स्पर्धा के लिए शुभकामनाएं दी।

मालूम हो कि अवनि प्रधानमंत्री के साथ फोन पर बात नहीं कर सकी थीं क्योंकि वह अन्य स्पर्धा में हिस्सा ले रही थीं। मोदी ने मनीष नरवाल से बातचीत करते हुए कहा, मनीष आप कैसे हैं? वहां की कोई खास बताना चाहेंगे?

इस पर मनीष नरवाल ने कहा, सर, यहां मौसम काफी अच्छा है और भारतीय निशानेबाज काफी अच्छी मेहनत करके आए हैं। हम पिछली बार से ज्यादा पदक ही लेकर आएंगे। टीम में काफी खुशी का माहौल है। अवनि ने स्वर्ण से शुरुआत कराई है। पीएम मोदी ने कहा, मनीष मेरी तरफ से आप लोगों को बहुत-बहुत बधाई। मोदी ने रुबीना फ्रांसिस से उनके हाल जाने। रुबीना ने प्रधानंत्री से बातचीत के दौरान कहा, सर हम अच्छे हैं और मैं पिछली बार सातवें स्थान पर रही थी और इस बार कांस्य लाने में सफल रही। मेरे लिए काफी चीजें बदली हैं। मुझे काफी गर्व महसूस हो रहा है।

मोदी ने कहा, आपको बहुत-बहुत बधाई और आगे के लिए शुभकामनाएं। वहां जो अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं जिनके मुकाबले होने बाकी हैं उन्हें भी मेरी तरफ से शुभकामनाएं देना। आप मेरी तरफ से अवनि को बधाई देना। मैं मौका मिलते ही उनसे बात करूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

भारत ने पेरिस पैरालंपिक में अब तक पांच पदक अपने नाम किए हैं जिसमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है। अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया था, जबकि मोना ने इसी स्पर्धा का कांस्य अपने नाम किया था। वहीं, पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में मनीष नरवाल ने रजत पदक जीता था। इसके अलावा प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 स्पर्धा और रुबीना फ्रांसिस ने महिला 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 में कांस्य पदक जीता था।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

पर्युषण महापर्व का दिव्य संदेश है क्षमापना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिराज मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के दूसरे दिन दादा गुरुदेव मणिधारी श्री जिनचन्द्र सुरीश्वर जी की 858 वीं पुण्यतिथि के निमित्त कहा कि प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सूरी जी के पट्टधर मणिधारी श्री जिनचंद्र सूरी जी के स्वर्गवास के इतने वर्षों बाद भी गुरुदेव के गुणानुवाद करने का हमें सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मणिधारी गुरुदेव की साधना के बल पर अनेक चमत्कार उनके जीवन में घटित हुए थे, जिनसे जिनशासन आज भी शोभायमान है। पर्युषण पर्व के द्वितीय दिवस पर गुरुवर ने कहा कि हमें चिंतन करना है कि पर्युषण पर्व का पहला दिन हमने कैसे गुजारा। कल का जो दिन व्यतीत हो गया उससे बेहतर हमें आज का दिन निकालना है। हमें

इन आठ दिनों में सब कुछ भूल कर सिर्फ पर्युषण महापर्व को ही याद रखना है। इस पर्व के पांच कर्तव्यों में तीसरा कर्तव्य चैत्य परिपाटी है, इसमें हमें जितनी ज्यादा हो सके परमात्मा की भक्ति करनी है। हमारे सबके जीवन के आदर्श परमात्मा की तरह ही हमें बनना है। हमारी आत्मा भी परमात्मा की आत्मा जैसी ही है, हमारी आत्मा के ऊपर कर्मों का आवरण आ गया है। हमें परमात्मा बनने के लिए सिर्फ हमारी आत्मा के ऊपर आए हुए आठ कर्मों के आवरणों को हटाना है, आवरण हटते ही हमारी आत्मा भी परमात्मा बन सकती है। परमात्मा के दर्शन मात्र से हमारे सारे पाप-ताप और संताप दूर हो जाते हैं। परमात्मा की भक्ति हमें रावण के जैसे करनी है, जिसने परमात्मा भक्ति के दौरान वीणा का तार टूटने से अपनी नस निकाल कर वीणा में जोड़ दी थी। जैन धर्म की मान्यतानुसार इसी भक्ति से रावण को तीर्थंकर नाम गौत्र का उपार्जन हुआ था। पर्युषण के दिनों में समस्त देवी देवता भी नंदीश्वर द्वीप पर जाकर वहां के शाश्वत तीर्थ और शाश्वत जिन प्रतिमाओं की सेवा पूजा करते हैं। चतुर्थ कर्तव्य के रूप में पर्युषण के दौरान हमें कम से कम एक अट्ठम तप करना ही चाहिए। परमात्मा महावीर के सिद्धांतों को जगत के सामने प्रस्तुत करना भी जिन शासन की प्रभावना है। पांचवा कर्तव्य हमें संवत्सरी प्रतिक्रमण के पश्चात सभी जीवों से क्षमापना करनी है। हमें सभी को क्षमा प्रदान करनी है और क्षमा भी मांगनी है। हमें हमारे मन में पड़ी ग्रंथियां को खोलना है और क्षमापना करके अपनी आत्मा को हल्का करना है। अपनी आत्मा में पड़े कषायों को निकालना है और अपने भीतर छुपे हुए परम तत्व को प्रकट करना है। यह पर्युषण हमें यही दिव्य संदेश देता है कि वैर विरोध का रिश्ता हमें भवों भव तक नहीं छोड़ता है। कमठ और मरुभूति का उदाहरण हमारे सामने है। हमें हमारे मन से अहंकार, वैर विरोध को समाप्त करना है, यही महावीर का दिव्य संदेश है। हमें विपरित परिस्थितियों में क्षमा मांगनी है और क्षमा प्रदान करनी है। इसी के साथ गुरुवर ने वार्षिक 11 कर्तव्यों के बारे में बताया जिसमें कुमारपाल महाराजा जैसी संघ पूजा जिसमें उन्होंने 1313 नए मंदिरों का निर्माण, 3300 मंदिरों का जीर्णोद्धार, सवा लाख नई जिन प्रतिमाएं, 700 ज्ञानशालाएं, 984 उपाश्रय, सौ ज्ञान भंडार बनवाए। लेकिन इन सभी शासन के कार्यों में उन्होंने कभी भी अभिमान नहीं किया। प्रवचन के दौरान गुरुवर द्वारा कल्पसूत्र का वांचन सोमवार से किया जाएगा। कल्पसूत्र को चतुर्विध संघ के साथ बाजते गाजते घर पर ले जाकर रात्रि भक्ति भावना करवाने और गुरुवर को बोहराने का लाभ गौतम कुमार मोहनलाल बागरेचा परिवार ने लिया।

आत्मशुद्धि का पावन पर्व है पर्युषण महापर्व: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ वरुणमुनि ने पर्युषण महापर्व के प्रथम दिवस कहा कि पर्युषण यानि परिपूर्ण रूप से अपनी आत्मा में वास करना, आत्म भाव में रमण करना। अधिक से अधिक धर्म आराधना करना। परिपूर्ण से कर्मों का क्षय करना, कर्मों का नाश करना। पर्युषण पर्व में पाँच कार्य करने योग्य है। प्रतिक्रमण की साधना करना, कषायों को कम करना, तप की आराधना करना, दान देना और आलोचना करना। जैन धर्म की त्याग प्रधान संस्कृति में पर्युषण पर्व का अपना अपूर्व एवं विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है। यह एकमात्र आत्मशुद्धि का प्रेरक पर्व है, इसीलिए यह पर्व ही नहीं, महापर्व है। जैन लोगों का सर्वमान्य विशिष्टतम पर्व है।

पर्युषण पर्व- जप, तप, साधना, आराधना, उपासना, अनुप्रेक्षा आदि अनेक प्रकार के अनुष्ठानों का अवसर है। उन्होंने कहा जीवन में वेल एजुकेटेड होना चाहिए, यानि शिक्षा और संस्कार का जीवन में होना, वेल रिपोर्टेड यानि सूचना सकारात्मक होनी चाहिए। वेल डिवोटेड यानि हमारी श्रद्धा मजबूत होनी चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी समभाव पूर्वक श्रद्धा होनी चाहिए। यह पर्युषण पर्व पापों का उपश्रमण लेकर आता है। यह पर्व स्वयं के पापों का प्रक्षालन करने का पर्व है। यह पर्व उच्च वाणी उच्च विचार और उच्च आधार का पर्व है। परमात्मा की वाणी को श्रवण कर अनेक भव्य आत्माओं ने संयम ग्रहण कर अपने भव का अंत किया। पूर्व में रुपेशमुनि ने अंतगड़दशांक सूत्र का वांचन एवं विवेचन किया। रविवारीय बच्चों के सामायिक आराधना की प्रभावना के लाभार्थी गुलाबचंद, प्रशांत कुमार पगारिया रहे। अष्ट दिवसीय नवकार महामंत्र अखंड जाप प्रारंभ हुआ। अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने आभार व्यक्त किया। संचालन संघ महामंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जगत के प्रत्येक जीव को है जीने का अधिकार

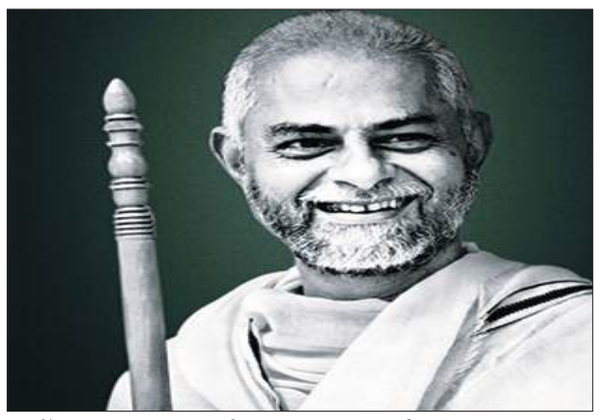

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वी वी पुरम में विराजित आचार्य श्री अरिहंतसागर सूरीश्वरजी ने श्री संभवनाथ भवन में, पर्युषण महापर्व के अवसर पर प्रवचन देते हुए कहा कि जगत के प्रत्येक जीव को आंतरिक सुखशांति प्रदान करे वही वास्तव में श्रेष्ठ धर्म कहा जा सकता है। ऐसे धर्म की प्राप्ति के लिए साधक को बाह्य जगत में शांति फैलाने के यथा - संभव प्रयास करने चाहिए। जैन धर्म की यह एक अनोखी प्रेरणा है कि आप आपकी आंतरिक आत्मा में शांति दायक धर्म की उपासना बाह्य वातावरण में शांति फैलाने की पूर्व तैयारी के साथ करें और इसलिए जैन धर्म के प्रत्येक कार्य में किसी न किसी रूप से अहिंसा जुड़ी हुई होती है। शास्त्रीय परिभाषा में इसे अमारी प्रवर्तन कहते हैं जो पर्युषण में करने योग्य कुल पांच कर्तव्यों में से प्रथम कर्तव्य है। अमारी प्रवर्तन नामक यह कर्तव्य गहन रूप से समझने जैसा है। सारी दुनिया कठोरता, क्रूरता, अत्याचार और शोषण से त्रस्त है। प्रत्येक जीव खुद के स्वार्थ हेतु दूसरों को दुखी कर रहा है। उसमें भी सृष्टि के कमजोर जीवों का दयनीय ढंग से सफाया किया जा रहा है। ऐसे जीवन व्यवहार के बीच यह एक आश्चर्य की बात है कि दूसरों के प्रति क्रूर और कठोर बर्ताव करने वाला जीव खुद निर्भय और सुरक्षा की तलाश में रहता है। इस सृष्टि में प्रत्येक जीव जीना चाहता है। किसी को स्वेच्छा से मौत पसंद नहीं है।

मारी' यानी किसी को मारने की प्रवृत्ति और उसका निषेध या निवारण यानी अमारी। जैन दर्शन में अमारी का स्वरूप व्यापक स्तर का है। क्योंकि जैन धर्म मात्र मानव दया या प्राणी दया की विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि जगत के प्रत्येक जीव की दया के आदर्श सिद्धांत का हिमायती है। हालांकि वर्तमान में पश्चिमी चिंतकों द्वारा फैलाई गई संकुचित एवं स्वार्थी मानव दया की विचारधारा से प्रभावित सामाजिक वातावरण में अनेक जैनों में भी जैन धर्म की दया को योग्य परिप्रेक्ष्य में समझने के विषय में गलतफहमी है।

द्वेष मन का है कचरा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी बावीस संप्रदाय जैन संघ के तत्वावधान में गणेश बाग में आयोजित प्रवचन में विनय मुनि जी खींचन ने कहा कि द्वेष मन का कचरा है और कचरा वातावरण को बिगाड़ता है। आज आर्थिक समृद्धि तो बढ़ रही है, किंतु मानसिक विपन्नता भी बढ़ रही है और खून के रिश्ते नीरस हो रहे हैं।

पर्युषण पर्व के प्रथम दिन अंत गड दशा सूत्र का वाचन करते हुए विनय मुनि जी ने कहा कि संप्रदाय वाद ने आज संतों में भी द्वेष बढ़ा दिया है। हमने अपना एक घर और माता पिता को छोड़ दीक्षा ली कि आत्मा का उद्धार करेंगे। परंतु हर संघ में संत भी मात्र अपनों को ढूंढने लग गए। यह राग द्वेष का चश्मा आज समस्या बन गया है। द्वेष से हिंसक भावना बढ़ती है और अपनत्व घटता है। समता भाव मंद पड़ते हैं। विनय मुनि जी ने आज के खान पान की विकृति पर कहा कि रेडी मेड संस्कृति में आलस बढ़ रही हैं और शुद्धता घट रही है। घर में हाथ से बनने वाले आहार में वात्सल्य प्रेम शुभ और शुद्ध भावना का मिश्रण होता था। अब हवा पानी आहार और वाणी सभी अशुद्ध हो गए हैं। संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने सभा का संचालन किया। संघ मंत्री संपत राज जी मांडोत ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

पर्युषण पर्व के शुभारंभ के साथ खाद्य संयम दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी श्री सिद्धप्रभा जी के पावन सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का शुभारंभ रविवार को विजयनगर स्थित अर्हम भवन में हुआ। साध्वी दीक्षाप्रभा जी ने नमस्कार महामंत्र से शुभारंभ करते हुए उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया। तत्पश्चात किशोर मंडल द्वारा मंगलाचरण का संगान किया गया। साध्वी मलययसा जी, साध्वी आस्थाप्रभा जी एवं साध्वी दीक्षाप्रभा जी ने पर्युषण आन द व्हील्स थीम के माध्यम से 8 दिन तक चलने वाले इस पर्व के विभिन्न पहलुओं पर शब्द चित्र एवं गीतिका के माध्यम से प्रकाश डाला। साध्वी सिद्धप्रभा जी ने कहा कि जैन धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है पर्युषण। यह पर्व है उपासना का, उपशम की साधना का, तपोभाव का और मैत्री भाव का। यह पर्व आत्मा को उज्वल बनाने का पर्व है, अपने भीतर रमण करने का पर्व है। श्वेतांबर एवं दिगंबर परंपरा में पर्युषण पर्व को अहिंसा का भी पर्व कहा गया है। साध्वीजी ने विभिन्न प्रसंगों के द्वारा बताया कि आध्यात्मिक ही नहीं व्यक्तिगत जीवन में भी अहिंसा का बहुत महत्व है। हमें आराधक बनना है

विराधक नहीं और इसके लिए हमें अपने दोषों का मूल्यांकन करते हुए उनका प्रायश्चित और आलोचना करनी है। राग - द्वेष रूपी जो कांटे हमारे शरीर में लगे हुए हैं उन्हें बाहर करते हुए आत्मा को उज्वल बनाना है। जिनका मन अहिंसा तप संयम आदि में लगा रहता है देवता भी उसे नमस्कार करते हैं। कन्या मंडल द्वारा खाद्य संयम दिवस पर सुमधुर गीतिका की प्रस्तुति दी गई। अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष मंगल कोचर ने पर्वाधिराज पर्युषण पर्व पर सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस दौरान सभा उपाध्यक्ष बाबूलाल, ललित सेठिया, मंत्री दिनेश हिगड़, सह मंत्री ज्ञान नाहटा, सह मंत्री विमल दक, संघठन मंत्री मनोहर लाल बोहरा, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू गादिया आदि लोगों की उपस्थिति रही।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। *राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में रविवार को पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आगमरत्न सा-गरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी की प्रेरणा और रणजीत गुरुजी के दिशा निर्देश से भव्य विशेष अंग रचना की गई। अंग रचना के दर्शनार्थ बड़ी संख्या मे श्रद्धालु पहुंचे।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री धर्मपुर महासंस्थान ट्रस्ट द्वारा श्री शनि महात्मा देवालय सुब्बणा गार्डन में आयोजित श्रावण माह के विशेष पूजा उत्सव में महेंद्र मुणोत ने भगवान की विशेष पूजा अर्चना कर अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मंदिर के प्रमुख अशोक गुरु ने मुणोत को सम्मानित किया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *प्रेस्टीज वेस्ट वुड में रविवार को सरगम मंडल द्वारा अष्टोत्तरी अभिषेक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी निवासियों ने बहुत ही हर्षोल्लास के साथ अभिषेक का लाभ लिया। जिसमें संघ के सभी सदस्य मौजूद थे।*

साधनों को नहीं, साधना को बढ़ाएं: राजेशमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शांतिनगर स्थित भीखीबाई पूनम चंद्र लुणावत जैन स्थानक में विराजित राजेश मुनि जी ने जैन धर्म के सबसे बड़े महापर्व पर्युषण के प्रथम दिवस पर पर्युषण महापर्व का महत्व बताया। मुनि जी ने कहा कि यह पर्व हमें आत्मा में रमण करने की प्रेरणा देता है। बाहर की दुनिया से अपना ध्यान हटाकर अंतर जगत को पापों से मुक्त करने का संदेश देता है। यदि हम धर्म कला में निपुण हो जाएं तो बाकी कलाएं स्वतः ही समाहित हो जाएगी। हमें अपने साधनों को नहीं अपनी साधना को बढ़ाना है। जैन धर्म के सिद्धांतों के अनुरूप अपना जीवन बनाकर अपने नाम के आगे जैन लिखें फिर अपना गोत्र लिखें ताकि हम जैनी के नाम से अपनी पहचान बना सके। मुनि ने मैत्रीभाव का महत्व बताते हुए कहा कि यही वह औजार है जिससे कषायरूपी प्रदूषण को समाप्त किया जा सकता है। मुनि ने फरमाया कि हमारी वाणी और विचार ऊंचे होंगे तो हम प्रतिष्ठित पुरुषों की श्रेणी में आएंगे। दूसरों पर अनुशासन करने के लिए पहले स्वयं को अनुशासित बनाना होगा। जो गुणी बन जाएगा वह बड़ा बन जाएगा। दया, करुणा और प्रेम ही हमारे जीने का आधार हो। मां का हृदय सबसे कोमल होता है। लेकिन भ्रूणहत्या की घटनाएं कई बार मां की कोमलता पर प्रश्न लगाती हैं। हमें दिल से दयालु, करुणावान बनना चाहिए। ऋषभ मुनि ने भी धर्मसभा में विचार व्यक्त किया। धर्मसभा में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। संचालन करते हुए संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने बताया कि पर्युषण के दौरान मुनि का प्रवचन स्थानक में ही रहेगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री आदिनाथ जैन श्वे. संघ चिकपेट में रविवार को विश्व प्रसिद्ध गिरीविहार संस्था मार्गदर्शक सत्वशाली प्रवचनकार, गुरुकृपापात्र श्री विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी, मुनिराज निर्मोहप्रभविजयजी एवं साध्वीजी भगवंतों की निश्रा में चिकपेट आदिनाथ दादा के दरबार में पर्व पर्युषण के दूसरे दिन रमेशकुमार, गेनमल गादिया की धर्म पत्नी कमला देवी एवं लक्षा नरेश कुमार गादिया के 500 आयंबिल की तपस्या के पुर्णाहुति के निमित्त सिद्धचक्र महा पूजन पढाया गया। श्री विजय लब्धि सूरी जैन संगीत मंडल ने भक्ति से समा बाँधा। विधिकारक अल्पेश गुरुजी ने मंत्रों द्वारा विधि विधान करवाया। अनेक श्रद्धालुओं ने दर्शन भक्ति का लाभ लिया।*

पर्युषण का संदेश है कि महापुरुषों का जीवन चरित्र सुने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानक वासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में पर्युषण पर्व प्रसंग पर महावीर भवन में परंपरागत अंत गड दशा सूत्र का वाचन और विवेचन करते हुए स्वाध्यायी अभय कुमार बांठिया ने कहा कि यह सूत्र तीर्थंकर महावीर की वाणी है जिसमे 90 विशिष्ट चारित्र आत्माओं के मोक्ष यात्रा का रोचक वर्णन है। अभय कुमार बांठिया ने कहा कि पर्युषण का संदेश है कि हम महापुरुषों का जीवन चरित्र सुने, चिंतन करें और अपनी आत्मा के शुद्धिकरण का प्रयास करें। महापुरुषों ने साधना को साधन बनाया और लक्ष्य को साध लिया। जिस संसार को हम असार कहते हैं उसी संसार में से इन्होंने सार निकाल लिया।

पर्युषण पर्व मन के प्रदूषण से हमको बचाने आते हैं और माफी मांगने का संदेश लेकर आते हैं। माफी मांग कर हम कई समस्या सुलझा सकते हैं और घर घर तथा रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को रोक सकते हैं। अंत गड सूत्र में राजा, राजकुमार से लेकर आम व्यक्ति का वर्णन है जिन्होंने प्रभु की वाणी सुनी। वाणी पर श्रद्धा की। माता पिता की आज्ञा से संयम लिया। ज्ञान सीखा। घोर तपस्या की। शरीर का पूरा कस निकाल कर समाधि मरण से सारे कर्मों को काट कर मोक्ष को प्राप्त किया। मंगल पाठ और प्रत्याख्यान के साथ विवेचन संपन्न हुआ।

पर्युषण पर्व के तहत खाद्य संयम दिवस मनाया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ भवन में पर्युषण पर्व के अंर्तगत रविवार को खाद्य संयम दिवस मनाया गया। बेंगलूरु से पधारे उपासक भवरलाल मांडोत द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ।

तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। सभा अध्यक्ष सोहनलाल तातेड़ ने सभी का स्वागत किया तथा आठ दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। उपासक भवारलाल मांडोत ने जैन दर्शन तथा कालचक्र के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा आठ दिनों का यह पर्व आत्मोत्थान का पर्व है। इस दौरान हमें ज्यादा से ज्यादा धर्म आराधना करनी है। सभी को उपवास की प्रेरणा दी।

उपासक छत्र सिंह मालू ने खाद्य संयम पर अपने विचार रखे तथा उपासक आचार संहिता का वाचन किया। कार्यक्रम के अन्त में उपासक ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया तथा मंगल पाठ के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का अनावरण

बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अब भारतीय रेलवे की पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार : अश्विनी वैष्णव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बीईएमएल के बेंगलूरु परिसर में भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट का अनावरण किया। महज 9 महीनों में निर्मित यह ट्रेनसेट बीईएमएल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वैष्णव ने मानक और ब्रॉड-गेज रोलिंग स्टॉक के निर्यात के लिए समर्पित 9.2 एकड़ की नई हैंगर सुविधा का भी उद्घाटन किया, जिससे बीईएमएल की वैश्विक उपस्थिति बढ़ेगी। इस कार्यक्रम में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार, बीईएमएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक शांतनु रॉय तथा भारतीय रेलवे और इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आईसीएफ) के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। बीईएमएल द्वारा डिजाइन किया गया वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट भारत की रेल क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है, जो सौंदर्यात्मक आकर्षण के साथ कार्यक्षमता का संयोजन करता है। ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील से निर्मित और क्रैशवर्थी बफर्स और कपलर जैसी उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित, यह ट्रेनसेट कड़े ईएन45545 एचएल3 अग्नि सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। यह विश्व स्तरीय यात्री अनुभव प्रदान करता है, जिसमें यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, सुरक्षा प्रणाली, मॉड्यूलर पैंट्री और 1एसी कार में शॉवर सहित सुलभ सुविधाएँ शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान अश्विनी वैष्णव ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा यह देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। बहुप्रतीक्षित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन अब भारतीय रेलवे की पटरियों पर दौड़ने के लिए तैयार है, जो हमारे लोगों को विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव और बेहतरीन सुविधाएँ प्रदान करेगी। बीईएमएल के नेतृत्व और इंजीनियरों के समर्पण और विशेषज्ञता ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को संभव बनाया है। बीईएमएल के सीएमडी शांतनु रॉय ने रेल निर्माण में कंपनी की छह दशक की विरासत पर प्रकाश डाला और कहा कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेनसेट भारत के परिवहन बुनियादी ढांचे में एक मील का पत्थर है। बीईएमएल ने इस ट्रेन को बहुत ही सावधानी से तैयार किया है, जिसमें निर्बाध प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए प्रणोदन, एचवीएसी और सुरक्षा घटकों जैसे एकीकृत महत्वपूर्ण सिस्टम पर ध्यान केंद्रित किया गया है। संपूर्ण विनिर्माण प्रक्रिया गुणवत्ता और परिशुद्धता के प्रति बीईएमएल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सीएम आज श्री चामुंडी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण की करेंगे बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शाही परिवार के विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को मैसूरु में श्री चामुंडी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण की बैठक आयोजित करने का फैसला किया है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में होने वाली दिशा बैठक रद्द होने से परोक्ष रूप से घमासान शुरू हो गया है। मुडा मामले को लेकर हाई कोर्ट में बहस तेज हो गई है और सोमवार को हाई कोर्ट में अहम सुनवाई होगी। इस मौके पर सिद्धरामैया मैसूरु जिले के दौरे पर जा रहे हैं और सुबह भगवान के दर्शन के लिए चामुंडी मंदिर जाएंगे। बाद में, वह पहाड़ी के दसोहा भवन में चामुंडी निर्वाचन क्षेत्र प्राधिकरण की बैठक करेंगे। यह राजनीतिक रूप से बहस का मुद्दा है।

मैसूरु के शाही परिवार ने चामुंडी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण के गठन का विरोध किया। उन्होंने न सिर्फ इस बारे में खुलकर बयान दिया है, बल्कि उनसे कोर्ट में भी पूछताछ की जा चुकी है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि प्राधिकार के गठन के लिए विधानमंडल में जो विधेयक पारित हो चुका है, उसके आधार पर फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं की जाये। चामुंडी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण शुरू से ही अस्तित्व में है और सिद्धरामैया इस प्राधिकरण के नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। सिद्धरामैया का राजनीतिक तौर पर विपक्षी दलों से टकराव चल रहा है और वह कई अहम फैसले ले रहे हैं। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम यह है कि चामुंडी विकास प्राधिकरण ने अपनी सरकार की स्थिति का बचाव करने के लिए गृह जिले मैसूरु में एक बैठक आयोजित की। इस बीच, एक अन्य घटनाक्रम में केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के नेतृत्व में होने वाली दिशा बैठक रद्द कर दी गई है। केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों को विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठकें आयोजित करने की अनुमति है। केंद्रीय मंत्री कुमार स्वामी और मैसूरु के सांसद यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार के बीच सोमवार को मैसूरु में बैठक होनी थी। दिशा बैठकें रद्द कर दी गई हैं क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया जिले का दौरा कर रहे हैं। आरोप हैं कि जब कुमारस्वामी ने पहले मांड्या समेत कई जिलों में अधिकारियों की बैठक बुलाई थी, तो राज्य सरकार ने अधिकारियों को इसमें भाग लेने से रोक दिया था।

सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा के खिलाफ लड़ाई तेज करने का किया आह्वान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने भाजपा सरकार के घोटालों को लोगों के सामने लाकर कानूनी और राजनीतिक संघर्ष जारी रखने के लिए संबंधित जिलों में जन जागरूकता बढ़ाने का सुझाव दिया है। सिद्धरामैया, जिन्होंने शनिवार को अपने आवास पर कैबिनेट मंत्रियों के साथ डिनर पार्टी की मेजबानी की, ने अन्य कैबिनेट सदस्यों को मुडा मामले में तथ्यों के बारे में आश्वस्त किया है। उन्होंने दोहराया कि इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है।

मुडा से 14 सीटें पाने के लिए उन्होंने किसी प्रभाव का इस्तेमाल नहीं किया। जमीन के विकल्प के तौर पर जमीन दी जाती है। भाजपा ने इसे दुर्भावनापूर्ण तरीके से घोटाला बताने की कोशिश की है। हाईकमान ने भाजपा काल का हिसाब-किताब बताने का निर्देश दिया है।

साथ ही सरकार को अस्थिर करने की भाजपा की कोशिशों से सावधान रहने की हिदायत दी गई है। ऑपरेशन लोटस को लेकर सावधानी बरतनी होगी। मंत्रीगण अपने जिले के नेताओं से मधुर संबंध बनायें।

भाजपा करोड़ों रुपये का लालच दिखाकर विधायकों को अपनी ओर आकर्षित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने पार्टी के विधायकों के साथ बार-बार बैठक करने और बातचीत जारी रखने की चेतावनी दी है। महात्मा गांधी के बेलगावी में एक भव्य सत्र आयोजित करने के 100 साल हो गए हैं। इसी पृष्ठभूमि में शताब्दी समारोह की तैयारी की गई है और निर्देश दिया गया है कि 15 मंत्री इस कार्यक्रम की कमान संभालें। इसके जरिए पार्टी संगठन को भी कार्रवाई करनी चाहिए। हाईकमान ने जिला पंचायत, तालुक पंचायत, बीबीएमपी, शहरी और ग्रामीण स्थानीय निकायों के चुनाव और तीन विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव की तैयारी करने का भी निर्देश दिया है। सूत्रों ने कहा कि बैठक में केवल चुनिंदा मंत्रियों को ही आमंत्रित किया गया था।

बारिश से 234 करोड़ रुपये का नुकसान सरकार से अभी तक कोई अनुदान नहीं

पीडी फंड का किया जा रहा इस्तेमाल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में 1 जून से 29 अगस्त तक मानसून के मौसम में घरों, सड़कों, ट्रांसफार्मर और अन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान के कारण 234.58 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि, राज्य सरकार ने अभी तक राहत प्रयासों के लिए कोई धनराशि जारी नहीं की है। वर्तमान में, डीसी, तहसीलदार पीडी खाते से 16 करोड़ रुपये का आपातकालीन कोष तत्काल राहत कार्य के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। जिले के सात तालुकों में 38 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, और 796 घरों को आंशिक नुकसान हुआ। हालांकि स्थानीय पंचायतों और तहसीलदारों के माध्यम से राज्य सरकार को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपी गई है, लेकिन अभी तक कोई मुआवजा जारी नहीं किया गया है। भूस्खलन और बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई है, प्रत्येक प्रभावित परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, मानसून के प्रकोप में पांच मवेशी मारे गए, तथा पशुधन क्षति के मुआवजे के रूप में 1.55 लाख रुपये वितरित किए गए। जिले में राज्य राजमार्ग, शहर की सड़कें, जिला मुख्य सड़कें और ग्रामीण सड़कें समेत 1,457.36 किलोमीटर सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिससे 171.62 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, 132 वेंटेड बांध और सड़क किनारे की नालियाँ क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिससे 53.25 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। 4,125 बिजली के खंभे, दो ट्रांसफार्मर और 72.35 किलोमीटर बिजली की केबल लाइनों को नुकसान पहुंचने से 7 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, प्राथमिक विद्यालय, सरकारी इमारतें, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और आंगनवाड़ी समेत 116 इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिससे 2.16 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। एक अधिकारी ने कहा हमने बारिश से हुए नुकसान के बारे में सरकार को पूरी रिपोर्ट सौंपी है और अनुदान का अनुरोध किया है। हम सरकार को रोजाना नुकसान की रिपोर्ट भी भेज रहे हैं। सभी तालुकों में धान की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। कुंदापुर में 155 हेक्टेयर, बिंदूर में 100 हेक्टेयर, ब्रह्मवार में 171 हेक्टेयर, उडुपी में 47 हेक्टेयर, करकला में 10 हेक्टेयर, काउप में 18 हेक्टेयर और हेबरी में 14 हेक्टेयर प्रभावित हुई है। कुल मिलाकर 518.74 हेक्टेयर धान के खेत प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, बारिश के कारण 145 हेक्टेयर बागवानी फसलें भी प्रभावित हुई हैं। डीसी डॉ. विद्याकुमारी ने कहा जिले में बारिश से 234 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है। हमने राज्य सरकार को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है और अनुदान का अनुरोध किया है, लेकिन अभी तक कोई राहत राशि नहीं मिली है। तत्काल जरूरतों के लिए, नियमों के अनुसार पीडी फंड का इस्तेमाल किया जा रहा है।

बेसिन में अच्छी बारिश के कारण

तुंगभद्रा जलाशय का जलस्तर 96.84 टीएमसीएफटी पहुंचा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तुंगभद्रा जलाशय, जिसके एक क्रेस्ट गेट की चेन लिंक टूटने से चिंता पैदा हो गई थी, ने उम्मीद जगाई है कि यह फिर से पूरी तरह भर जाएगा। बेसिन में अच्छी बारिश के कारण 92 प्रतिशत पानी तुंगभद्रा जलाशय में बह गया है। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र की जानकारी के मुताबिक, इस जलाशय में 96.84 टीएमसीएफटी पानी जमा हो चुका है, जिसकी अधिकतम क्षमता 105.79 टीएमसीएफटी है। 40 हजार क्यूसेक से ज्यादा का इनफ्लो और 13 हजार क्यूसेक से ज्यादा का आउटफ्लो है। 1633 फीट ऊंचे इस जलाशय में पहले से ही 1630.73 फीट पानी जमा हो चुका है और आवक पर्याप्त है। इस प्रकार, यह लगभग तय है कि जलाशय भर जाएगा। तुंगभद्रा बोर्ड ने जलाशय से नदी में बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने का पूर्वानुमान दिया है और आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश भेजे हैं। हाल ही में जलाशय का 19वां क्रेस्ट गेट चेन लिंक टूट गया और 35 हजार टीएमसी से अधिक पानी छोड़ा गया। सरकार को इस बात की चिंता थी कि जलाशय फिर से भरेगा या नहीं। जैसे ही सरकार ने टूटे हुए गेट को बदल दिया और तुरंत नया गेट लगा दिया, जलाशय में पानी का भंडारण काफी बढ़ गया। राज्य के 14 प्रमुख जलाशयों की अधिकतम जल क्षमता 895.62 टीएमसी है, जिसमें से अब तक 831.95 टीएमसी का भंडारण हो चुका है। कावेरी बेसिन के हरंगी, हेमावती, काबिनी और केआरएस जलाशय भरे हुए हैं। इसी तरह कृष्णा कोल्ह्रा के भद्रा, घाटप्रभा, मालाप्रभा, अलमट्टी, नारायणपुरा जलाशय पहले से ही अपनी पूरी क्षमता से भरे हुए हैं। तुंगभद्रा जलाशय भरा हुआ था। लेकिन गेट चेनलिंक निर्माण के परिणामस्वरूप पानी बर्बाद हो गया। अब जलाशय में फिर से पानी जमा हो जाने से नदी बेसिन के लोग खुश हैं। वाणीविलास सागर जलाशय में केवल 70 प्रतिशत पानी संग्रहित है। 30.42 टीएमसीएफटी की अधिकतम भंडारण क्षमता वाले इस जलाशय में अब तक केवल 21.22 टीएमसीएफटी पानी जमा हुआ है। इनफ्लो 693 क्यूसेक और आउटफ्लो 135 क्यूसेक है। पनबिजली उत्पादन के लिए लिंगनमक्की और सुपा जलाशय भी भरने की प्रक्रिया में हैं। लिंगनमक्की जलाशय की अधिकतम भंडारण क्षमता 151.75 टीएमसी है और इसमें पहले से ही 146.75 टीएमसी पानी है। इसमें 17 हजार क्यूसेक से अधिक पानी का प्रवाह और 12 हजार क्यूसेक से अधिक का बहिर्वाह है। इस प्रकार 97 प्रतिशत पहले ही भर चुके हैं। सुपा जलाशय की अधिकतम क्षमता 145.3 टीएमसी है और इसमें पहले से ही 131.08 टीएमसी पानी जमा है, जो 90 प्रतिशत भरा हुआ है, अंतर्वाह 10 हजार क्यूसेक से अधिक है और बहिर्वाह 4.5 हजार क्यूसेक से अधिक है।

दशहरा से पहले हाथियों के लिए वजन उठाने का प्रशिक्षण शुरू

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विश्व प्रसिद्ध दशहरा उत्सव में भाग लेने वाले हाथियों के लिए रविवार से वजन उठाने का प्रशिक्षण शुरू हो गया। कैप्टन अभिमन्यु दशहरा के आकर्षण जम्बू सवारी जुलूस में देवी चामुंडेश्वरी को 750 किलो सोने की अंबारी में लेकर 5 किलोमीटर चलने वाले हैं। इस पृष्ठभूमि में, अभिमन्यु सहित अन्य हाथियों के लिए वजन उठाने का प्रशिक्षण शुरू किया गया है। महल परिसर में सुबह लगभग 7.30 बजे एक विशेष पूजा की गई और फिर अभिमन्यु के कंधों पर 600 किलोग्राम वजन रखा गया। यह अभ्यास महल से बन्नीमंतपा तक वजनदार रेत के बोरे ले जाकर किया गया। इस समय, अभिमन्यु ने गंभीरता से कदम रखा और लोग देखते रहे। वन विभाग के अधिकारियों और महावतों ने कहा कि बाकी हाथियों को धीरे-धीरे वजन उठाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

विधानसभा में जुम्मा अवकाश को लेकर विवाद

प्रहलाद जोशी ने तेजस्वी यादव पर किया पलटवार

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर उनकी टिप्पणियों को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इसे तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा करार दिया। जोशी ने पूछा कि क्या राज्य विधानसभा या संसद के दोनों सदन नमाज अदा करने की जगह हैं।

क्या विधानसभा, राज्यसभा या लोकसभा नमाज अदा करने की जगह है? यह तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा है। मैं एक मंत्री हूं और गुरुवार को किसी देवी-देवता की पूजा करता हूं, फिर मुझे गुरुवार को आराम करने दिया जाएगा। क्या देश ऐसे ही चलता है? यह किस तरह का तरीका है, क्या यह मूर्खतापूर्ण नहीं है? यह तब हुआ जब तेजस्वी ने सीएम हिमंत को योगी का चीनी संस्करण कहा, जबकि शुक्रवार को 2 घंटे की जुम्मा प्रथा को समाप्त करने के असम विधानसभा के फैसले पर उन पर हमला किया।

यादव ने कहा असम के मुख्यमंत्री जानबूझकर मुसलमानों को परेशान करने की हरकतें करते रहते हैं, ताकि सस्ती लोकप्रियता हासिल की जा सके और योगी का चीनी संस्करण बन सकें। भाजपा के लोगों ने नफरत फैलाने, मोदी-शाह का ध्यान आकर्षित करने और समाज का ध्रुवीकरण करने के लिए मुस्लिम भाइयों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा आरएसएस को छोड़कर सभी धर्मों के लोगों का देश की आजादी में हाथ है। हमारे मुस्लिम भाइयों ने देश को आजादी दिलाने में कुर्बानियां दी हैं और जब तक हम यहां हैं, कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने असम के मुख्यमंत्री पर खबरों में बने रहने के लिए सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का आरोप भी लगाया था। तेजस्वी यादव ने कहा असम के मुख्यमंत्री (हिमंत बिस्वा सरमा) सस्ती लोकप्रियता चाहते हैं और खबरों में बने रहना चाहते हैं। योगी आदित्यनाथ बुलडोजर का इस्तेमाल कर रहे हैं और वह (असम सीएम) नमाज रोक रहे हैं, देश सभी का है, शांति होनी चाहिए, लेकिन ये लोग केवल नफरत फैला रहे हैं। असम राज्य विधानसभा ने जुम्मा की नमाज के लिए दो घंटे के स्थगन की प्रथा को समाप्त कर दिया, जिसे औपनिवेशिक असम में मुस्लिम लीग सरकार ने शुरू किया था। असम के स्पीकर बिस्वजीत दैमारी ने कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि समय की कमी के कारण शुक्रवार को चर्चा करना मुश्किल हो गया था। इससे पहले शनिवार को, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जुम्मा की नमाज के लिए 2 घंटे के ब्रेक को समाप्त करने के राज्य विधानसभा के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि भारत में किसी अन्य राज्य की विधानसभा में ऐसा ब्रेक नहीं है। असम में जुम्मा ब्रेक खत्म करने के फैसले का कांग्रेस ने भी समर्थन किया है।

बिहार या देश के किसी भी अन्य राज्य विधानसभा में ऐसा कोई ब्रेक नहीं है। मुझे आश्चर्य है कि असम के बाहर के लोग बिना सोचे-समझे इसका विरोध कर रहे हैं।

पिछले नियम के अनुसार, शुक्रवार को असम विधानसभा की बैठक मुस्लिम सदस्यों को नमाज के लिए जाने की सुविधा देने के लिए सुबह 11 बजे स्थगित कर दी जाती थी, लेकिन नए नियम के अनुसार, विधानसभा धार्मिक उद्देश्यों के लिए बिना किसी स्थगन के अपनी कार्यवाही संचालित करेगी।

जीवंत जुम्बा सत्र और ऊर्जावान साइक्लोथॉन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरजापुर में स्थित डेकाथलॉन स्पोर्ट्स ग्राउंड में रविवार को एमवाईएम बेंगलूरु सेंट्रल के तत्वावधान में अग्रवाल युवा संघ द्वारा एक रोमांचक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में हेल्थीफाई द्वारा संचालित एक जीवंत जुम्बा सत्र और एक ऊर्जावान साइक्लोथॉन शामिल था।

जिसमें सभी समुदाय के 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों संगठनों के प्रमुख सदस्य अपना समर्थन देने के लिए मौजूद थे।

अग्रवाल युवा संघ का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष रोहित केडिया, सचिव अंकित गोयल, उपाध्यक्ष विनोद गर्ग, सहायक कोषाध्यक्ष कौशल तुलस्यान और विभिन्न समिति सदस्यों ने किया। एमवाईएम बेंगलूरु सेंट्रल के अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल और सचिव गौतम लोहिया, कोषाध्यक्ष आयुष भीमसरिया समिति सदस्यों के साथ उपस्थित थे। अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल, सचिव सतीश गोयल, नरेश गुप्ता और गणेश मित्तल ने युवा संघ की पूरी टीम को सुंदर आयोजन के लिए बधाई दी। साथ ही अग्रवाल महिला मंडल की सदस्य भी मौजूद थी, जिनका नेतृत्व अध्यक्ष नीरू तायल, सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल और सहायक कोषाध्यक्ष ज्योति मोदी ने किया। केपीएमवाईएम के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल और एमवाईएम बेंगलूरु की अध्यक्ष स्नेह जाजू भी उपस्थित रही। आयोजकों ने इस कार्यक्रम को संभव बनाने वाले प्रायोजकों और समर्थकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। जिनमें नारायण हृदयालय, हेल्थीफाई, डेकाथलॉन, तुहुंड, सोमानी बाथवेयर (कान्हा सीपी फिटिंग्स), गोल्डन मोमेंट्स, जगन्नाथ, मैका बाय स्टोरीज, सनवेयर, रैफिन, द रेयर और अपोलो डेंटल शामिल था। जुम्बा और साइक्लोथॉन ने न केवल स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ावा दिया, बल्कि प्रतिभागियों के बीच समुदाय और सौहार्द की भावना को भी बढ़ावा दिया।

श्री जीण माँ के दीवाने वार्षिकोत्सव की तैयारी तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जीण माँ के दीवाने द्वारा आगामी 15 सितम्बर को ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित होने वाले वार्षिकोत्सव की तैयारी के लिए सभी सदस्यों की एक सभा होटल सुख सागर के सभागार में हुई। इस कार्यक्रम में कोलकाता के भजन गायक नीरज अग्रवाल व सोनी अरोड़ा संगीतमय मंगलपाठ व भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी जोरशोर से तैयारी में लगे हैं।

राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि हैदराबाद के कलाकारों द्वारा भव्य दरबार सजाया जाएगा। छप्पन भोग, चुनड़ी उत्सव व जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

आने वाले भक्तों के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था रहेगी। इस अवसर पर ओम प्रकाश मित्तल, अनिल सुल्तानिया, गोविंद सुल्तानिया, सुरेश खंडेलवाल, मितेश खंडेलवाल, रूपेश अग्रवाल और नन्दकिशोर चौधरी के साथ महिला समिति सदस्य भी मौजूद थी।

चन्नपट्टना उपचुनाव को प्रतिष्ठा मानने वाले शिवकुमार छुट्टियों में भी व्यस्त

मेरा हर कदम लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है और उनकी सेवा ही मेरा जुनून: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार ने कहा कि वे चन्नपट्टना विधानसभा उपचुनाव को एक अवसर के रूप में स्वीकार करते हैं। उन्होंने रविवार को छुट्टी के दिन भी बिना आराम किए सार्वजनिक बैठक की।

खासकर बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में डीके सुरेश की हार के बाद डीके शिवकुमार ने चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र को प्रतिष्ठित माना है। उनका इरादा उपचुनाव में जेडीएस और भाजपा के गठबंधन उम्मीदवार को हराकर अपने भाई की हार का बदला लेने का है।

बताया जा रहा है कि इसके लिए वह समय-समय पर चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। चार सार्वजनिक बैठकें, एक विशाल रोजगार मेला पहले ही आयोजित किया जा चुका है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर डीके

शिवकुमार ने झंडा फहराकर चौंका दिया। इससे अटकलें लगने लगीं कि विधान सभा उपचुनाव के मद्देनजर यह कदम उठाया जा रहा है। अभी तक कांग्रेस ने प्रत्याशी चयन को लेकर कोई निर्णय नहीं लिया है। शिवकुमार ने यह कहकर अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगा दी है कि उम्मीदवार चाहे कोई भी लड़े, लोगों का वोट उन्हें जाएगा। अब जद(एस) और भाजपा की ओर से गठबंधन उम्मीदवार के चयन को लेकर गंभीर चर्चा चल रही है। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के बेटे निखिल कुमारस्वामी निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय हैं। संभव है कि कुमारस्वामी भी चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र को प्रतिष्ठित मानते हों। इसके लिए डीके शिवकुमार शुरू से ही मैदान में उतर गए हैं और बैठक पर बैठक कर रहे हैं। कई सरकारी पहलों का आयोजन किया। ऐसी आलोचनाएँ हो रही हैं कि सरकारी कार्यक्रमों की आड़ में शिवकुमार राजनीतिक शक्ति को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इससे पहले शिवकुमार ने कनकपुरा में आयोजित जन प्रतिक्रिया कार्यक्रम में जनता की शिकायतें प्राप्त कीं और उनकी समस्याओं का उचित समाधान करने का वादा किया। उन्होंने कहा मेरा हर कदम लोगों के कल्याण के लिए समर्पित है और उनकी सेवा ही मेरा जुनून है।

ईश्वर खंड्रे ने जंगली जानवरों की करंट लगने से मौत पर मांगी रिपोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जंगली जानवरों की करंट लगने से मौत की बढ़ती घटनाओं से क्षुब्ध कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने वन अधिकारियों से पिछले पांच वर्षों में ऐसी घटनाओं की संख्या और दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी है। वन एवं पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक को लिखे पत्र में

खंड्रे ने यह भी कहा कि अब से वे बिजली लगने से मरने वाले जंगली जानवरों की पोस्टमार्टम रिपोर्ट की एक प्रति भेजें। अधिकारियों को उन्हें बिजली की बाड़ लगाने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई और कारण के बारे में विस्तृत रिपोर्ट भी भेजनी चाहिए। हाल के दिनों में, कई जानवर, जिनमें ज्यादातर हाथी और उनके बच्चे थे, बिजली लगने से मर गए हैं।

आतंक मचाने वाला तेंदुआ आखिरकार पकड़ा गया

दक्षिण कन्नड़/शुभ लाभ ब्यूरो। पिछले दो महीनों से सावनलू गांव में दहशत का माहौल पैदा करने वाले तेंदुए को आखिरकार शनिवार देर रात पकड़ लिया गया।

वन विभाग के अधिकारियों ने दो महीने पहले गुरिकंदा आनंद के घर के पास एक पिंजरा लगाया था, जिसमें तेंदुए को फँसाने के लिए मुर्गी डाला गया था। शनिवार की रात मुर्गी का शिकार करने की कोशिश में तेंदुआ पिंजरे में फँस गया। वन विभाग के अधिकारियों को तुरंत सूचना दी गई और वे मौके पर पहुँचे। तेंदुए के पकड़े जाने से स्थानीय निवासियों ने राहत की साँस ली, जो तेंदुए की मौजूदगी के कारण डर में जी रहे थे।

सड़क हादसे में ट्रक चालक घायल

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल के मेलकर-मुदिपु रोड पर मरनाबेल में एक कार और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कार चालक मुस्तफा गंभीर रूप से घायल हो गया। सीमेंट की बोरियां लेकर मुदिपु जा रहा ट्रक, विपरीत दिशा से मेलकर की ओर आ रही कार से टकरा गया। टक्कर के कारण कार पूरी तरह से यू-टर्न ले गई। ट्रक चालक को मामूली चोटें आईं। बंटवाल ट्रैफिक पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

सिद्धरामैया के नाम पर मुडा में अवैधता

कांग्रेस सरकार ने लोगों का विश्वास और लोकप्रियता खो दी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि बहुत ही कम समय में कांग्रेस सरकार ने राज्य की जनता का विश्वास और लोकप्रियता खो दी है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि लोग भूल गए हैं कि पिछले 2 महीने से राज्य में एक सत्तारूढ़ पार्टी है। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में भाजपा कानूनी समिति की राज्य कार्यकारिणी बैठक के उद्घाटन पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैसूरु में हर स्तर पर सिद्धरामैया के नाम पर सब कुछ अवैध रूप से किया गया है। साथ ही, उनकी पत्नी को 50:50 के अनुपात में प्लॉट उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि आरोप है कि ये सब भाजपा सरकार के दौरान हुआ।

जब भाजपा की सरकार थी तो 50-50 के अनुपात में जमीन देने को राजी नहीं थे। उन्होंने आपत्ति जताई कि कुछ अधिकारियों ने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया और सिद्धरामैया के परिवार को खुश करने के लिए यह सब अवैध रूप से किया। राज्य के प्रत्येक हिस्से में प्रशासन पूरी तरह चरमरा गया है। घोटाले भी हुए हैं। इनमें वाल्मीकि निगम घोटाला और मुडा घोटाला प्रमुख है। उन्होंने कहा हमारी लड़ाई भ्रष्टाचार के खिलाफ है। एक विपक्षी दल के रूप में, संघर्ष केवल सत्तारूढ़ दल का विरोध करने के लिए नहीं किया गया था। कितना भी

अनुभव हो सरकार को सही रास्ते पर चलने में समय लगता है। लेकिन इसका मतलब भ्रष्टाचार में डूबना नहीं है। राज्य में दिन निकलते ही संघर्ष जारी है। सत्तारूढ़ दल यहां-वहां कार्यकर्ताओं पर मुकदमे दर्ज कराता है। कानूनी सलाह के बिना हम चल भी नहीं सकते। वाल्मीकि निगम के अधिकारी चन्द्रशेखर की आत्महत्या के बाद इस सरकार के घोटाले लोगों तक पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश में कांग्रेस सरकार के हर दिन नये मामले देख रहे हैं। चन्द्रशेखर की आत्महत्या के बाद कांग्रेसी अपनी सरकार को क्लीन चिट देने को तैयार थे कि वाल्मीकि निगम में कोई घोटाला नहीं हुआ है। हालांकि बाद में उन्हीं मुख्यमंत्री ने मंत्री नागेंद्र का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। मैसूरु में मुडा घोटाले को लेकर हाईकोर्ट में बहस छिड़ गई है। यह एक तार्किक निष्कर्ष पर आ गया है। बहुत ही कम समय में बेंगलूरु-मैसूरु पदयात्रा में इतनी बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। उन्होंने इसका विश्लेषण एक बड़ी सफल पदयात्रा के तौर पर किया। उन्होंने कहा कि विधि आयोग समेत सभी मोर्चों ने भाग लिया। भाजपा में कई समितियां हैं। सभी समितियों की अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ हैं। यह विधि आयोग की पहली राज्य कार्यकारिणी है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि विधि आयोग पार्टी के मामलों में बहुत महत्व-पूर्ण भूमिका निभा रहा है। विधि आयोग के राज्य संयोजक वसंतकुमार ने परिचयात्मक भाषण देते हुए बताया कि 95 प्रतिशत जिला संयोजकों की नियुक्ति हो चुकी है। हम वाल्मीकि निगम घोटाले में कानूनी लड़ाई में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हम मुडा घोटाले के खिलाफ मार्च का समर्थन करने के साथ-साथ कानूनी लड़ाई भी लड़ रहे हैं।

बेंगलूरु पुलिस ने पीजी हत्या मामले में आरोप पत्र किया पेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुलिस ने कोरमंगला के पीजी हॉस्टल में 24 वर्षीय युवती की हत्या के मामले में कोर्ट में 1,205 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व) सारा फातिमा ने बताया कि कोरमंगला पीजी हॉस्टल में हुई कृति कुमारी हत्या मामले में मध्य प्रदेश के बेगमगंज निवासी 23 वर्षीय अभिषेक घोसी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया है। आरोप पत्र में कुल 1,205 पन्ने हैं और 85 गवाहों का जिक्र है। मामले में एफआईआर 24 जुलाई को दर्ज की गई थी। आरोपी को 26 जुलाई को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया गया था। आरोपी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) (हत्या) के तहत आरोप

लगाया गया है। 23 जुलाई की रात को मृतक कृति कुमारी की चाकू से गोदकर हत्या करने वाला अभिषेक मध्य प्रदेश भाग गया था और वहीं छिपा हुआ था। पुलिस की विशेष टीमों ने उसे गिरफ्तार कर लिया, जिन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी थी। बिहार की रहने वाली मृतक कृति कुमारी एक निजी कंपनी में काम करती थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अभिषेक कृति कुमारी की दोस्त और सहकर्मी के साथ रिलेशनशिप में था। अभिषेक पीजी हॉस्टल में आता-जाता था और अक्सर अपनी गर्लफ्रेंड से मिलने भोपाल से बेंगलूरु आया करता था। दोनों के बीच रिश्ते खराब हो गए और मृतका की दोस्त उससे दूर रहने लगी। इसके बाद अभिषेक पीजी हॉस्टल में आया और हंगामा करने लगा। कृति कुमारी ने अपनी दोस्त को नए पीजी हॉस्टल में शिफ्ट होने में मदद की थी और दोनों ने उसका फोन उठाना बंद कर दिया था। अभिषेक उस पीजी हॉस्टल में आया, जहां कृति रह रही थी और उसने वारदात को अंजाम दिया। बाद में युवती की नृशंस हत्या का खौफनाक सीसीटीवी फुटेज सामने आया और आईटी सिटी में लाखों महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई।

पृथ्वी बहादुरों व आत्मा में ताकत रखने वालों की : धनखड़

देहरादून, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को उत्तराखंड के देहरादून स्थित राष्ट्रीय भारतीय सैन्य महाविद्यालय (आरआईएमसी) के कैडेट्स से आग्रह किया कि वे अपने संस्थान के आदर्श- बल, विवेक को चरितार्थ करें तथा ताकत और ज्ञान विकसित करें, ताकि वे जीवन की बड़ी जंग को लड़ सकें।

श्री धनखड़ ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के 10 दिसंबर, 1962 को आरआईएमसी कैडेट्स को दिए गए भाषण की याद दिलाते हुए, दोहराया, पृथ्वी बहादुरों की होती है, आत्मा में ताकत रखने वालों की होती है, आलसी और अक्षम लोगों की नहीं। इस महान प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता की दुनिया में, हमें आत्म-नियंत्रण और बलिदान से जीवन जीना होगा । इन महान आदर्शों को जीवन में धारण करें। श्री धनखड़ ने कहा, ताकत और विवेक एक मजबूत संयोजन बनाते हैं, जो चुनौती का सामना करने पर अभेद्यता उत्पन्न करता है। राष्ट्र के हित को सभी परिस्थितियों में सबसे ऊपर रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए, उन्होंने कहा, देश की सेवा गर्व और निर्भीकता के साथ करें। भारत माता आपका इंतजार कर रही है। राष्ट्र का भविष्य आपके कंधों पर है। हमेशा राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दें। आपका आचरण अनुशासन, शिष्टाचार और सहानुभूति का उदाहरण होना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने आरआईएमसी के पूर्व छात्रों और समुदाय से आग्रह किया कि वे एक थिंक टैंक के रूप में कार्य करें और युवाओं में राष्ट्रीयता की भावना का संचार करें तथा उन लोगों के खिलाफ़ कदम उठाएं, जो ग्राउंड रियलिटी से अज्ञात हैं और भारत की अद्वितीय आर्थिक वृद्धि, विकास यात्रा और वैश्विक मंच पर उन्नति को नहीं मानते। उन्होंने कैडेट्स को कठिनाइयों के समय भी खड़ा रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा, मेरे प्रिय युवा कैडेट्स, आपकी व्यक्तिगत और पेशेवर यात्रा में, आप ऐसे क्षणों का सामना करेंगे जो आपको परखेंगे। ऐसे दिन आएंगे जब आपकी धैर्यता कम हो जाएगी और थकावट बढ़ेगी। आप सभी अपने-अपने संघर्षों का सामना करेंगे, लेकिन याद रखें कि जो लोग चुनौती का सामना करते हैं और विपरीत परिस्थितियों में जोखिम उठाते हैं, वे ही साहस, पहल और नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। विफलता के भय को विकास का सबसे बड़ा हत्यारा बताते हुए, श्री धनखड़ ने कैडेट्स से कहा, जीवन में कभी विफलता से न डरें, यह सफलता की ओर एक कदम है। डर की भावना आपकी प्रतिभा के उपयोग और आपके संभावनाओं की वास्तविकता में बाधा डालती है। हमेशा याद रखें, डर हमारे विकास की यात्रा का आवश्यक हिस्सा है।

उन्होंने चंद्रयान मिशन की सफलता की कहानी का जिक्र करते हुए कहा, ऐतिहासिक चंद्रयान मिशन को याद करें। चंद्रयान-2 आंशिक रूप से सफल हुआ, लेकिन पूरी तरह से नहीं। कुछ के लिए यह विफलता थी और समझदार लोगों के लिए यह सफलता की ओर एक कदम था। इसके बाद पिछले वर्ष 23 अगस्त को चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया, और भारत इस उपलब्धि को प्राप्त करने वाला पहला राष्ट्र बन गया। आरआईएमसी और सैनिक स्कूलों में लड़कियों की भर्ती की सराहना करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा कि ये कदम लिंग समानता और न्याय के लिए महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, हमारी महिलाएं लड़ाकू विमानों की पायलट हैं, वे अंतरिक्ष मिशनों की कमान संभाल रही हैं, और हर रुकावट को तोड़ रही हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण निश्चित रूप से एक गेम चेंजर होगा। इस अवसर पर, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह, राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज के कमांडेंट, कर्नल राहुल अग्रवाल, कैडेट्स, शिक्षकगण और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

अहिल्याबाई के आदर्शों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए लगातार होंगे कार्यक्रम: यादव

इंदौर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई के आदर्शों, सिद्धांतों, व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिये राज्य शासन द्वारा समिति का गठन किया जायेगा। इस समिति के माध्यम से लगातार कार्यक्रम होंगे। समिति गठन के संबंध में शीघ्र ही आदेश जारी किये जाएंगे।

डॉ. यादव आज यहां देवी अहिल्याबाई होलकर की 229 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित गुणीजन सम्मान, पुरस्कार वितरण एवं पुण्य स्मरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में काम करने वाले श्रीकांत वासुदेव को गुणीजन सम्मान प्रदान किया। अहिल्या उत्सव के दौरान एक माह तक विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये। डॉ यादव ने अहिल्या उत्सव पर आयोजित मां अहिल्याबाई होलकर की पालकी यात्रा का पूजन किया और उन्होंने बड़ी श्रद्धा के साथ पालकी को अपने कांधों पर थामकर यात्रा की शुरूआत की। उन्होंने मां अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर श्रद्धासुमन भी अर्पित किये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई हम सबकी आदर्श और प्रेरणा स्त्रोत है। उन्होंने जनहितैषी और ममतामयी विशेष शासन व्यवस्था से देश में विशेष पहचान स्थापित की है। वे सनातन धर्म की बड़ी संवाहक रही हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास में इंदौर का विशेष स्थान रहा है। यहां देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी न्यायप्रिय, कुशल संगठक, कुशल प्रबंधक, संघर्षशील, धर्मप्रिय एवं उद्दतभाव वाली ममतामयी शासक रही हैं। डॉ. यादव ने अपनी शासन व्यवस्था से देश में विशेष पहचान कायम की है और भगवान शिव को आराध्य मानकर साथ में रखकर और शासन व्यवस्था चलायी। उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण और जल-संरक्षण और संवर्धन के क्षेत्र में किये गये कार्य आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। उन्होंने सम्पूर्ण राष्ट्र में सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यों को बढ़ावा दिया है। उनका व्यक्तित्व, कृतित्व, आदर्श और सिद्धांत हमारे लिये प्रेरणास्पद है। उनके आदर्शों, सिद्धांतों, व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाने के लिये राज्य शासन द्वारा समिति का गठन किया जा रहा है।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने कहा कि पुण्य सलिला देवी अहिल्याबाई होलकर ने जल-संरक्षण के क्षेत्र में हमें नई दिशा दिखायी है। उनके इन कार्यों से प्रेरणा लेकर हमने इंदौर जिले में अभियान चलाकर जन-भागीदारी से 200 से अधिक तालाबों का गहरीकरण कराया है।

अनुच्छेद 370 निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर में विकास और शांति के नए युग की शुरुआत हुई: चुघ

श्रीनगर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव तरूण चुघ ने रविवार को कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से जम्मू-कश्मीर में विकास और शांति के एक नए युग की शुरुआत हुई है।

श्री चुघ ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद मीडिया से कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने से भ्रष्टाचार की दुकानें बंद हो गयी हैं और वे कभी दोबारा नहीं खुलेंगी। उन्होंने दावा किया कि पांच अगस्त, 2019 से इस क्षेत्र में प्रगति और सद्भाव के एक नये अध्याय की शुरुआत हुई। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को गले लगाया और अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी-नेहरू भ्रमित नेतृत्व जम्मू-कश्मीर के लोगों ने अस्वीकार कर दिया है। भाजपा महासचिव ने बल देकर कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर के लोग खुशी, शांति, विकास और विश्वास का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अनुच्छेद 370 और 35ए के अधिकांश प्रावधानों को समाप्त करना इस क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। जिन्होंने जम्मू-कश्मीर को लूटा है, वे फिर कभी सफल नहीं होंगे, उनकी भ्रष्टाचार की दुकानें हमेशा के लिए बंद कर दी गई हैं। श्री चुघ ने जम्मू-कश्मीर के लोगों से इन राजनीतिक दलों के झांसे में नहीं आने का आग्रह किया और कहा कि उन्हें इन दलों के बदले भाजपा का समर्थन करना चाहिए। परिवारों को खारिज कर दिया, जो अपने अहंकार और भ्रष्टाचार के कारण इस क्षेत्र का दोहन करते रहे हैं।

श्री चुघ ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला की आलोचना करते हुए उन्हें अनुच्छेद 370 के बारे में भ्रम उत्पन्न करने वाला और जनता को गुमराह करने वाला एक भ्रमित व्यक्ति कहा। उन्होंने कहा कि श्री अब्दुल्ला दुनिया का सबसे भ्रमित व्यक्ति पुरस्कार के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि उनका शत प्रतिशत

भारत की यूपीआई ने दुनिया में धूम मचाई: अनुराग

शिमला, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने भारत में डिजिटल व कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने, पेमेंट्स के तरीक़े को सुगम बनाने व फिनटेक क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा व सुगम माध्यम बताया है जिससे जन-जन के लिए बैंकिंग आसान हुई है।

श्री ठाकुर ने कहा कि आँकड़ों के अनुसार यूपीआई से हर सेकेंड 3729 ट्रांजैक्शन, अप्रैल-जुलाई के बीच 81 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ है। उन्होंने कहा,भारत के वित्तीय तकनीक परिदृश्य में हो रहे बदलाव वास्तव में सामाजिक प्रभाव भी डाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फिनटेक को बढ़ाया देने की नीति के चलते आज यह अनौपचारिक अर्थव्यवस्था तक पहुँच रहा है और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच वित्तीय सेवाओं में अंतर को पाटने में मदद कर रहा है। आज भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस को डिजिटल लेन-देन में दुनिया का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बना है। मोदी सरकार द्वारा साल 2016 में शुरू की गई यूपीआई ने भारत में डिजिटल लेनदेन को अत्यंत सुगम बनाया दिया है। लेन-देन समेत बैंकिंग सेवाओं को डिजिटल बनाने के मामले में भारत ने उल्लेखनीय तरक्की की है और प्राप्त आँकड़ों के अनुसार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस से इस वर्ष अप्रैल से जुलाई की अवधि में 81 लाख करोड़ रुपए से अधिक का लेनदेन हुआ है। इसमें सालाना आधार पर 37 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। डेटा के अनुसार यूपीआई से प्रति सेकंड 3,729.1 लेनदेन हो रहे हैं। 2022 में यह आंकड़ा 2,348 लेनदेन प्रति सेकंड था। इस दौरान यूपीआई से लेनदेन में 58 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। भारत द्वारा विकसित मंच आज दुनिया के लिए मॉडल बन रहे हैं और यूपीआई पूरी दुनिया के लिए वित्तीय समावेशन प्लेटफॉर्म के रूप में अपनी सशक्त पहचान बनाई है।

श्री ठाकुर में कहा, कांग्रेसी नेता एक समय यूपीआई और डिजिटल इंडिया का मजाक उड़ाते थे आज अब वही डिजिटल इंडिया आम आदमी की ताकत बन चुकी है। आज फल सब्ज़ी विक्रेता तक यूपीआई से लेनदेन कर रहे हैं। कांग्रेसी भारत की जनता की क्षमता पर संदेह करते थे, उनका मजाक उड़ाते थे। खुलेआम कहा जाता था कि गरीब लोग डिजिटल का मतलब भी नहीं समझ पाएंगे। लेकिन मोदी सरकार का देश के सामान्य मानविकी समझ पर भरोसा था। मोदी सरकार ने खुद आगे बढ़कर डिजिटल पेमेंट्स का रास्ता आसान बनाया हैं। प्रधानमंत्री की सोच के अनुरूप छोटे व्यापारी, छोटे उद्यमी, फिर लोकल कलाकार, या कारीगर हों, डिजिटल इंडिया ने सबको मंच दिया है। डिजिटल इंडिया ने सभी कार्य सुलभ बनाया है, ये देश के विकास का बहुत बड़ा विज़न है।

श्री ठाकुर ने कहा, दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में भारत शीर्ष पर है। यहां 40 फीसदी के करीब लेनदेन डिजिटल तौर पर किए जाते हैं। डिजिटल भुगतान करने के लिए लोग सबसे ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मर्चेंट्स द्वारा यूपीआई क्यूआर कोड के जरिए भुगतान स्वीकार करने और क्रॉस बॉर्डर भुगतान के लिए यूपीआई को अन्य देशों के तेज भुगतान प्रणाली से जोड़ने के लिए कार्यरत है।

झारखंड में घुसपैठ से बर्बादी पर चिंतित हैं चंपई सोरेन :शिवराज चौहान

रांची, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री एवं झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री चंपई रेन की भाजपा में आने पर फिर एकबार प्रतिक्रिया दी।

श्री सिंह मध्यप्रदेश में अपने लोकसभा क्षेत्र विदिशा के दौरे पर कहा कि चंपई सोरेन सच में झारखंड के टाइगर हैं। आंदोलन की भट्टी में तप के निकले ऐसे नेता जिन्होंने झामुमो को खड़ा किया और अलग झारखंड बनने में भी उनकी उल्लेखनीय भूमिका है। जनता में उनका आदर है वो झारखंड को बचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी में आए हैं। कहा जिस ढंग से विदेशी घुसपैठ के कारण झारखंड तबाह और बर्बाद हो रहा है, बेटियों से शादी करके उनके नाम पर जमीने खरीदी जा रही हैं वो चिंतित हैं जिस ढंग से नोटों के पहाड़ बरामद हो रहे हैं भ्रष्टाचार चरम पर है उससे वो चिंतित हैं।

श्री चौहान ने कहा और जिस ढंग से उन्हें अपमानित किया गया, मुख्यमंत्री होते हुए भी नियुक्तिपत्र नहीं बांटने दिए, कार्यक्रम नहीं करने दिए क्योंकि झामुमो अब पति-पत्नी की पार्टी बन कर रह गई है। कहा इसलिए उन्होंने झारखंड को बचाने के लिए भाजपा का दामन थामा है। ठगबंधन की सरकार जाना अब तय है भारतीय जनता पार्टी अब सरकार बनाएगी। बिचंपई सोरेन बहुत बड़े नेता है और मेरे मन में उनके लिए आदर और बढ़ गया उनकी कोई शर्त नहीं है।

शिमला में निर्माणाधीन अवैध मस्जिद का मुद्दा गरमाया, हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन

शिमला, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगर संजौली में निर्माणाधीन अवैध मस्जिद का मुद्दा गरमा गया है। हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने रविवार को संजौली में जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्षद नरेंद्र ठाकुर भी प्रदर्शन में शामिल हुए।

संजौली बाजार में भारी संख्या में रैली निकालते हुए हिंदू संगठन मस्जिद के बाहर पहुंचे और वहां हनुमान चालीसा का पाठ किया। प्रदर्शनकारियों ने मस्जिद को अवैध बताते हुए प्रशासन से इसे तोड़ने की मांग की। प्रदर्शनकारियों का यह भी कहना रहा कि शिमला में बाहरी राज्य से आ रहे विशेष समुदाय के लोगों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है और वे हिंदू समाज को डराने धमकाने का काम कर रहे हैं। लोगों ने शहर में रेहड़ी फड़ी लगाने वाले बाहरी राज्यों के लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन की भी मांग की।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि संजौली में तीन मंजिला मस्जिद को अवैध तरीके से बिना प्रशासन की अनुमति के बनाया गया है। प्रदर्शनकारी अवैध मस्जिद को तोड़ने की मांग पर अड़े रहे। तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है। मामले के तूल पकड़ने पर शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप और पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी भी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दो दिन पहले शिमला के उपनगर मल्याना में विशेष समुदाय के लोगों ने एक स्थानीय कारोबारी की बुरी तरह पिटाई की है। पीड़ित को सिर पर कई टांके लगे हैं। उनका कहना है कि बाहरी राज्यों से आ रहे विशेष समुदाय के लोग शहर का माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। इससे स्थानीय लोग खौफजदा हैं।

डीसी व एसपी ने प्रदर्शनकारियों को पूरे मामले में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जाएगी, ताकि समाज में पूरा समांजस्य बना रहे। उन्होंने कहा कि मस्जिद निर्माण का मामला नगर निगम कोर्ट में लंबित है। मौके पर मौजूद नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने भी माना कि वक्फ बोर्ड की जमीन पर मस्जिद बनी है, लेकिन इमारत की तीन मंजिलें अवैध तौर पर बनाई जा रही हैं। इसे लेकर शनिवार को नगर निगम की अदालत में मामला लगेगा और आगामी निर्णय लिया जाएगा। डीसी व एसपी ने प्रदर्शनकारियों को संयम बरतने की सलाह दी और कहा कि मामला धार्मिक भावनाओं से जुड़ा है और ऐसे में पूरी छानबीन के बाद उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वहीं, एसपी संजीव गांधी ने कहा कि इस पूरे मामले में स्थापित प्रक्रियाओं के अनुरूप काम होगा और उनके सभी मुद्दों का सकारात्मक समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से नगर निगम पार्षदों के साथ बैठकर इस पूरे मामले का हल निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि शिमला में काम करने के लिए बाहरी राज्यों से आने वाले प्रवासियों का पंजीकरण किया जाता है और इसे लेकर पुलिस पूरी तरह सजग है। उन्होंने मल्याणा में हिन्दू युवक पर हुए हमले के दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस घटना की जांच का जिम्मा पुलिस अधिकारी को सौंपा गया है।

शिमला के मल्याणा में दो दिन पहले एक हिंदु युवक पर विशेष समुदाय के लोगों ने हमला किया था। इसके बाद इस मामले ने तूल पकड़ा। शिमला पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। विशेष समुदाय के लोगों पर आरोप है कि उन्होंने मल्याणा में दुकान करने वाले स्थानीय कारोबारी और उसके दोस्तों पर डंडे व रॉड से हमले का आरोप लगा है। मारपीट की वजह आपसी कहासुनी बताई गई है। इस घटना में चार युवक चोटिल हुए हैं। इस घटना के बाद हिंदू संगठनों में विशेष समुदाय के लोगों के हमले से स्थानीय लोगों में आक्रोश पनपा है।

मामले के अनुसार मल्याणा में दुकान करने वाले एक युवक की बाहरी समुदाय के कुछ युवकों के साथ बहसबाजी हुई। देर रात युवक जब अपने साथी दुकानदारों के साथ घर जा रहा था। तब विशेष समुदाय के करीब आधा दर्जन लोगों ने युवक पर हमला बोल दिया। इसमें करीब चार को चोटें लगी हैं। जानकारी अनुसार हमला करने वाले विशेष समुदाय के लोग भी शिमला में निजी काम करते हैं। इनमें किसी की दुकान है तो कोई पेंटर व कारपेंटर बताया गया है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

जम्मू, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सुरक्षा एजेंसियों ने राष्ट्र-विरोधी तत्वों की सभी दुर्भावना-पूर्ण योजनाओं को विफल करने के लिए आपसी तालमेल को मजबूत करने पर जोर दिया है।

विधानसभा चुनाव तीन चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे, और मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि चुनाव प्रक्रिया सुरक्षित और सुचारु हो।

जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सुरक्षा बढ़ाने और अंतर-एजेंसी सहयोग को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श करने के लिए लेफ्टिनेंट जनरल राजन शरावत, जीओसी, 9 कोर की अध्यक्षता में एक संयुक्त खुफिया और सुरक्षा सम्मेलन के दौरान मेजर जनरल विक्रम शर्मा, जीओसी गुर्ज डिवीजन के साथ, जिसमें जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक शिव कुमार शर्मा, डीआइजी पठानकोट-अमृतसर रेंज सुखजिंदर सिंह, एसएसपी कठुआ दीपिका, एसएसपी पठानकोट एवं अन्य शीर्ष अधिकारियों ने एक बैठक आयोजित की। एक अधिकारी ने रविवार को कहा, कोर कमांडर ने सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया और आश्वासन दिया कि जो आतंकवादी हमारी मातृभूमि में किसी भी मार्ग से प्रवेश करते हैं, उन्हें जल्द ही समाप्त कर दिया जाएगा।

सीएम योगी ने वाराणसी में की घोषणा

दो साल में 01 लाख युवकों की होगी यूपी पुलिस में भर्ती

वाराणसी,1 सितंबर। उत्तर प्रदेश की संस्कार नगरी वाराणसी में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले दो साल में यूपी पुलिस में 1 लाख नौजवानों की भर्ती होगी। सीएम योगी ने आगे कहा कि यही नहीं आने वाले दो वर्षों में 2 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी से जोड़ा जाएगा। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में युवाओं के साथ कोई भेदभाव नहीं होता। युवाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी से जोड़ा जा रहा है। विगत साढ़े सात वर्ष में हमने साढ़े छह लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी है। कल ही हमने प्रदेश में सबसे बड़ी पुलिस भर्ती प्रक्रिया की लिखित परीक्षा सकुशल संपन्न कराई, जिससे 60200 से ज्यादा युवाओं को पुलिस बल में सेवा देने का मौका मिलेगा।

सीएम योगी वाराणसी में भारतीय जनता युवा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक व सदस्ता कार्यशाला में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने युवाओं को राजनीति का ककहारा सिखाते हुए सिद्धांतों के अनुरूप मूल्यों व आदर्शों की स्थापना के लिए राजनीति को चुनने का आह्वान किया। उन्होंने साफ कहा कि राजनीति सत्ता प्राप्ति या स्वार्थ सिद्धि नहीं बल्कि प्रदेश हित व राष्ट्रहित के मूल्यों के संवर्धन का माध्यम बनना चाहिए। रविवार को वाराणसी में भारतीय जनता युवा मोर्चा, उत्तर प्रदेश की कार्य समिति की बैठक व सदस्यता

कार्यशाला में युवाओं को सार्थक राजनीति का मंत्र देते हुए अटल जी की सीख की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने कहा कि हमेशा एक बात याद रखें, सिद्धांत विहीन राजनीति मौत का फंदा होती है। हमें प्रलोभन में फंसना नहीं है और चाहे कुछ भी हो जाए अपने मूल्यों से समझौता नहीं करना है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश के बदलते परसेप्शन के बारे में कहा कि जब हमने युवाओं को रोजगार देने का कार्य किया तो आज परिणाम सबके सामने है। आज प्रदेश में युवाओं को उनके जनपद और गांवों में ही नौकरी मिल रही है, देश दुनिया का हर बड़ा निवेशक उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहता है और प्रदेश आज देश में दूसरे नंबर की इकॉनमी बन चुका है। यह सब युवा शक्ति पर फोकस करने के कारण हुआ है। हम अगले 3-4 साल में प्रदेश को देश की पहली नंबर की इकॉनमी बनाने जा रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं को भी संगठन को हर मायने में नंबर वन बनाने का लक्ष्य दिया।

कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि आज सब बाबा विश्वनाथ की इस पावन धरा पर एकत्र होकर कार्यशाला में सहभागी बन रहे हैं। प्रदेश के अलग-लग जनपदों से युवा यहां सहभागी बन रहे हैं। आपका उत्साह नई ऊर्जा का वाहक बनता है। यही ऊर्जा प्रधानमंत्री के सुशासन के मिशन को धरातल पर उतारने का कारण बनता है।

ये उम्र ही ऐसी है जहां ऊर्जा भी है और प्रतिभा भी है। सार्वजनिक जीवन में राजनीति को हम लोग सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं बल्कि मूल्यों व आदर्शों की स्थापना के लिए कार्य कर रहे हैं। अपने उद्देश्य से विचलित हुए बिना हम सब कार्य करते हैं और हम श्रेय लेने के लिए कार्य नहीं करते। हम अच्छे से जानते हैं हम तो निमित्त मात्र हैं। 60 साल पहले के उत्तर प्रदेश और आज के उत्तर प्रदेश में आप फर्क महसूस करते होंगे।

हमारे युवाओं के सामने पहचान का संकट था, अराजकता थी। बेटी-व्यापारी का सम्मान नहीं था, भेदभाव अपने चरम पर था। प्रदेश से पलायन हो रहा था, किसान आत्महत्या कर रहा था। उन स्थितियों से उबरने में प्रधानमंत्री मोदी को जब जनादेश मिला तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन साढ़े सात वर्षों में आपने बदलते हुए उत्तर प्रदेश को देखा है। जहां बेटी और व्यापारी दोनों सुरक्षित हैं और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। हम व्यापारियों को बीमा कवर दे रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार द्वारा उत्तम कानून व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए गए तो उनका परिणाम भी आपके सामने है। आज देश का व दुनिया का हर बड़ा निवेश उत्तर प्रदेश में निवेश करने के लिए आ रहा है। फरवरी 2023 में जो इन्वेस्टर समिट हुआ उसमें उत्तर प्रदेश को 40 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। लगभग डेढ़ करोड़ युवाओं को इससे रोजगार मिलेगा और युवाओं को नौकरी के लिए किसी अन्य राज्य में भटकना नहीं पड़ेगा। अपने उसी के प्रदेश, अपने जनपद और अपने गांव में रोजगार मिलेगा। उत्तर प्रदेश में बिजली अब चौबीस घंटे रहती है और सड़क बेहतर हुई हैं।

पहले उत्तर प्रदेश जनसंख्या के लिहाज से पहले स्थान पर था मगर अर्थव्यवस्था के लिहाज से 7वें पायदान पर था। आज उत्तर प्रदेश की अर्थ व्यवस्था में हो रही बढ़ोत्तरी न केवल देश बल्कि दुनिया में भी चर्चा का विषय बनी हुई है और ऐसा सामूहिक प्रयास के कारण ही हो सका है। साढ़े 7 वर्षों में हम उत्तर प्रदेश को दूसरी नंबर की अर्थव्यवस्था बनाने में सफल रहे जबकि तीन-चार वर्ष के अंदर देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि युवा मोर्चा के कार्यक्रम में जब आता हूं तो मुझे अच्छा लगता है। यहां जो ऊर्जा है वह राष्ट्र निर्माण करने वाली ऊर्जा है जो न केवल प्रदेश बल्कि राष्ट्र के लिए पूरी क्षमता से कार्य कर करेगी। हम इतनी संख्या में युवाओं को जोड़ें कि भारतीय जनता युवा मोर्चा नंबर वन दिखाई दे।

भेड़िए ने फिर किया हमला मां ने बच्चे को बचाया

बहराइच, 01 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बहराइच जिले में भेड़ियों का आतंक जारी है। हरदी थाना क्षेत्र में शनिवार की रात फिर भेड़िया ने दस्तक दी। भेड़िये ने घर में मां के साथ लेटे हरदी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूरे बस्ती गड़रिया के मजरा जंगल पुरवा निवासी पारस (07) पर हमला किया। भेड़िया ने बालक को गले से दबोच कर भागने का प्रयास किया। लेकिन उसकी चीख सुन परिजन जाग गए। परिजनों का शोर सुन भेड़िया खेतों में भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने बालक को सीएचसी महसी पहुंचाया। जहां उसका इलाज जारी है। अचानक फिर हुए हमले से दहशत बढ़ गई है।

भेड़ियों से बचाव व उन्हें पकड़ने के लिए पीएसी के 200 जवान, राजस्व विभाग की 32 व वन विभाग की 25 टीमें लगाई गई हैं। टीमों द्वारा हर संभव कवायद की जा रही है लेकिन दो भेड़ियों की होशियारी के आगे सभी कवायदें फेल नजर आ रही हैं। शनिवार को भी टीमें गन्ने के खेत व नदी के कछार में खाक छानती रहीं लेकिन भेड़िये हाथ नहीं लगे। महसी तहसील के हरदी व खैरीघाट थाना क्षेत्रों के लगभग 50 गांव भेड़ियों से प्रभावित हैं। इन क्षेत्रों में शासन-प्रशासन की ओर से युद्ध स्तर पर जागरूकता व धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को भी दिनभर डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह, डीएफओ बाराबंकी आकाशदीप बधावन व बीडीओ हेमंत यादव के नेतृत्व में टीमों ने अभियान चलाया लेकिन खाली हाथ रहीं। वहीं ग्रामीण भी टोली बनाकर भेड़ियों को तलाशते रहे लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। गौरतलब है कि बाकी दोनों भेड़ियों को पकड़ने के लिए तीन थर्मल ड्रोन, चार पिंजरे, आधा दर्जन जाल व छह ट्रैपिंग कैमरे लगाए गए हैं।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. देवेंद्र शर्मा भी शनिवार को महसी तहसील पहुंचे। उन्होंने ग्राम पंचायत सिसैय्या चूरामणि के मजरा कोलैला, ग्राम पंचायत सिकंदरपुर के मजरा मक्कापुरवा, ग्राम पंचायत नकवा, सिंगिया नसीरपुर आदि का निरीक्षण किया और पीड़ित परिवारों से जानकारी ली। साथ ही वन विभाग व जिला प्रशासन की भेड़ियों को पकड़ने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने लोगों से घर के अंदर लेटने, लाठी-डंडा व टार्च आदि साथ रखने की अपील की।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग अध्यक्ष डॉ. देवेश शर्मा से कुछ ग्रामीणों ने पूर्व में क्षेत्र की दो बालिकाओं के लापता होने और उनकी जानकारी आज तक न मिलने की बात बताई। साथ ही उन दोनों बालिकाओं की गुमशुदगी कहीं भी रिकार्ड में दर्ज न होने का भी मुद्दा उठाया। इस पर डॉ. देवेश शर्मा ने अधिकारियों के साथ बैठक कर जानकारी लेने व जांच करवाने का आश्वासन दिया।

लोहिया विधि विश्वविद्यालय में छात्रा की संदिग्ध मौत

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में बीती रात एक दुखद घटना सामने आई, जिसमें विश्वविद्यालय की लॉ थर्ड ईयर की छात्रा अनिका रस्तोगी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। नोएडा की रहने वाली अनिका एक वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी की बेटी थी। इस घटना से विश्वविद्यालय परिसर में शोक की लहर है। अनिका की मौत की वजह अभी साफ नहीं हुई है।

अनिका रात को अपने कमरे में गई थी। उसके बाद कमरा नहीं खोलने पर साथियों ने हॉस्टल वार्डन को सूचना दी। हॉस्टल वार्डन ने दरवाजा खुलवाया। अनिका फर्श पर अचेत अवस्था में पड़ी थी। उसे वहां से निकालकर तत्काल अपोलो अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पिता एनआईए में आईजी के पद पर कार्यरत हैं। मामले की छानबीन की जा रही है।

निर्माणाधीन अवैध मदरसे पर चला प्रशासन का बुलडोजर

बदायूं, 01 सितंबर (एजेंसियां)। बदायूं के गांव मूसाझाग में दातागंज रोड पर मस्जिद के पास अवैध मदरसे के निर्माण को शनिवार को तहसील प्रशासन ने जेसीबी से ढहा दिया। वहीं, धर्मस्थल भी ग्राम पंचायत की जमीन बताया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मूसाझाग थाने से करीब एक किलोमीटर दूर दातागंज मार्ग पर एक मस्जिद बनी है। बराबर में ही मौलाना ने मदरसे का निर्माण बिना किसी अनुमति के शुरू करा दिया था। ग्रामीणों ने प्रधान से इसकी शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। जब लगा कि प्रधान की भी इसमें मिलीभगत हो सकती है। तब ग्रामीणों ने हिंदू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष जोगपाल सिंह को फोन करके सूचना दी। जोगपाल सिंह ने उच्चाधिकारियों को फोन कर मदरसे के अवैध निर्माण रुकवाने की मांग की।

हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारियों के साथ ग्रामीणों ने निर्माण रुकवाने को हंगामा करते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। अधिकारियों ने निर्माण कार्य रोक दिया था। शनिवार को डीएम के आदेश पर तहसील प्रशासन ने निर्माणाधीन मदरसे को जेसीबी की मदद से गिरा दिया गया। जांच में पाया गया है कि मदरसे का निर्माण शत्रु संपत्ति की जमीन पर बिना अनुमति के कराया जा रहा था। वहीं मस्जिद को भी ग्राम समाज की जमीन पर बनाया गया है। इसकी जांच की जा रही है।

एसडीएम सुखलाल प्रसाद वर्मा ने बताया कि मदरसे का निर्माण बिना अनुमति के शत्रु संपत्ति पर कराया गया था। जिसे गिरवा दिया गया है। हिदायत दी गई है कि बिना अनुमति के निर्माण कार्य नहीं कराया जाए। कब्रिस्तान की जगह पर टिनशेड लगाकर अवैध रूप से कराए जा रहे निर्माण कार्य को ढहा दिया गया। शहर के नवादा चौराहे के पास कब्रिस्तान की जगह है। वहां पर काफी पहले नगर पालिका की ओर से कुछ समय के लिए अस्थायी पार्किंग स्टैंड बनाया गया था। लेकिन बाद में उसको बंद कर दिया।

उसी जगह पर अब एक व्यक्ति टिन शेड लगाकर निर्माण कार्य करा रहा था। कुछ लोगों ने इसकी शिकायत तहसीलदार से की। तहसीलदार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर मुआयना किया। इसके बाद निर्माण कार्य ढहा दिया गया। तहसीलदार सुरेंद्र कुमार ने बताया कि यहां पर सरकारी जमीन का बोर्ड लगवाया जाएगा।

निवेश का नया केंद्र बनेगा आगरा

यूपीसीडा जल्द शुरू कर रहा आईएमसी परियोजना

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) जल्द ही आगरा में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) की शुरुआत करने जा रहा है। योगी सरकार की यह महत्वाकांक्षी परियोजना अपने उत्कृष्ट स्थान और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ आगरा के औद्योगिक क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेगी। आईएमसी आगरा, चमड़े, जूते और कृषि आधारित उत्पादों जैसे क्षेत्रों में आगरा की समृद्ध धरोहर का लाभ उठाते हुए, गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा देकर, आगरा को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करेगी। यह क्लस्टर आर्थिक विकास को गति देगा, मजबूत उद्योगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगा और क्षेत्र के कुशल कार्यबल और स्थानीय विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करेगा।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी के अनुसार आगरा की पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता, खासकर ताज ट्रैपेज़ियम जोन के तहत, इसे पर्यावरण-अनुकूल औद्योगिक संचालन के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है।

आईएमसी आगरा इन पर्यावरणीय लक्ष्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है, जो टिकाऊ औद्योगिक तकनीकों के लिए प्रदूषण मुक्त और अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। इस परियोजना का स्थान इसे निवेशकों के लिए और भी आकर्षक बनाता है। इनर रिंग रोड के किनारे स्थित यह क्लस्टर दो प्रमुख क्लोवरलीफ जंक्शनों एनएच-19, जो दिल्ली एनसीआर से जोड़ता है, और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से समान दूरी पर स्थित है। इस बेहतरीन स्थान की वजह से सड़क कनेक्टिविटी बेहद अच्छी है, जिससे साइट को दो हिस्सों में विभाजित किया जा सकता है। आईएमसी को उत्तर प्रदेश के विस्तृत एक्सप्रेसवे नेटवर्क से भी फायदा मिलेगा, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और यात्रा का समय कम होगा।

उन्होंने कहा कि एनएच-19 और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे की नजदीकी सड़क परिवहन को आसान बनाती है। न्यू टूंडला स्टेशन से 22 किमी दूर स्थित, आईएमसी आगरा ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (ईडीएफसी) से जुड़ने के लिए एकदम सही स्थान पर है।यह स्थान कुशल रेल माल ढुलाई और सड़क पर भीड़भाड़ कम करने मैं पूरा सहयोग करेगा। यह वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) के साथ बेहतर कनेक्टिविटी भी प्रदान करती है। इसके अलावा, प्रस्तावित जेवर हवाई अड्डा, जो यमुना एक्सप्रेसवे के माध्यम से 140 किमी दूर है, हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ाएगा, उच्च मूल्य वाले कार्गो के परिवहन का समर्थन करेगा और व्यापारिक यात्रियों के लिए आसानी से पहुंच उपलब्ध कराएगा।

आईएमसी आगरा, प्रस्तावित राष्ट्रीय जलमार्ग-110 (एनडब्ल्यू-110) के पास स्थित है, जहां से समोगर मुस्तकिल में कार्गो टर्मिनल केवल 1 किमी की दूरी पर है। यह जलमार्ग माल परिवहन के लिए एक प्रभावी विकल्प प्रदान करेगा और रेल नेटवर्क से जुड़कर लॉजिस्टिक क्षमताओं को और मजबूत करेगा। यह परियोजना आगरा के बाहरी इलाके में लगभग 1,000 एकड़ में फैली हुई है, जिसे बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास के उद्देश्य से अधिग्रहित किया गया है। इस परियोजना का व्यापक इंफ्रास्ट्रक्चर और महत्वपूर्ण स्थान आगरा को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाता है।

उन्होंने कहा कि आईएमसी आगरा सिर्फ एक क्लस्टर नहीं है, बल्कि आधुनिक औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रतीक है। इसमें एकीकृत उपयोगिता प्रबंधन के लिए सिटीजन मोबाइल एप्लिकेशन, डिजिटल साइनेज, सोलर पैनल और वाई-फाई स्पॉट के साथ स्मार्ट बस स्टॉप शामिल हैं। साथ ही, इसमें फाइबर ऑप्टिक यूपीएस और डीजल जनरेटर बैकअप के साथ एक मजबूत आईसीटी और स्काडा प्रणाली भी मौजूद है।साथ ही, पर्यावरण नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए, आईएमसी आगरा में परिवेशी वायु गुणवत्ता मॉनिटर के साथ एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) स्थापित किया गया है। आने वाले वर्षों में ये दो परियोजनाएं उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को बदल देगी।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उप चुनाव

तारीख तय नहीं, पर तिकड़म तय होने लगे

मुरादाबाद, 01 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव की तिथि अभी घोषित नहीं की गई है, लेकिन सपा और भाजपा की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। जिले की कुंदरकी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भाजपा नेताओं ने अपनी दावेदारी को मजबूत करने के लिए प्रयास शुरू कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो सितंबर को मुरादाबाद के आर्यभट्ट इंटरनेशनल स्कूल में बेरोजगारों को नियुक्ति पत्र देने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जीत का मंत्र भी देंगे। भाजपा नेता रामवीर सिंह और दिनेश सिंह कुछ दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के लिए लखनऊ गए थे। दोनों नेता कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में टिकट के दावेदार माने जा रहे हैं। लोग इसको लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इसी प्रकार अन्य नेता अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुटे हैं।

भाजपा के एक वर्ग का मानना है कि पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएलडी के लिए भी मैदान खाली कर सकते हैं। रामपुर जिले की स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव में किया गया प्रयोग मुरादाबाद में भी हो सकता है।

स्वार सीट भाजपा ने अपने सहयोगी अपना दल को दे दी थी और मुस्लिम प्रत्याशी के मैदान में उतरने से जीत मिल गई थी। भाजपा यहां भी ऐसा ही कदम उठा सकती है। आरएलडी के दो नेताओं के नाम चर्चा में आए हैं। मुरादाबाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी का गृह जनपद है।

इसलिए कुंदरकी उपचुनाव पार्टी के लिए प्रतिष्ठा का भी सवाल है।

कुंदरकी विधानसभा की सीट 1967 में अस्तित्व में आई थी। इसके बाद 15 बार विधानसभा चुनाव हुए। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में भाजपा के प्रत्याशी चंद्र विजय सिंह ने सिर्फ एक बार 1993 में जीत हासिल की थी। चंद्र विजय 18 महीने ही विधायक रहे। इसके बाद कुंदरकी विधानसभा की सीट पर सपा और बसपा का ही कब्जा रहा है। कुंदरकी सीट पर ज्यादातर मुस्लिम प्रत्याशी ही जीतते रहे हैं, क्योंकि इस सीट पर करीब 65 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं।

भाजपा ने कुंदरकी विधानसभा के लिए पार्टी के नेता रामवीर सिंह को दो बार चुनाव लड़ाया। उन्होंने दोनों बार काफी प्रयास किया, लेकिन चुनाव जीतने में कामयाब नहीं हो सके। 2022 में भाजपा ने यहां से कमल प्रजापति को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन कमल भी जीत की दहलीज से काफी दूर रहे।

यहां सपा के जियाउर्रहान बर्क ने जीत हासिल की थी। हालांकि, जियाउर्रहमान के संभल से सांसद बनने के बाद यह सीट खाली हुई है।

यह सीट तुर्कों का गढ़ कही जाती है। 2022 में सपा से बगावत करके बसपा का दामन थामने वाले हाजी रिजवान कुंदरकी से चार बार विधायक रहे हैं। हाजी रिजवान सपा में फिर वापस आ गए हैं।

शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनीं प्रो. कीर्ति पांडेय

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर यूनिवर्सिटी की समाजशास्त्र विभाग की प्रो. कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीते वर्ष शासन ने प्रदेश में बेसिक शिक्षा से माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षकों की भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया था।

इसके साथ ही आयोग के अध्यक्ष व 12 सदस्य पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे किंतु सभी 12 सदस्यों की नियुक्ति 14 मार्च को कर दी गई पर सही अभ्यर्थी न मिलने के कारण दोबारा अध्यक्ष पद के लिए आवेदन मांगे गए थे। इसके साथ ही प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को 20 मार्च को आयोग का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। इस आयोग ने प्रयागराज में कामकाज शुरू कर दिया था साथ ही पिछले दिनों सचिव पद पर भी तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, नियमित अध्यक्ष की तैनाती न होने से नियुक्ति प्रक्रिया नहीं शुरू हो रही थी। अब पहले से माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में लंबित लगभग 20 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। बता दें कि प्रदेश में एकीकृत शिक्षक भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया गया है। अभी तक शिक्षक भर्तियां माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड व उच्च शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से अलग-अलग हो रही थीं।

संपादकीय

'जमानत' संवैधानिक नियम

सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश कई संदर्भों में यह टिप्पणी करते रहे हैं कि न्यायिक सिद्धांत में जेल 'अपवाद' है और जमानत 'नियम' है। धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी यह सिद्धांत लागू होता है। निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए और जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने 'प्रेम प्रकाश बनाम प्रवर्तन निदेशालय' के मामले में आरोपित को जमानत दी है। मामला धनशोधन का ही था। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 'भारत राष्ट्र समिति' की नेता के. कविता को भी सर्वोच्च अदालत ने जमानत पर रिहा किया है। हालांकि सिसोदिया को करीब डेढ़ साल और कविता को पांच महीने जेल में काटने पड़े हैं, जबकि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी केस में जेल में अब भी बंद हैं। मामले का औपचारिक ट्रायल अभी शुरू नहीं हो पाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच पूरी कर आरोप-पत्र अदालत में दाखिल कर दिए हैं, जबकि सीबीआई जांच अभी जारी है। 'जेल-जमानत' वाले न्यायिक सिद्धांत के पीछे सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश औसतन व्यक्ति की मुक्ति के मौलिक और संवैधानिक अधिकार की दलील देते रहे हैं कि महज जांच और पूछताछ के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में बंद रखना गैर-न्यायिक है। जमानत का प्रावधान भी संवैधानिक नियम है। 'जेल बनाम जमानत' वाले सिद्धांत पर उन दो न्यायाधीशों ने फैसला सुनाया है, जो भारत के प्रधान न्यायाधीश बनने की कतार में हैं। बीते कुछ समय से 'जमानत' को लेकर सर्वोच्च अदालत की मानसिकता और सोच में बदलाव आया है। यकीनन यह स्वागत-योग्य निर्णय है, क्योंकि मानवीय है। यह बदलाव अपेक्षित और कालातीत भी था और कई मंचों पर विमर्श के जरिए मांग की जा रही थी कि जमानत की प्राथमिकता होनी चाहिए। एक अहम कारण यह भी रहा है कि देश में जितनी जेलें हैं और उनमें कैदियों की क्षमता है, उनसे अधिक कैदियों को जेल में बंद किया जा रहा है। हिरासत वाले आरोपितों को भी जेल में कैद किया जा रहा है, लिहाजा लगातार अनियमितताएं और विसंगतियां उभर कर सामने आ रही हैं। करीब दो साल पहले 'विजय मदनलाल चौधरी बनाम भारत सरकार' के केस में सर्वोच्च अदालत ने धनशोधन निवारण कानून के अत्यंत कड़े प्रावधानों को 'सही' करार दिया था। राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सरकार ने ईडी के अतिरिक्त दुरुपयोग को बढ़ा दिया है, ऐसी शिकायतों और दलीलों के मद्देनजर अदालत ने वह फैसला सुनाया था। दुरुपयोग के डर और शिकायतों को खारिज कर दिया गया था, लिहाजा वह न्यायिक फैसला आज भी 'देश का कानून' है। जिस सिद्धांत की आज चर्चा की जा रही है, उसके बिल्कुल विरोधाभास में यह कानूनी फैसला है। फिर भी शीर्ष अदालत के स्तर पर ही व्याख्याएं और कोशिशें की जा रही हैं कि जेल पर जमानत को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जुलाई में शराब घोटाले के संदर्भ में ही केजरीवाल को जमानत देते हुए सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीशों ने ईडी की व्यापक शक्तियों पर सवाल उठाए थे, जिनके तहत एजेंसी गिरफ्तारियां करती रही है। जमानत के बावजूद केजरीवाल सीबीआई केस में जेल में बंद हैं। हालांकि वह केस भी बड़ी न्यायिक पीठ को सौंप दिया गया है, लेकिन अदालत की पीठ ने टिप्पणियां की थी कि ईडी अपने आप में ही विश्वास कर लेती है और उसी आधार पर किसी को भी गिरफ्तार कर लेती है। व्यक्ति को आरोपी मान लेती है। किसी को भी गिरफ्तार करने से पूर्व लिखित में देना चाहिए कि एजेंसी फलां आधार पर आपको गिरफ्तार करना चाहती है।

> धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में भी यह सिद्धांत लागू होता है। निचली अदालतों को भी यह ध्यान में रखना चाहिए और जमानत देने में संकोच नहीं करना चाहिए। सर्वोच्च अदालत की न्यायिक पीठ ने 'प्रेम प्रकाश बनाम प्रवर्तन निदेशालय' के मामले में आरोपित को जमानत दी है। मामला धनशोधन का ही था। गौरतलब है कि दिल्ली शराब नीति घोटाले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 'भारत राष्ट्र समिति' की नेता के. कविता को भी सर्वोच्च अदालत ने जमानत पर रिहा किया है। हालांकि सिसोदिया को करीब डेढ़ साल और कविता को पांच महीने जेल में काटने पड़े हैं, जबकि दिल्ली के मौजूदा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी केस में जेल में अब भी बंद हैं। मामले का औपचारिक ट्रायल अभी शुरू नहीं हो पाया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी जांच पूरी कर आरोप-पत्र अदालत में दाखिल कर दिए हैं, जबकि सीबीआई जांच अभी जारी है। 'जेल-जमानत' वाले न्यायिक सिद्धांत के पीछे सर्वोच्च अदालत के न्यायाधीश औसतन व्यक्ति की मुक्ति के मौलिक और संवैधानिक अधिकार की दलील देते रहे हैं कि महज जांच और पूछताछ के लिए व्यक्ति को लंबे समय तक जेल में बंद रखना गैर-न्यायिक है।

पश्चिमी घाट की 1400 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छह राज्यों से गुजरती है

वायनाड त्रासदी में छुपा सच

डा. ओपी जोशी

केरल का वायनाड हो या उत्तराखंड का जोशीमठ, सभी ने पिछले कुछ सालों में भीषण त्रासदियों को भुगता है। विडंबना यह है कि ये त्रासदियां विकास के अंधे राजनेताओं, नीति-निर्माताओं और बिल्डर-ठेकेदारों के कॉकस की पहल पर बाकायदा जानते-बूझते रची जा रही हैं। देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, समाजशास्त्री, कानूनविद, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट सरीखी सर्वोच्च अदालत ने भी विकास की मौजूदा हवस के खिलाफ अपनी-अपनी तरह से आवाज उठाई है, लेकिन 'विकास यात्रा' बदस्तूर जारी है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। केरल के वायनाड में 30 जुलाई की रात्रि भूस्खलन से हुई त्रासदी के बाद राज्य सरकार ने एक अगस्त को जारी एक आदेश तुरंत वापस ले लिया। आदेश में कहा गया था कि वैज्ञानिक इस त्रासदी के संदर्भ में अपनी राय सार्वजनिक नहीं करें एवं अपने तक ही सीमित रखें। साथ ही वैज्ञानिक इस बाबत कोई अध्ययन करना चाहें तो वे पहले सरकार से अनुमति लें। इस आदेश के पीछे राज्य सरकार का भय प्रतीत होता है। शायद पहले किसी वैज्ञानिक ने इस त्रासदी के बारे में कोई चेतावनी या सलाह दी होगी जिसे अनदेखा किया गया होगा। इस हरकत से सरकार कटघरे में तो आ ही जाती है। वायनाड पहाड़ी जिला है एवं पश्चिमी घाट का हिस्सा है। पश्चिमी घाट की 1400 किलोमीटर लंबी पर्वत श्रृंखला केरल समेत छह राज्यों से गुजरती है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

> देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, समाजशास्त्री, कानूनविद, यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट सरीखी सर्वोच्च अदालत ने भी विकास की मौजूदा हवस के खिलाफ अपनी-अपनी तरह से आवाज उठाई है, लेकिन 'विकास यात्रा' बदस्तूर जारी है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। केरल के वायनाड में 30 जुलाई की रात्रि भूस्खलन से हुई त्रासदी के बाद राज्य सरकार ने एक अगस्त को जारी एक आदेश तुरंत वापस ले लिया।

विश्व के आठ सर्वाधिक जैव-विविधता वाले स्थानों (हॉट स्पाट्स) में एक पश्चिमी घाट भी है। पश्चिमी घाट के पर्यावरण को लेकर सरकार ने पहले भारतीय विज्ञान संस्थान (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेगलुरु) में पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र के संस्थापक

प्रोफेसर माधव गाडगिल की अध्यक्षता में 'पश्चिमी घाट पारिस्थितिक विशेषज्ञ पैनल' (डब्ल्यूजीईईपी) गठित किया था। इस पैनल ने अगस्त 2011 तक अपनी रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंप दी थी, लेकिन पर्यावरण मंत्रालय ने लंबे समय तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की और न ही इसे सार्वजनिक चर्चा के लिए जारी किया। प्रोफेसर गाडगिल ने अपनी रिपोर्ट में पश्चिमी घाट के 164280 हेक्टेयर इलाके को पूरी तरह प्रतिबंधित करने के अलावा विकास के नाम पर की जाने वाली विनाशकारी गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने की अनुशंसा की थी। गाडगिल समिति पर लीपापोती करने की गरज से सरकार ने अगस्त 2012 में इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन प्रमुख प्रोफेसर के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक और समिति का गठन कर दिया। यह समिति दरअसल एक उच्च स्तरीय कार्यसमूह था जिसका काम गाडगिल समिति की रिपोर्ट की समग्र और बहु विषयक तरीके से जांच करना था। इस समिति ने 60000 हेक्टेयर क्षेत्र को पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्र (इकोलाजिकली सेंसिटिव जोन) बनाने का सुझाव दिया था। दोनों ही समितियों के सुझावों पर ध्यान नहीं देकर केन्द्र सरकार ने सम्बन्धित राज्य सरकारों को संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े उद्योग एवं व्यापक खनन कार्य को छोडक़र व्यावसायिक एवं विकास गतिविधियां करने की अनुशंसा की। पर्यावरण की परिस्थितियों को ध्यान में नहीं रखकर की गई गतिविधियों से इस पर्वतमाला के कई भाग उजाड़ एवं जर्जर हो गए। वायनाड के संदर्भ में पढऩे में आया कि यहां जिस क्षेत्र में भूस्खलन हुआ, वहां कुछ वर्षों पहले बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए थे। वर्ष 2022 के एक अध्ययन में बताया गया कि वर्ष 1950 से लेकर 2020 के मध्य तक वायनाड जिले में 62 प्रतिशत वन क्षेत्र समाप्त हो गया था।

वायनाड की ढीली मिट्टी, पेड़ों की कटाई एवं जलवायु बदलाव से कम समय में आयी तेज बारिश से चौरल पर्वत पर तीन बार भूस्खलन हुआ जिससे चोलियार नदी के जलागम क्षेत्र (केचमेंट एरिया) में बसे चार गांव मलबे में दब गए। केरल विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2018 से राज्य में तेज बारिश से भूस्खलन के क्षेत्र 3.46 प्रतिशत बढ़े हैं। केन्द्र के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अनुसार पिछले सात वर्षों में आए 3782 भूस्खलन में 59.2 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन की शोधकर्ता मरियम जकारिया का कहना है कि जलवायु बदलाव के कारण वायनाड में वर्षा का पैटर्न बदलने से भूस्खलन का खतरा बढ़ा है। भारतीय ऊष्ण कटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्था, पुणे के जलवायु विशेषज्ञ आरएम कौल का कहना है कि केरल का आधा हिस्सा पहाडियों तथा पर्वत क्षेत्र से घिरा है, जहां ढलान 20 डिग्री से ज्यादा है जिससे भारी बारिश में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। वायनाड त्रासदी जलवायु बदलाव से पैदा बारिश के पैटर्न में परिवर्तन के साथ-साथ समय-समय पर वैज्ञानिकों की चेतावनी एवं विशेषज्ञ समितियों की रिपोर्ट नहीं मानने का एक सामूहिक मिला-जुला परिणाम है। केदारनाथ, चमोली, जोशीमठ एवं सिक्किम आदि त्रासदियों के पीछे भी यही कारण है।

वर्ष 1976 की मिश्रा समिति की रिपोर्ट से लेकर 2012 तक जोशीमठ पर पांच वैज्ञानिक रिपोर्टें आयी थीं जिनमें धंसाव के कारण एवं बचाव के उपाय बताए गए थे, परंतु किसी पर भी ध्यान नहीं दिया गया। जलवायु बदलाव के वर्तमान समय में इस प्रकार की त्रासदियों से बचने के लिए जरूरी है- केन्द्र व राज्य सरकारें विषय विशेषज्ञों की सलाहों को महत्व दें। सामान्यतः सरकारें इनसे इसलिए कतराती हैं कि वे कई बार सरकार की नीतियों के विरोध में होते हैं। आमतौर पर सत्ता तंत्र हमेशा विशेषज्ञों से बेरुखी रखकर अपने सेवानिवृत्त या कार्यरत अधिकारियों, ठेकेदारों एवं भवन निर्माताओं की सलाहों को ज्यादा महत्व देता है। विशेषज्ञों को महत्व देकर कुछ कार्य पिछली सरकारों ने किए थे जो निश्चय ही प्रशंसनीय एवं अनुकरणीय हैं।

दृष्टि कोण

अहिंसक विश्व समाज कैसे बने?

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। विकसित बुद्धि, भाषा के विकास, सीधे खड़े होने की सामथ्य और उंगलियों की विशिष्ट बनावट के चलते ही मनुष्य अन्य पशु समुदाय से अधिक विकसित हो सका है। अन्यथा बहुत सी पशु वृत्तियां मनुष्य में भी विद्यमान हैं। हर मनुष्य और मनुष्य समाज सुख-शांति से रहना चाहता है। तमाम भौतिक सुख-सुविधाएं पैदा करने के बावजूद पशु वृत्तियों के चलते हिंसक और लालची व्यवहार के कारण मनुष्य एक-दूसरे को कष्ट पहुंचा कर दुखी करता आया है। इसी के कारण स्वयं भी दुखी होता आया है। शायद इसी पशुवृत्ति जनित दुःख निवारण के लिए धर्मों का आविष्कार मनुष्य समाज ने किया होगा, जिसमें कुछ आत्म नियमन के द्वारा पशु वृत्तियों के दमन की अपेक्षा करके समाज को सुखी बनाने की चेष्टा की गई है। किन्तु पशु वृत्तियां धर्मों पर भी हावी हो गईं। धीरे धीरे यह विचार आने लगे कि मेरा ही धर्म श्रेष्ठ है। इसलिए दूसरे के धर्म को निकृष्ट बता कर उसे समाप्त या नियंत्रित करने के प्रयास शुरू हो गए। इससे एक नए प्रकार की भयानक हिंसा का जन्म हो गया। 'चले थे हरि भजन को, ओटन लगे कपास' कहावत को चरितार्थ करते हुए सुख और शांति की दिशा में बढने के नाम पर बड़ी हिंसा का शिकार हो गए। कबीलाई समाज के समय जब मनुष्य समाज उतना विकसित नहीं था, तब हिंसा छोटे स्तर पर छोटी छोटी बातों पर होती थी। खाना तलाशने, शिकार के इलाके पर आधिपत्य जमाने के लिए एक कबीला दूसरे से टकरा जाता था। जैसे जैसे मनुष्य विकसित होता गया, वैसे वैसे उसकी आवश्यकताएं बढ़ती गईं। फिर टकराव के मौके भी बढ़ते गए। टकराव के शस्त्रास्त्र भी बढ़ते गए। यानी सुख-शांति से जीने के हालात कम होते चले गए। पहले लाठी डंडों से झगड़े निपट जाते थे, फिर भाले, तीर, तलवारों की नौबत आ गई, और अब महा विनाशक अणु बमों के खतरे में जीने को अभिशप्त हैं। दर्द बढ़ता ही गया, ज्यों ज्यों दवा की, यह कहावत चरितार्थ होने लगी। अनेक धर्मों, पंथों ने साधना और धार्मिक नियमन से व्यक्तिगत तौर पर अहिंसक व्यवहार में पारंगत महा मानवों को पैदा किया। किन्तु सामूहिक स्तर पर अहिंसा का प्रयोग बहुत नगण्य ही रहा, जिसमें शायद महात्मा गांधी एक अपवाद हैं जिन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में अहिंसा को एक उपकरण की तरह उपयोग करने का साहस किया। बड़े पैमाने पर सफलता भी हासिल की। किन्तु उसमें भी बहुत से लोग इस उपकरण को मान्यता देने में संकोच करते हैं और इस बहस में फंसे रहते हैं कि आजादी अहिंसक आंदोलन से मिली या क्रांतिकारी आंदोलन और नेता जी सुभाष चंद्र बोस के सैनिक प्रयास से। हालांकि यहां मकसद यह तय करना नहीं है कि किसके प्रयास से आजादी मिली, सबके ही प्रयास महत्वपूर्ण रहे हैं, किन्तु मूल प्रश्न है कि अहिंसा के उपकरण को व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़ कर सामूहिक स्तर तक उपयोगी कैसे बनाया जाए, ताकि अंतरराष्ट्रीय मामलों को सुलझाने के लिए युद्धों के अलावा अहिंसक उपाय किए जा सकें और सुख-शांतिपूर्ण जीवन संभव हो सके। इस दिशा में यह भी देखा जाना चाहिए कि देशों में युद्धों के मुख्य कारण क्या रहे हैं। इतिहास के अध्ययन से हमें ज्ञात होता है कि बहुत से संघर्ष आर्थिक प्रभुत्व के लिए हुए हैं या फिर अपनी धार्मिक विचारधाराओं के जबरदस्ती प्रचार की भूख के कारण हुए हैं। कोई यह बोले कि मेरे रास्ते से स्वर्ग या जन्नत मिलना तय है, तो भाई आप स्वर्ग या जन्नत के मजे लूट लो, दूसरे को क्यों परेशान करते हो कि आप भी मेरे रास्ते चलो। जिस धर्म का उद्भव या विकास मानव समाज को सुखी करने के लिए हुआ था, उसी के कारण दुनिया में कितना हिंसक वातावरण बना है, और सब तरफ दुःख ही फैलने का कारण बन गया है। इस तरह के हालात में अहिंसक शक्ति को कैसे सर्वोपरि बनाया जा सकता है, वरना हिंसा और प्रति हिंसा के दुश्चक्र में धर्म तो गायब ही हो जाता है। जो मनुष्य समाज दूसरे को दुखी करेगा, वह स्वयं भी दुखी होगा ही, क्योंकि हर क्रिया की प्रतिक्रिया तो प्रकृति का नियम ही है।

कुछ अलग

झूठ ही परम सत्य है...

नेताजी अपने मित्रों की कैबिनेट में बता रहे थे कि घोर कलियुग चल रहा है और इस कलियुग में झूठ ही परम सत्य है। बाकी सब मिथ्या है। सौ बार बोला गया झूठ अंततः सच में तब्दील हो जाता है। यही झूठ की सबसे बड़ी ताकत है। नेताजी बता रहे थे कि झूठ बोलने से सत्ता मिलती है और सत्ता मिलने पर कुर्सी मिलती है। कुर्सी में बड़ी ताकत होती है और यह ताकत झूठ की आत्मा से निकल कर आती है। इसलिए झूठ को परम सत्य माना जाना चाहिए। यह हमारा सिद्धांत होना चाहिए और इस सिद्धांत पर मरते दम तक अमल भी होना चाहिए। नेताजी उपदेशक की मुद्रा में बता रहे थे कि यह जग झूठा है। मरते समय कोई किसी के साथ नहीं जाता। नोटों से भरे ब्रीफकेस अलमारियों में ही रह जाते हैं। अवैध कब्जे धरती पर ही रह जाते हैं। धोखाधड़ी और हेराफेरी से जो माल इक_ा किया होता है, वह सब यहीं रह जाता है। पत्नी की आंखों में धूल झोंक कर जो प्रेमिकाएं दाएं-बाएं बनाई होती हैं, वे भी हमारी आत्मा के साथ स्वर्ग या नरक नहीं जाती, बल्कि धरती पर रह जाती हैं और फिर अन्य पुण्य आत्माओं की प्रेमिकाएं बन जाती हैं। इसलिए झूठ को आंच नहीं आने देनी चाहिए। सत्य को तो कभी भी पराजित किया जा सकता है। सत्य बोलने वालों के हजारों दुश्मन हो जाते हैं। लेकिन झूठ बोलने वालों के करोड़ों फॉलोअर होते हैं। जो जितना झूठा, उतना ही महान। महानता आसानी से हासिल नहीं होती। लगातार पब्लिक के बीच झूठ बोलना पड़ता है। झूठी गारंटियां देनी होती हैं। झूठे वादे करने होते हैं। झूठे आश्वासन देने होते हैं। बार-बार झूठ को दोहराना पड़ता है। फिर पब्लिक फिदा हो जाती है। पब्लिक अपनी खुशी फिर हम पर वोट कुर्बान करके जाहिर करती है। हमारे गले में नोटों की माला भी पहनाती है। हमें वोट और नोट दोनों मिलते हैं। झूठ का पूरा डंका बजता है। सत्य को कोई नहीं पूछता। झूठ वाले का राजनीति में पूरा जलवा रहता है। राजनीति में जिसका जलवा और बोलबाला है, वही जनप्रिय नेता कहलाता है। वह हारने के बाद भी जीतता है। वह यह साबित कर देता है कि झूठ को बार-बार पराजित नहीं किया जा सकता। झूठ तो जीतेगा ही और जीत के बाद ओहदा भी पाएगा। नेताजी मित्रों की बैठक में धाराप्रवाह बता रहे होते हैं और मित्र उनकी हर बात पर ताली बजाकर अपनी सहमति जताते हैं। यह मित्र नेताजी के उन दिनों के सखा हैं, जब नेताजी ने नया-नया झूठ बोलना सीखा होता था और फिर लगातार झूठ बोलने में वह एक के बाद एक कीर्तिमान स्थापित करते चले गए थे। नेताजी बता रहे थे कि हमने लाखों युवाओं को रोजगार नहीं दिया। फिर भी हमें सत्ता मिल गई। यह सब झूठ का जलवा है। हमने महिलाओं को भी सब्जबाग दिखाए। महिलाएं हमारे झांसे में आ गईं। यह भी झूठ का सबसे बड़ा जलवा है। इसके लिए प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं है। इसलिए मित्रो अपने-अपने हलके में जाकर झूठी घोषणाएं करते रहो। इससे पब्लिक का उत्साहवर्धन होता है। पब्लिक को पता चलता रहता है कि हमारे द्वारा चुने गए प्रतिनिधि निठल्ले नहीं बैठे, बल्कि लगातार हमारे हित में कुछ न कुछ करते जा रहे हैं। इससे हमें कर्मठ और गतिशील होने का तमगा मिलेगा। गति झूठ बोलने से ही आती है। जिसने जिंदगी में झूठ नहीं बोला, उसकी मरकर भी गति नहीं होती। स्वर्ग और नरक कहीं पर भी एंट्री नहीं मिलती। ऐसा नेताजी अपने मित्रों को समझा रहे हैं। नेताजी की बैठक जारी है और झूठ को लेकर व्याख्यान भी चला हुआ है।

देश दुनिया से

अराजक राजनीति से अपराध के दलदल में भद्रलोक

> शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीनों महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं।

बंकिम चंद्र की शस्य-श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल एक शक्ति-पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती हर साल मां दुर्गा के स्वागत में विभोर हो जाती है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान किस प्रकार की परंपरा का हिस्सा रहा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। मूर्तियों को बनाने के लिए सबसे पहले उन वेश्याओं के घर से मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें समाज आम तौर पर त्याज्य और गंदा मानता है। इस प्रकार बंगाल की धरती कितनी नारी-पूजक रही है, यह स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में भी देखने को मिलता है, जो अन्य राज्यों में कम ही मिलता है। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और अपने ज्ञान व संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरुणा गांगुली, जिन्होंने बाद में अरुणा आसफ अली का नाम अपनाया। दूसरी थीं सुचेता मजूमदार, जो सुचेता कृपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरी थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय, जिन्होंने बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू का नाम पाया। बंगाल की माटी ने महिलाओं को कितना सम्मान दिया, इसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय हैं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूंघट के पीछे सिर्फ परिवार के काम में व्यस्त थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान और अवसर दिए। बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। अब स्थिति बदल गई है। इसका एक उदाहरण हाल ही में राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना है। स्वतंत्रता की 77वीं सालगिरह की रात, जब पूरा देश उत्सव में था, कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बरतापूर्वक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी चिंता नहीं होती थी, लेकिन अब लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो गए हैं। यह बंगाल में महिला के खिलाफ ऐसी बर्बरता की शायद पहली घटना है। इससे बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव प्राप्त है। एक महिला के शासन में इस प्रकार का दुराचार लोगों के लिए असहनीय है। इसलिए बंगाल इन दिनों बहुत उबाल पर है। बंगाल का बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। पश्चिम बंगाल में हाल ही में संदेशखाली से महिलाओं के बलात्कार की खबरें आई थीं। वहां की घटनाओं की परतें खुलने पर पता चला कि बलात्कार की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा थीं। संदेशखाली की पीड़िताओं की खबरें भले ही उबाल ला पाईं, लेकिन आरजी कर अस्पताल की घटना ने कहीं अधिक ध्यान खींचा। इसका कारण यह हो सकता है कि संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों से थीं, जबकि आरजी कर की घटना कोलकाता शहर में हुई, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ है। 34 वर्षों के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़े झुंड उभरे। पश्चिम बंगाल के वासी इस संस्थागत व्यवस्था से इतने परेशान हो गए कि उन्हें ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि ममता एक नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ करेंगी। लेकिन अफसोस, ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी दिशा में चल पड़ीं, जिस दिशा में वामपंथी कैडर चलते थे। प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि बलात्कार और हत्या पंद्रह अगस्त की रात दो से ढाई बजे के बीच हो चुकी थी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को फटकार भी लगाई। ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और हत्या के विरोध में धरना दिया गया। यह धरना ऐसा था, जो सरकार के खिलाफ सरकार द्वारा ही दिया गया था। ऐसा किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक नहीं देखा गया है। ममता ने प्रशासन में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था को अपना लिया। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस की लाचारगी आरजी कर बलात्कार में भी नजर आई। बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि 'बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में अन्य राज्यों की होती है।' इस उम्मीद को कायम रखते हुए भद्रलोक समाज को चाहिए कि वह इस दिशा में भी सोचे।

आप का नजरिया

तनख्वाह की गोटियां

सवाल तनख्वाह से शुरू होकर इसी पर खत्म हो रहा है। जिस तनख्वाह में ओपीएस जोडक़र कांग्रेस सरकार बनी, उसी की बदौलत मंत्री और सीपीएस को दो महीने का वेतन विलंबित लेना पड़ रहा है, लेकिन तस्वीर यहां मुकम्मल नहीं होती। तनख्वाह तुरंत न लेने का फैसला सांकेतिक तौर पर बता रहा है कि खजाने ने बोझ उठाना मना कर दिया या यह कि अब सरकार अपने चरित्र से अपव्ययता के निशान हटा देगी। कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री के आईटी सलाहकार एवं कैबिनेट रैंक प्राप्त गोकुल बुटेल ने अपनी तनख्वाह की 'गोटी' छोड़ दी। इस तरह वह सरकारी खजाने के सामने 'व्हिसिल ब्लोअर' की तरह प्रकाश में आ गए। मसला तनख्वाह छुड़वाने का ही होता तो कई उपाय हो सकते हैं, लेकिन यहां फिजूलखर्चियों के दामन में आग लगी है और झुलसने की ताकीद में लक्षण उभर रहे हैं। एक ओर केंद्र से असहयोग की परिपाटी में तू तू-मैं मैं से घिसटती आर्थिकी और ऊपर से गुरबत में गुलकंद बांटने की प्रथा ने हिमाचल में केंचुली फंसा दी है। तीन दिन पहले देश के प्रधानमंत्री स्मार्ट सिटी के बाद 12 औद्योगिक स्मार्ट शहर बनाने के लिए 28602 करोड़ का ऐलान करते हुए हिमाचल को धत्ता बताते हैं। हमारे पड़ोस और पर्वतीय प्रदेश उत्तराखंड तथा पंजाब को इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी मिल रहे हैं, लेकिन केंद्र में चारों सांसद भेजने वाले हिमाचल को ऐसी बहार नहीं मिली। कहना न होगा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने औद्योगिक पैकेज देकर हिमाचल को औद्योगिक क्षेत्र में चलना सिखाया था, लेकिन मोदी सरकार अब घुटनों पर ला रही है। आश्चर्य यह कि कांग्रेस से एक सांसद छीन कर भाजपा ले गई और चुनावी पलकों से भी कांग्रेस की हिम्मत छीन ली, फिर भी कसूरवार हिमाचल को बनाया जा रहा है। पर्वतीय अस्मिता के भूगोल में फंसा अर्थशास्त्र अपनी जान कैसे बचाएगा। ऐसे में अनुराग ठाकुर से पूछें या जगत प्रकाश नड्डा के प्रकाश में चंद किरणें वसूलें, लेकिन हकीकत यह है कि हिमाचल की केंद्र में वकालत रुक गई है या शिमला में सरकार की मशीनरी हिल गई है। बहरहाल सियासत के दोनों पाट दोषी हैं या सारा डिस्कोर्स ही बदले ले रहा है। विधानसभा की कार्यवाहियों में होते संग्राम और शिमला से दरकिनार होती प्रदेश की आवाज को आखिर सुनेगा कौन। इसीलिए आज तक न शासन, न प्रशासन, और न ही आर्थिक व्यवस्था के आदर्श बने। हमें मंडी में मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए कार्यालय चाहिए, तो नए विकास की कहानी पर चप्पा चप्पा चल रहे देहरा को सत्ता की निशानी चाहिए। सूखे होंगे बरगद के पेड़ जहां खजाना रखा था, हमने तो बाढ़ में डूबकर प्यास बुझानी सीख ली। हिमाचल में सियासी प्यास और सत्ता के पियाऊ जहां तहां दिखाई देते हैं, वहां हर सरकार के जुर्म में आर्थिक हंडियों ने इज्जत गंवाई है। एक कमजोर-आर्थिक संसाधनविहीन राज्य की मिलकीयत में आर्थिक खुशहाली छीनते वर्गों के बीच असहाय निजी क्षेत्र, वहां उपलब्ध नौकरियां और बेरोजगार होते युवाओं के लिए क्या मंत्री व सीपीएस की घोषणाएं कभी बोलती हैं या कुछ सोचकर तौलती हैं।

संयुक्त राष्ट्र अफगानिस्तान में हितधारकों के साथ अपने संपर्क बनाए रखेगा

इस्लामाबाद, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र तालिबान सहित अफगानिस्तान में सभी हितधारकों के साथ संपर्क बनाए रखेगा, भले ही वहां के शासकों ने महिलाओं के सार्वजनिक स्थानों पर बोलने और चेहरा खुला रखने पर प्रतिबंध लगा दिया हो।

न्यूयॉर्क में एक संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) और इसकी प्रमुख रोजा ओटुनबायेवा

अफगानिस्तान में महिलाओं पर लगे सख्त बैन से जुड़ा है मामला

का बचाव करते हुए कहा कि नये कानून अफगानिस्तान के भविष्य के लिए एक दुखद दृष्टिकोण पेश करते हैं।

उन्होंने पिछले हफ्ते कहा था कि नये कानून महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों पर पहले से ही लगे असहनीय प्रतिबंधों को बढ़ाते हैं, यहां तक कि घर के बाहर महिलाओं की आवाज को भी नैतिक उल्लंघन माना जाता है।

तालिबान के सर्वोच्च नेता हिबतुल्ला अखुंदजादा द्वारा मंजूर किये जाने के बाद ये कानून लागू किये गए। तालिबान ने 2021 में सत्ता हथियाने के बाद सदगुण के प्रचार और बुराई की रोकथाम के लिए एक मंत्रालय की स्थापना की थी। उसका कहना है कि ये कानून शरिया कानून की उसकी व्याख्या पर आधारित हैं।

मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय संगठनों, देशों और व्यक्तियों से मुसलमानों के धार्मिक मूल्यों का सम्मान करने का आह्वान किया। इसने शुक्रवार को घोषणा की कि वह इन कानूनों की आलोचना के कारण अब यूएनएएमए के साथ सहयोग नहीं करेगा।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप ने 'अर्लिंगटन नेशनल सेमेट्री' जाकर किया पवित्र भूमि का अपमान : हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका की उपराष्ट्रपति ओर राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप ने 'अर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री' की अपनी यात्रा के दौरान इस पवित्र भूमि का अपमान किया है। ट्रंप ने 'अर्लिंग्टन नेशनल सेमेट्री' में चुनाव प्रचार गतिविधियों पर संघीय प्रतिबंध लागू होने के बावजूद वहां तस्वीरें खिंचवाई और उसे प्रकाशित भी किया। हैरिस ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट में उन खबरों का हवाला देते हुए दावा किया कि डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव प्रचार अभियान दल से जुड़े लोगों ने कब्रिस्तान के एक कर्मचारी के साथ विवाद किया और अगफान युद्ध में जान गंवाने वाले सैनिकों के स्मारक से जुड़े नियमों के बारे में याद दिलाए जाने के बावजूद कब्र के पास ट्रंप की तस्वीरें लीं और वीडियो भी बनाया गया। हैरिस ने आगे कहा कि मैं यह साफ कर दूं कि पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प ने राजनीतिक लाभ के लिए पवित्र भूमि का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि आर्लिंगटन एक पवित्र स्थान है, जहां लोग वीर अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि देने जाते हैं। यह राजनीतिक स्टंट करने का स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि ट्रंप एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो अपना फायदा देखने के अलावा कुछ भी समझने में असमर्थ हैं।

पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं करना चाह रहा, अलग-थलग पड़ने का खतरा : इमरान

करांची। पाकिस्तान पूर्व प्रधानमंत्री और मशहूर क्रिकेटर इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान निवेश के मामले में अलग-थलग पड़ा नजर आ रहा है, क्योंकि राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद ने अर्थव्यवस्था को पतन के कगार पर ला दिया है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान ने एक बयान में कहा कि आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की नाजुक अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन खुफिया एजेंसियां एक राजनीतिक पार्टी को निशाना बनाने में व्यस्त हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान ने कहा कि देश अलग-थलग पड़ने के खतरे का सामना कर रहा है और कोई भी पाकिस्तान में निवेश नहीं करना चाह रहा है क्योंकि देश आतंकवाद से जूझ रहा है। उन्होंने अदालती कार्यवाही में भाग लेने के बाद कहा कि संघीय दल होने के नाते उनकी पार्टी इस गंभीर स्थिति से निपट सकती है, क्योंकि अन्य सभी राजनीतिक दल अपने क्षेत्रों तक सीमित हैं। इमरान ने कहा कि राजनीतिक दल देश को एकजुट कर सकते हैं, लेकिन यह विडंबना है कि देशव्यापी मौजूदगी वाली उनकी पार्टी को कमजोर किया जा रहा है।

बलूचिस्तान में भड़की हिंसा में अब तक 70 की मौत

इस्लामाबाद। बलूचिस्तान प्रांत में इस हफ्ते हमलों की एक तेज लहर ने खलबली मचा दी, जिसमें 70 से अधिक लोग मारे गए। अलगाववादी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के ताजा हमले, पहले के किसी भी ऐसे हमले से अधिक बड़े थे। इसने एक बार फिर बलूच विद्रोह को दुनिया के सामने ला दिया है। यह विद्रोह दशकों से पाकिस्तान के कमजोर हिस्से के रूप में गरीब और उपेक्षित बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधनों और शोषण से प्रेरित है। पाकिस्तान के 40 फीसदी इलाके के लोग आखिर इसके जरिये क्या हासिल करना चाहते हैंबीएलए के पुलिस स्टेशनों और प्रमुख राजमार्गों पर हमले, बलूच नेता नवाब अकबर खान बुगती की पुण्यतिथि के मौके के आसपास हुए हैं। जो 18 साल पहले तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के चलाए गए कई आतंकवाद विरोधी अभियानों में से एक में मारे गए थे। बुगती की हत्या के बाद और ज्यादा हथियारबंद अलगाववादी समूहों का उदय हुआ। जो अब न केवल पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और चीनी हितों को बल्कि पंजाबी और सिंधी प्रवासी मजदूरों को भी निशाना बनाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमले बड़े पैमाने पर किए गए थे और विद्रोहियों के बढ़ते दुस्साहस, उनके मजबूत समर्थन आधार और आजाद तौर पर काम करने की बढ़ती क्षमता को दिखाते हैं। बीएलए ने पंजाबी मजदूरों को निशाना बनाना एक नया जातीय आयाम पेश किया है, जो संकेत देता है कि बलूच कट्टरपंथी मुख्य रूप से पंजाबी सेना को भड़काने और चुनौती देने की कोशिश कर रहे हैं।

बांग्लादेश में मोहम्मद युनुस के वायदे का सच सामने आया, हिंदू शिक्षकों से जबरन लिया जा रहा इस्तीफा

ढाका, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार की बर्खास्तगी के बाद कट्टरपंथी देश के विभिन्न सरकारी क्षेत्रों में काम करने वाले हिंदू कर्मचारियों को निशाना बना रहे हैं। उन्हें सरकारी नौकरियों से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। ताजा मामला सरकारी शिक्षण संस्थानों में काम करने वाले हिंदु शिक्षकों से जबरन इस्तीफा लिए जाने का है। जिसमें बकरगंज के सरकारी कॉलेज की प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर की तस्वीर सामने आई है, जिसमें वे इस्तीफा देते हुए दिख रही हैं।

बांग्लादेशी दैनिक प्रोथोम अलो के मुताबिक 29 अगस्त की दोपहर छात्रों और कुछ बाहरी लोगों के समूह ने प्रिंसिपल शुक्ला रानी हलदर के कार्यालय को लगभग चार घंटे तक घेरे रखा और अंतत: उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस दौरान उन्हें भीड़ ने जिस तरह बंधक बनाए रखा, वे काफी असहज दिख रही थीं, जिसकी तस्वीर देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई।

14वें बीसीएस शिक्षा संवर्ग की अधिकारी शुक्ला रानी हलदर ने 2022 के मध्य में बेकरगंज सरकारी कॉलेज के प्रिंसिपल के रूप में जिम्मेदारी संभाली थी इससे पहले, उन्होंने बरिशाल में सरकारी ब्रोजोमोहन (बीएम) कॉलेज में अंग्रेजी प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।

सोशल मीडिया पर कई शिक्षाविदों और पूर्व छात्रों ने उनके जबरन इस्तीफा लिए जाने की निंदा की।

बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तस्लीमा नसरीन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात चिंताजनक हैं, सरकारी अधिकारियों को मार रहे हैं। उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। जेलों में डाला जा रहा है। हिंदुओं के अलावा, अहमदिया मुसलमानों को भी प्रताड़ित किया जा रहा है, उनके उद्योगों को जलाया जा रहा है। सूफी मुसलमानों की मजारों और दरगहों को ध्वस्त किया जा रहा है। इन सब पर नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस चुप हैं।

दावा किया जा रहा है कि शेख हसीना के देश छोड़ने के दिन 05 अगस्त से अबतक करीब 50 हिंदु शिक्षकों को देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से इस्तीफा देना पड़ा है। बांग्लादेश छात्र एक्स परिषद ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे मामले का खुलासा किया।

जिन शिक्षकों पर इस्तीफा देने के दवाब बनाया जा रहा है उनमें से पुलिस लाइन हाई स्कूल एंड कॉलेज, ठाकुरगांव के प्रधानाचार्य भुवेशचंद्र रॉय, होली फैमिली नर्सिंग कॉलेज की सहायक प्रोफेसर सोनाली रानी दास, चांदपुर के पुराण बाजार डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य रतन कुमार मजुमदार, काजी नजरुल इस्लाम विवि के कुलपति सौमित्र शेखर, खुलना के कोईर स्थित कपोतक्ष महाविद्यालय के प्रधानाचार्य अद्रिश आदित्य मंडल, अरबी के जनसंपर्क प्रशासक डॉ. प्रणब कुमार पांडे सहित कई अन्य शिक्षक व प्रशासक शामिल हैं।

चीन की एक हरकत के खिलाफ सीना तानकर खड़ा हो गया जापान

टोक्यो। चीन अपनी नीतियों के चलते अपने सभी पड़ोसी देशों से आए दिन पंगा लेता रहा है। चीन लाल सागर से लेकर हिंद महासागर तक वह अपना वर्चस्व चाहता है। लेकिन भारत के साथ कई देश समय-समय पर उसके मंसूबों पर पानी फेर देते हैं। हालांकि इसके बाद भी चीन शांत नहीं बैठता है और फिर नई हरकत कर अपने आस-पास के देशों को परेशान करता है। अब जापान ने चीन से खुला पंगा ले लिया है। दरअसल शनिवार को चीन के एक नौसैनिक सर्वेक्षण पोत ने जापानी जलक्षेत्र में प्रवेश किया। यह बात जापान को रास नहीं आई और उसने इस पर आपत्ति जता दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि यह एक सप्ताह से भी कम समय में चीनी सेना द्वारा उसके क्षेत्र में दूसरा घुसपैठ है।

टोक्यो ने इस सप्ताह की शुरुआत में चीनी राजनयिकों से कहा था कि सोमवार को उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन पूरी तरह से अस्वीकार्य है। खबरों के मुताबिक शनिवार की घटना पिछले वर्ष में दसवीं बार थी जब एक चीनी नौसेना सर्वेक्षण जहाज जापान के क्षेत्रीय जल से गुजरा है, और यदि पनडुब्बियों और अन्य खुफिया जानकारी जुटाने वाले जहाजों को शामिल किया जाए तो यह 13वीं बार है। खबरों के अनुसार बता दें कि हाल के वर्षों में जापान के निकट और ताइवान के आसपास चीनी सैन्य गतिविधि में वृद्धि ने टोक्यो में चिंताएं बढ़ा दी हैं। जापान ने रक्षा निर्माण के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिसका उद्देश्य बीजिंग को क्षेत्र में अपने क्षेत्रीय दावों को आगे बढ़ाने के लिए सैन्य बल का उपयोग करने से रोकना है।

देश के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि जहाज को जापान के दक्षिण-पश्चिम में कागोशिमा प्रान्त के तट पर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 6 बजे (शुक्रवार को 2100 जीएमटी) देखा गया, तथा दो घंटे के भीतर ही उसे वहां से रवाना कर दिया गया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि टोक्यो ने चीनी दूतावास के अधिकारी के समक्ष इस घटना पर अपनी गंभीर चिंता और विरोध दर्ज कराया है। इसमें सोमवार को चीनी सैन्य विमान द्वारा पहली बार हवाई क्षेत्र में घुसपैठ का भी उल्लेख किया गया। गौरतलब है कि चीन समंदर में अपना दबदबा चाहता है।

इजराइली सैनिकों को गाजा की सुरंग से अमेरिकी नागरिक समेत 6 बंधकों के शव मिले

तेल अवीव, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

इजराइली सुरक्षा बलों ने रविवार को गाजा शहर रफाह की एक सुरंग से छह बंधकों के शव बरामद किए हैं। इन्हें बीते साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए आतंकी हमले के दौरान बंधक बनाया था।

इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार गाजा की एक सुरंग से 6 बंधकों के शव बरामद किए गए हैं। इजरायली सेना ने पुष्टि की है कि गाजा से बरामद शव 7 अक्टूबर को बंधक बनाए गए लोगों के हैं। इजरायली रक्षा बल आईडीएफ और शिन बेट के मुताबिक हमास ने कैद के दौरान इन छह बंधकों की हत्या की थी।

बताया जा रहा है कि सभी शव शनिवार को ही मिल गए थे लेकिन इनकी पहचान में समय लग गया। जिन 6 बधकों के शवों मिले हैं उनमें 3 पुरुष और 3 महिलाएं हैं। मृतकों की पहचान हेरश गोल्डबर्ग पोलिन (23), एडेन यरुशलमी (24), कार्मेल गाट (39), अलमोग सरुसी (26), एलेक्स लुबनोव (32) और ओरी डानिनो (25) के रूप में हुई है। अमेरिका नागरिक गोल्डबर्ग पोलीन का शव भी इनमें शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इसकी पुष्टि की है कि गाजा के सुरंग में मिले शवों में हर्श गोल्डबर्ग पोलिन का शव भी

शामिल है। बाइडेन ने एक बयान में कहा, आज सुबह, रफाह शहर के नीचे एक सुरंग में इजरायली बलों ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव बरामद किए। हमने अब पुष्टि कर ली है कि बंधकों में से एक अमेरिकी नागरिक, हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन था।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास आतंकियों ने दक्षिणी इजराइल में हमला कर करीब 1200 लोगों को मार कर 251 लोगों को बंधक बना लिया था। जिसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया जो अबतक जारी है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इजरायली हमलों में मृतकों (फिलिस्तीनी) की संख्या 40,691 तक पहुंच गई है।

नेपाल में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने की सनातन धर्म में वापसी

काठमांडू, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के सुनसरी जिले में 288 परिवारों के डेढ़ हजार लोगों ने सनातन धर्म में वापसी की है। विश्व हिंदू परिषद नेपाल के तत्वावधान में आयोजित शुद्धिकरण महायज्ञ के दौरान इन लोगों ने ईसाई पंथ त्याग कर फिर से सनातन धर्म अपनाया।

विहिप नेपाल के मुताबिक शनिवार को सुनसरी जिले के देवानगंज में आयोजित एक कार्यक्रम में वहां रह रहे 288 परिवार के करीब 1500 लोग सहभागी थे। विहिप के संगठन सचिव प्रहलाद रेग्मी ने बताया कि घर वापसी करने वाले लोगों के लिए स्थानीय श्रीकृष्ण माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में शुद्धिकरण महायज्ञ का आयोजन किया गया था।

रेग्मी ने बताया कि विहिप के घर वापसी अभियान का देशभर से जोरदार समर्थन मिल रहा है और लगातार इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन अलग-अलग जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में ईसाई मिशनरियों द्वारा जिस तरह से पैसे के लोभ में मतांतरण किया जा रहा है उसकी असलियत अब लोगों को समझ में आ रहा है। विहिप के प्रयास से लोग स्वधर्म में वापसी करने को लेकर जागृत हो रहे हैं। सुनसरी जिले के देवानगंज में हुए कार्यक्रम में विहिप के पदाधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

नेपाल में जल विद्युत परियोजना के प्रभावितों को भारतीय कंपनी सतलज देगी 140 करोड़ का मुआवजा

काठमांडू, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के संखुवासभा में बनने जा रही 669 मेगावाट क्षमता की लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना से प्रभावित होने वाले 268 परिवार को करीब 140 करोड़ रुपये मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए नेपाल सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय निकाय के साथ भारतीय कंपनी सतलज जल विद्युत निगम समन्वय का काम कर रही है।

सतलज जल विद्युत निगम द्वारा प्रस्तावित लोअर अरुण जलविद्युत परियोजना के पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की मसौदा रिपोर्ट के अनुसार परियोजना के निर्माण के लिए लगभग 65 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा। लोअर अरुण पावर डेवलपमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण धीमान ने बताया कि इस परियोजना के लिए 65 हेक्टेयर निजी

भूमि के अलावा 70 हेक्टेयर वन क्षेत्र और 6 हेक्टेयर सरकारी भूमि का भी अधिग्रहण किया जाएगा।

धीमान ने बताया कि प्रभावित 268 परिवारों को 1 अरब 40 करोड़ रुपये का मुआवजा वितरित किया जाएगा। नेपाल और भारत सरकार के बीच इस परियोजना के निर्माण पर समझौता होने के बाद भारत सरकार की तरफ से पहली किस्त के रूप में 500 करोड़ रुपये भी अवमुक्त कर दिए गये हैं। इसके बाद ही सतलज कंपनी ने प्रभावित क्षेत्र के निवासियों के साथ चर्चा शुरू कर दी है।

900 मेगावाट क्षमता के अरुण-3 जलविद्युत उत्पादन से निकलने वाले पानी को 17.4 किमी सुरंग के माध्यम से खादबारी के चेवाबेसी तक लाकर इसी पानी से 669 मेगावाट बिजली उत्पादन किए जाने की योजना है।

इस समय 900 मेगावाट अरुण-3 जलविद्युत परियोजना का निर्माण का काम अंतिम चरण में है। इस परियोजना का निर्माण कार्य 2024 के आखिरी तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से उत्पादित बिजली का 25 प्रतिशत नेपाल को मुफ्त में दिया जाएगा जबकि बाकी 75 प्रतिशत बिजली भारत को दिया जाएगा।

पेरिस पैरालंपिक : क्वार्टर फाइनल में हारीं मनदीप कौर और पलक कोहली

पेरिस, 01 सितंबर (एजेंसियां) । भारत के लिए पेरिस पैरालंपिक 2024 में रविवार चौथे दिन की शुरुआत अच्छी नहीं हुई है। भारतीय पैरा शटलर मनदीप कौर एवं पलक कोहली अपना-अपना क्वार्टर फाइनल मैच हार गई हैं। इसकी के साथ दोनों खिलाड़ियों का पेरिस पैरालंपिक में सफर समाप्त हो गया है।

रविवार को मनदीप कौर महिला एकल एसएल3 वर्ग के क्वार्टरफाइनल मैच में नाइजीरिया की खिलाड़ी मरियम बोलाजी से हार गई। मैच में मनदीप शुरुआत से लय में नहीं दिखीं। नाइजीरिया की मरियम बोलाजी ने आसानी से पहला गेम 21-8 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी मनदीप वापसी नहीं कर सकीं और नाइजीरियाई खिलाड़ी ने यह गेम भी 21-9 से जीत लिया। इस तरह नाइजीरियाई खिलाड़ी ने मनदीप को 21-8, 21-9 से सीधे सेटों में आसानी से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

मनदीप के बाद पैरा शटलर पलक कोहली भी महिला एकल एसएल4 वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैच में हार गईं। उन्हें इंडोनेशिया की एथलीट सदियाह खलीमातुस ने 21-19, 21-15 के सीधे सेटों में हरा दिया है।

इस साल भारत ने पैरालिंपिक में अब तक का अपना सबसे बड़ा दल भेजा है, जिसमें 12 खेलों के 84 एथलीट शामिल हैं। भारत अब तक पेरिस पैरालंपिक में एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल पांच पदक अपने नाम कर चुका है।

अब अहमद शहजाद ने पीसीबी को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की निंदा रुकने का नाम नहीं ले रही है। इन्हीं निंदक की सूची में अहमद शहजाद का भी नाम जुड़ गया है। पाकिस्तान के घरेलू टूर्नामेंट से नाम वापस लेने वाले शहजाद ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर घेरा और उनका खिलाड़ियों के प्रति रवैया नौकरों की तरह बताया है। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही। बांग्लदेश से उन्हें पहले टेस्ट में घरेलू मैदान पर ही हार झेलनी पड़ी। अब जब पीसीबी घरेलू ढांचे में बदलाव करने की सोच रहा है, तब शाहजाद ने सामने आ रहे रुझानों पर अपना विरोध जाहिर किया है।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई मुक्केबाजी संघ के साथ ही 21 देशों ने आईबीए का समर्थन किया, वर्ल्ड बॉक्सिंग को 14 देशों से ही मिला समर्थन

दुबई । एशियाई मुक्केबाजी संघ ने निलंबित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) के पक्ष में मतदान किया है। इस गुप्त मतदान में 21 देशों ने आईबीए के साथ बने रहने के पक्ष में जबकि 14 देशों ने इस खेल के संचालन के लिए गठित की गई नई संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में मतदान किया। एशियाई मुक्केबाजी परिसंघ (एएसबीसी) के वर्ल्ड बॉक्सिंग के पक्ष में शामिल होने से इनकार करने के इस फैसले से लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में मुक्केबाजी को शामिल करने में मुश्किलें आयेंगी। भारत के अलावा बहरीन, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, चीन, चीनी ताइपे, तिमोर लेस्ते, हांगकांग, इंडोनेशिया, ईरान, इराक, जापान, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, लाओस, लेबनान, मकाऊ, मलेशिया, म्यांमार, नेपाल, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, फिलीपींस, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, श्रीलंका, सीरिया, ताजिकिस्तान, थाईलैंड, तुर्कमेनिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात, उज्बेकिस्तान, वियतनाम और यमन शामिल ने मतदान में भाग लिया। भारत ने इसमें पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। आईबीए के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के साथ विवाद को देखते हुए ही आईओसी ने पेरिस ओलंपिक की क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की जिम्मेदारी संभाली थी। मतदान के बाद आईबीए ने वर्ल्ड बॉक्सिंग पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नई संस्था के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने के लिए साधन नहीं हैं। आईबीए ने अपने एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड बॉक्सिंग के पास प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के लिए किसी तरह का वित्त, विशेषज्ञता और समर्थन नहीं है। उनका मुक्केबाजी को आगे बढ़ाने का भी कोई इरादा नहीं है।

प्रिटोरियस ने सीपीएल में अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर वॉरियर्स को जीत दिलाई

जमैका । गयाना अमेजन वॉरियर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल)। के दूसरे रोमांचक मुकाबले में एंटीगा एंड बरबुडा फाल्कंस को हरा दिया। इस मैच में ड्वेन प्रिटोरियस ने अंतिम ओवर में आक्रामक बल्लेबाजी कर गयाना को जीत दिलायी। प्रिटोरियस ने फाल्कंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर के एक ही ओवर में 18 रन बना दिये। वॉरियर्स को अंतिम ओवर में 16 रन की जरुर थी। ऐसे में प्रिटोरियस ने अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इस मैच में फखर जमां और इमाद वसीम के 40-40 रनों से फाल्कंस टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 168 रन बनाए।

हांगकांग के आयुष ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4 ओवर मेडन फेंककर नया विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई । हांगकांग की ओर से खेलने वाले भारतीय मूल के आयुष शुक्ला ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चार ओवर फेंककर एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। आयुष ने ये उपलब्धि मंगोलिया के खिलाफ टी20 विश्व कप 2026 के लिए हुए क्वालीफायर मैच में हासिल की। आयुष को इन चार ओवरों में एक विकेट भी मिला।आयुष पहले एशियाई गेंदबाज हैं जो सभी ओवर मैडन डालने में सफल रहे हैं। इससे पहले ये कारनामा कनाडा के साद बिन जफर और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फग्यूर्सन ने भी किया था। आयुष ने मंगोलिया के खिलाफ हुए मुकाबले में अपने चार ओवर में यालाजट नामसाराय को पेवेलियन भेजा। उनकी गेंदों का मंगोलियाई बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। आयुष का जन्म मुंबई में हुआ था पर बाद में उनका परिवार हांगकांग चला गया था। 21 साल की उम्र में वह हांगकांग टीम से खेलने लगे थ। आयुष के नाम 34 मैचों में 29 विकेट का रिकार्ड है। इस क्रिकेटर ने इससे पहले कंबोडिया के खिलाफ साल 2023 में 3 ओवर में 3 रन देकर एक विकेट लिया था ।

भारत की रूबिना फ्रांसिस को मिला कांस्य

शेटराउ, 01 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय निशानेबाजों का पेरिस पैरालंपिक खेलों में अच्छा प्रदर्शन जारी है। अब महिला निशानेबाज रूबिना फ्रांसिस ने पेरिस पैरालंपिक की निशानेबाजी स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता है। रूबिना को ये पदक कुल 211.1 अंक हासिल करने के साथ ही महिलाओं की एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में मिला है। इस भारतीय निशानेबाज ने क्वालीफिकेशन दौर में सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल

में जगह बनायी। पेरिस पैरालंपिक में इस प्रकार भारत ने निशानेबाजी में चौथा और कुल मिलाकर 5वां पदक जीता है। वहीं इससे पहले अब तक इन खेलों में एक स्वर्ण शुक्रवार को अवनि लेखरा ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक के साथ ही हासिल किया था जबकि मोना अग्रवाल ने तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही कांस्य पदक जीता। इसके अलावा मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) में रजत पदक जीता था।

10 मीटर एयर राइफल मिश्रित में भारत को हाथ लगी निराशा फाइनल में नहीं पहुंच पाए अवनि और सिद्धार्थ

पेरिस, 01 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा पैरालंपिक खेलों की मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन (एसएच1) स्पर्धा में रविवार को यहां 11वें जबकि सिद्धार्थ बाबू 28वें स्थान पर रहे और इस तरह से फाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए।

अवनि 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के अपने प्रदर्शन को नहीं दोहरा पाई और अच्छी शुरुआत के बावजूद 628.8 अंक के कुल स्कोर के साथ फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही। सिद्धार्थ ने 628.3 का स्कोर किया। अवनि के छह सीरीज में अंकों का क्रम 105.7, 106.0, 104.1, 106.0, 104.8, 106.2, जबकि सिद्धार्थ का स्कोर 104.6, 103.8, 105.7, 104.9, 103.6, 105.7 रहा।

अवनि ने शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वह लगातार दो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं। उन्होंने विश्व रिकॉर्ड के साथ अपने खिताब का बचाव किया था। एसएच1 में खिलाड़ी बिना किसी मुश्किल के बंदूक पकड़ सकते हैं तथा खड़े होकर या बैठकर निशाना लगा

सकते हैं। अवनि ने टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद पेरिस पैरालंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। उन्होंने फाइनल में 249.7 के रिकॉर्ड स्कोर के साथ जीत हासिल की, जबकि हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता था। आत्मविश्वास से भरी अवनि लेखरा ने शुक्रवार को पैरालंपिक में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीतने की अपनी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए कहा कि इसने भारत में महिला खिलाड़ियों के लिए बैरियर तोड़ दिया है।

जब पत्रकारों ने अवनि से पूछा कि दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बनकर उन्हें कैसा महसूस हो रहा है तो उन्होंने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था। मैं बस दिन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बारे में सोच रही थी। मुझे खुशी है कि मैं अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। इसने देश की अन्य महिलाओं के लिए 'बैरियर' तोड़ दिया। वे अब सोच सकती हैं कि 'भारत में महिलायें भी स्वर्ण जीत सकती हैं'। मैं आभारी हूं कि मैं ऐसा करने वाली पहली महिला हूं।

अवनि ने कहा कि उन्होंने अपना ध्यान पहले ही अगली स्पर्धा (महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एस1 और मिश्रित 10 मीटर एयर राइफल प्रोन एसएच1) पर केंद्रित कर लिया है। उनके लिए इस साल की शुरुआत में एक सर्जरी की चुनौती से पार पाना चुनौतीपूर्ण रहा। अवनि ने पित्ताशय की सर्जरी के बारे में बात करते हुए कहा, मार्च में मेरी सर्जरी हुई थी और मैं रेंज से बाहर थी, मैं अभ्यास नहीं कर रही थी। मानसिक रूप से इसने मुझे परेशान किया क्योंकि मैं पैरालंपिक से कुछ महीने पहले ट्रेनिंग नहीं ले रही थी। अभी मुझे और स्पर्धायें खेलनी हैं और मैं सभी में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहती हूं, देखते हैं क्या होता है।

इंडिया अंडर-19 टीम में चयन से उत्साहत हैं द्रविड़ के बेटे समित

बेंगलूरु, 01 सितंबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अंडर 19 टीम में चयनित होने के बाद से ही उत्साहित हैं। समित को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर और चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए चुनी गई टीम में शामिल किया गया है। वह इस समय बेंगलुरु में खेली जा रही महाराजा टी20 ट्रॉफी में मैसूरु वॉरियर्स की टीम से खेल रहे हैं।

समित अंडर 19 टीम में जगह मिलने से बेहद खुश हैं। 18 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रशंसकों का भी समर्थन के लिए आभार जताया है। साथ ही कहा कि उसने इस दिन के लिए काफी मेहनत की है.समित द्रविड़ ने कहा, मुझे अपने अंडर 19 टीम में चुने जाने पर काफी खुशी है। आप सभी को मेरे टीम में जगह बनाने पर दी गई शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मैंने इस पल के लिए काफी समय से कड़ी मेहनत की थी।

कड़ी मेहनत का फल मिला

इंदौर के सोहम भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान बने, कैलाश विजयवर्गीय ने दी बधाई

इन्दौर । अंडर- 19 क्रिकेट टीम की आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के टेस्ट और वनडे टीमों की घोषणा कर दी गई है जिसमें इंदौर के सोहम पटवर्धन को चार दिवसीय टेस्ट सीरीज के लिए टीम का कप्तान बनाया गया है। तथा वनडे सीरीज के लिए मोहम्मद अमान को कप्तान बनाया गया है। अपने इस ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारतीय टीम उसके खिलाफ भारतीय वनडे और चार दिवसीय मैच खेलेगी। अपनी अद्भुत खेल प्रतिभा के धनी सोहम पटवर्धन बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं। वहीं गेंदबाजी दोनों हाथ से करते हैं। सोहम दाएं हाथ से आफ स्पिन और बाएं हाथ से ऑर्थोडॉक्स गेंदबाजी करते हैं। सोहम के पिता निखिल पटवर्धन भी पूर्व रणजी क्रिकेटर हैं। परिजनों के अनुसार सोहम के दादा भी क्रिकेटर थे। सोहम ने कूच बिहार ट्रॉफी सहित कई टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है।

दूसरे टेस्ट में भी पाकिस्तान के बल्लेबाज विफल रहे , पहली पारी में बनाए 274

रावलपिंडी, 01 सितंबर (एजेंसियां) । पाकिस्तान क्रिकेट टीम मेहमान टीम बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पायी और पहली पारी में केवल 274 रन ही बना पायी। इसके बाद दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 10 रन बना लिए थे। वहीं पहले दिन बारिश कारण खेल नहीं हो पाया था। बांग्लादेश की ओर से स्पिनर मेहदी हसन मिराज ने 61 रन देकर पांच खिलाड़ियों को आउट किया। टेस्ट मैचों में मेहदी ने 10वीं बार पांच विकेट लिए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने भी 57 रन पर तीन विकेट लिए।

बांग्लादेश की टीम इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इससे उसके खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अगर वह ये मैच जीतती है तो उसे पहली बार पाक में इतनी बड़ी सफलता मिलेगी। उसके हालांकि मुशफिकुर रहीम के चोटिल होने से नुकसान होगा।

रूट इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने

लॉर्ड्स, 01 सितंबर (एजेंसियां) । इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने श्रीलंका के खिलाफ यहां खेले जा रहे क्रिकेट टेस्ट मैच की दूसरी पारी में भी शतक लगाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही रूट के नाम अब 34 शतक हो गये हैं और वह इंग्लैंड की ओर से टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

इससे पहले ये रिकार्ड एलिस्टर कुक के नाम था। कुक के नाम 33 शतक हैं। अब रुट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गये हैं। रूट ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरी पारी में 121 गेंदों पर 103 रन बना दिये। वहीं पहली पारी में रूट ने 143 रन बनाये थे।

रूट की 103 रन की पारी से इंग्लैंड ने दूसरी पारी में 251 रन बनाए। इससे इंग्लैंड ने श्रीलंका को जीत के लिए 483 रन का लक्ष्य दिया। रूट अब लॉर्डस के मैदान में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस ऐतिहासिक मैदान पर उन्होंने सातवां शतक लगाया है। इस प्रकार उन्होंने इस मैदान पर छह शतक लगाने वाले अपने ही देश के पूर्व क्रिकेटरों माइकल वॉन और ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है।

रूट ने 145वें मैच में करियर का 34वां शतक लगाया जबकि कुक ने अपने 33 शतक के लिए 161 टेस्ट खेले थे। रूट ने इसके अलावा इंग्लैंड की ओर से 50 अर्धशतक भी लगाये हैं। इस साल वह अभी तक सबसे ज्याद चार शतक बनाने में सफल रहे हैं।

जो रूट ने टेस्ट क्रिकेट में अब तक 200 कैच पकड़े हैं। इस प्रकार वह 200 कैच के क्लब में शामिल होने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले भारत के राहुल द्रविड़ के नाम 210 कैच जबकि श्रीलंका के महेला जयवर्धने के नाम 205 कैच हैं।

हॉकी इंडिया बेरोजगार खिलाड़ियों को देगा 2 लाख रुपए की वित्तीय सहायता

लखनऊ, 01 सितंबर (एजेंसियां) । हॉकी इंडिया की रविवार को लखनऊ में हुई वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में करियर बनाने में आर्थिक मदद के लिए भारतीय पुरुष और महिला कोर संभावित समूह के उन सदस्यों को 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया है, जिन्हें अभी तक सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयू) में नौकरी नहीं मिली है।

बैठक के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा कि अधिकांश हॉकी खिलाड़ियों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर पीएसयू और सरकारी विभागों से नौकरी दिए जाने की परंपरा रही है लेकिन हमारे ध्यान में लाया गया है कि सीनियर कोर ग्रुप में शामिल कुछ नए खिलाड़ी, खास तौर पर महिला खिलाड़ी बेरोजगार हैं।

एजीएम में ऐसे हॉकी खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता देने के लिए हर साल 2 लाख रुपये का अनुदान देने का निर्णय लिया गया है, ताकि उन्हें या उनके परिवारों को गुजारा करने के लिए संघर्ष न करना पड़े।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने बताया कि वार्षिक आम बैठक में राष्ट्रीय खिलाड़ियों की मदद से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। हमने आगामी हॉकी इंडिया लीग पर भी चर्चा की और हम आने वाले हफ्तों में कुछ रोमांचक घोषणाएं करेंगे।

हॉकी इंडिया की वार्षिक आम बैठक पहली बार लखनऊ में आयोजित की गई। इससे एक दिन पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी इंडिया की 31 राज्य सदस्य इकाइयों और हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड के सदस्यों के प्रतिनिधियों की लखनऊ में अपने आवास पर चाय पर मेजबानी की, जिसमें अध्यक्ष डॉ. दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन शामिल हुए थे।

इस बैठक में उत्तर प्रदेश में हॉकी को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई, जो राज्य में खेल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

एटीएफ 4,567.76 रुपए प्रति किलो लीटर तक सस्ता, नई दरें लागू

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 4,495.50 रुपये प्रति किलोलीटर (1000 लीटर) तक की कटौती की है। एटीएफ के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की संभावना है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार देश की राजधानी नई दिल्ली में एटीएफ की कीमत 4,495.50 रुपये घटकर 97,975.72 रुपये प्रति किलोलीटर से 93,480.22 रुपए किलोलीटर हो गया है। मुंबई में एटीएफ 4,217.56 रुपये घटकर 91,650.34 रुपये प्रति किलोलीटर से 87,432.78 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है। वहीं, चेन्नई में एटीएफ 4,567.76 रुपये सस्ता होकर 97,064.32 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है।

इसके अलावा कोलकाता में एटीएफ 4,222.44 रुपये कम होकर 1,00,520.88 रुपये प्रति किलोलीटर से 96,298.44 रुपये किलोलीटर हो गया है। गौरतलब है कि त्योहारी सीजन में हवाई ईंधन के दाम घटने से हवाई सफर सस्ता होने की उम्मीद है। एटीएफ की दरों का सीधा असर विमान किराये पर दिखता।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 39 रुपए तक महंगा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 39 रुपये प्रति सिलेंडर का इजाफा किया है। हालांकि, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नई दरें रविवार से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस की कीमत 39 रुपये बढ़कर अब 1691.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गयी है, जो पहले 1652.50 रुपये में मिल रहा था। वहीं, कोलकाता में इसका दाम बढ़ कर 1802.50 रुपये हो गया है, जो पहले 1764.50 रुपये था। इसी तरह मुंबई में कॉमर्शियल गैस की कीमत बढ़ कर 1605 रुपये से 1644 रुपये हो गयी है। इसके अलावा चेन्नई में ये सिलेंडर 1855 रुपये का मिल रहा है। हालांकि, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में यह 803 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये का मिल रहा है।

हीरो मोटो कॉर्प ने संजय भान को बनाया कार्यकारी उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। दोपहिया वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने वैश्विक कारोबार मामलों के अपने मुख्य व्यापार अधिकारी संजय भान को पदोन्नत कर कार्यकारी उपाध्यक्ष बनाया है। उनकी नियुक्ति एक सितंबर से प्रभाव में आ गई है। हीरो मोटोकॉर्प ने शेयर बाजार को बताया कि भान अपनी नई भूमिका में हाल में स्थापित ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के साथ-साथ वैश्विक उत्पाद योजना (जीपीपी) पोर्टफोलियो का भी नेतृत्व करेंगे। भान ग्लोबल बिजनेस और जीपीपी के सीईओ को रिपोर्ट करना जारी रखेंगे। इसके अतिरिक्त वह ग्लोबल मार्केट इनसाइट्स फंक्शन के प्रमुख के रूप में सीधे कार्यकारी चेयरमैन को रिपोर्ट करेंगे। साथ ही खेल इकाई का भी नेतृत्व करेंगे। कंपनी के बयान के अनुसार भान 1991 में कंपनी में शामिल हुए और इस अवधि के दौरान कई दोपहिया मॉडल को पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं

बीते सप्ताह आठ शीर्ष कंपनियों का मार्केट कैप 1.53 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी के साथ देश की 10 शीर्ष कंपनियों में से आठ का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,53,019.32 करोड़ रुपये बढ़ गया। भारतीय एयरटेल, इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज सर्वाधिक लाभ में रहीं।

भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 47,194.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,04,587.12 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 33,611.37 करोड़ रुपये बढ़कर 8,06,880.50 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 31,784.9 करोड़ रुपये बढ़कर 16,46,899.17 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,734.3 करोड़ रुपये बढ़कर 8,66,374.41 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,396.42 करोड़ रुपये बढ़कर 20,43,107.10 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का एमकैप 5,600.24 करोड़ रुपये बढ़कर 12,44,206.43 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसीआई) का मूल्यांकन 2,340.25 करोड़ रुपये बढ़कर 6,73,390.88 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 356.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,27,935.97 करोड़ रुपये पहुंच गया।

हालांकि हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,411.54 करोड़ रुपये घटकर 6,52,739.95 करोड़ रुपये और आईटीसी का एमकैप 4,776.48 करोड़ रुपये घटकर 6,27,587.76 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज ने सबसे मूल्यवान कंपनी का दर्जा बरकरार रखा है। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने शेयर बाजारों में अगस्त में 7,320 करोड़ का निवेश किया

निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में घरेलू शेयर बाजार में केवल 7,320 करोड़ रुपये का निवेश किया। शेयरों के उच्च मूल्यांकन और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर बढ़ाने के बाद येन कैरी ट्रेड यानी निम्न ब्याज दर वाले वाले देश से कर्ज लेकर दूसरे देश की परिसंपत्तियों में निवेश के समाप्त होने के बीच उन्होंने सतर्क रुख अपनाया है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक यह निवेश जुलाई में 32,365 करोड़ रुपये और जून में 26,565 करोड़ रुपये से काफी कम है। बाजार के जानकारों ने कहा कि सितंबर में एफपीआई की घरेलू बाजार में रुचि बने रहने की संभावना है। हालांकि पूंजी प्रवाह को घरेलू राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक संकेतक, वैश्विक ब्याज दर की स्थिति, बाजार मूल्यांकन, क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और बॉन्ड बाजार के आकर्षण से दिशा मिलने की उम्मीद है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने अगस्त में भारतीय इक्विटी में 7,320 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। पिछले दो महीनों की तुलना में एफपीआई की रुचि कम होने का मुख्य कारण भारतीय बाजार में उच्च मूल्यांकन है। वित्त वर्ष 2024-25 की अनुमानित कमाई से 20 गुना अधिक पर निफ्टी कारोबार कर रहा है। इसके साथ, भारत अब दुनिया का सबसे महंगा बाजार है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफपीआई के पास बहुत सस्ते बाजारों में निवेश करने के अवसर हैं और इसीलिए, उनकी प्राथमिकता भारत के अलावा अन्य बाजार हैं। इसके अलावा, 24 अगस्त को येन कैरी ट्रेड के समाप्त होने से एफपीआई व्यवहार पर काफी असर पड़ा, जिससे घरेलू इक्विटी में भारी बिकवाली हुई। दिलचस्प बात यह है कि एफपीआई शेयर बाजार बाजार में बिकवाली कर रहे हैं, जहां मूल्यांकन अधिक माना जाता है। वे अपने निवेश को प्राथमिक बाजार में लगा रहे हैं, जहां अपेक्षाकृत मूल्यांकन कम है। इस बीच एफपीआई ने अगस्त में बॉन्ड बाजार में 17,960 करोड़ रुपये का निवेश किया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बॉन्ड सूचकांकों में शामिल किये जाने, आकर्षक ब्याज दर, स्थिर आर्थिक वृद्धि और अनुकूल दीर्घकालिक दृष्टिकोण एफपीआई को बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रेरित करने वाले प्रमुख कारक रहे हैं।

ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना किया बंद

नई दिल्ली, 01 सितंबर (एजेंसियां)। ब्राजील में एलन मस्क के एक्स प्लेटफॉर्म ने काम करना बंद कर दिया है, अब ब्राजील यूजर्स एक्स सेवा का उपयोग नहीं कर पाएंगे। मोबाइल और वेब वर्जन दोनों पर सेवाएं बदं कर दी गई हैं। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेश एक्स प्लेटफॉर्म की सर्विस ब्राजील में एक्सपायर हो गईं। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट और मस्क के बीच में लंबे समय से विवाद चल रहा था। ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस एलेक्जेंडर डि मोरियस ने पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया। ब्राजील में एक्स पर आरोप लग चुके हैं कि वह ब्राजील में तख्तापलट की खबरें व लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कंटेंट को बढ़ावा दे रहे हैं। दरअसल ब्राजील के जस्टिस डि मोरियस ने बुधवार को मस्क इस एक्स कंपनी को ऑर्डर दिया कि वह 24 घंटे के अंदर एक कानूनी अधिकारी अपॉइंट करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बाद ब्राजील के सुप्रीम फेडरल कोर्ट ने शुक्रवार को पूरे देश में एक्स को बैन करने का आदेश जारी किया और 18 मिलियन रियाल (लगभग 40 करोड़ रुपये) का जुर्माना भी लगाया। ब्राजील कोर्ट ने नेशनल टेलीकम्युनिकेशन एजेंसी को 24 घंटे के अंदर ब्लॉक करने का आदेश दिया। साथ ही एप्पल और गूगल को ऑनलाइन प्ले स्टोर्स से इस एक्स ऐप को हटाने का 5 दिन के अंदर आदेश दिया। मस्क ने इस पूरे मामले को लेकर पोस्ट किया और एक्स पर पोस्ट करके कहा कि ब्राजील के वर्तमान प्रशासन के तहत निवेश करना पागलपन है। जब नई लीडरशिप आएगी, तब इसमें बदलाव आएगा। कोर्ट के आदेश में आगे कहा कि बैन के बाद अगर कोई कंपनी या संस्था एक्स को चलाने के लिए वीपीएन आदि का इस्तेमाल करके चलाती है, तो उस पर 50 हजार रियाल (करीब 11 लाख रुपये) का जुर्माना लगाए जाने का आदेश है।

एनबीसीसी ने 1:2 बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। सरकारी कंपनी एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड ने घोषणा की कि उसके बोर्ड ने पात्र शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की मंजूरी दी है। इस उद्देश्य के लिए कंपनी 90 करोड़ रुपये के फ्री रिजर्व का उपयोग करेगी। कंपनी ने बताया कि बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने और रिकॉर्ड तारीख तय करने की मंजूरी दी है। कंपनी ने कहा कि बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने कंपनी के शेयरधारकों को 1:2 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की सिफारिश की है, यानी रिकॉर्ड तिथि के अनुसार पात्र सदस्यों को हर दो मौजूदा शेयरों के लिए एक नया पूरी तरह से चुकता इक्विटी शेयर, जिसकी कीमत 1 रुपये होगी, जारी किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जनवरी से...

इन प्रयासों का मकसद न्याय तक सभी की पहुंच को आसान बनाना है।

उन्होंने कहा, इसके साथ ही हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हमारे न्यायालय समाज के सभी लोगों के लिए सुरक्षित और अनुकूल हों, खासतौर पर महिलाओं, दिव्यांगों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य संवेदनशील समूहों के लिए।

वहीं, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ हमारे लिए गर्व का विषय है। आज, न्यायपालिका में विभिन्न स्तरों पर काम करने वाले सभी महान लोगों का एक ही लक्ष्य है- विकसित भारत का निर्माण। उन्होंने आगे कहा, एक अच्छी न्याय प्रणाली का होना जरूरी है, ताकि नागरिक अपनी पूरी क्षमता से राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकें। इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका के सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा, मुझे भरोसा है कि सम्मेलन में दिए गए सुझावों को अपनाने से न्यायिक बिरादरी को मदद मिलेगी और नागरिकों के लिए न्याय की प्रक्रिया को सरल बनाने में मदद मिलेगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तारीख पर तारीख की पुरानी संस्कृति को बदलने का संकल्प लें।

अदालतों में ...

कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए। राष्ट्रपति मुर्मू ने भारत मंडपम में हुए कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट का ध्वज और प्रतीक चिह्न भी जारी किया।

नाबालिग के...

होने की घटना सामने आई है। नर्स का आरोप है कि रुटीन के तहत जब वह मरीजों की जांच कर रही थी, उसी दौरान एक मरीज ने उसे गलत तरीके से छुआ। जब नर्स ने इसका विरोध किया तो आरोपी मरीज ने नर्स के साथ गालीगलौज की। नर्स की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी मरीज को गिरफ्तार कर लिया है।

कोलकाता में ...

और कॉन्वेंट स्कूलों के बच्चों ने किया। कॉलेज स्ट्रीट से निकाली गई मेगा रैली में स्वास्तिका मुखर्जी, सुदीप्त चक्रवर्ती, चैती घोषाल और सोहिनी सरकार समेत अन्य कलाकारों ने हिस्सा लिया। रैली के दौरान अभिनेत्री से निर्देशक बनीं अपर्णा सेन ने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा, हम न्याय की मांग करते हुए सड़क पर एक साथ चल रहे हैं। जरूरत पड़ने पर हम फिर से सड़कों पर उतरेंगे। उन्होंने आगे कहा, आम लोगों को जवाब मांगने और सच जानने का पूरा अधिकार है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। हम जांच को लेकर आशांवित हैं।

स्वास्तिका मुखर्जी ने इस मामले में चिंता व्यक्त करते हुए कहा, नौ अगस्त की घटना को इतने दिन बीत चुके हैं। केवल एक गिरफ्तारी के बाद हमें जांच एजेंसी की तरफ से कोई अपडेट नहीं दिया गया। अस्पताल प्रशासन द्वारा इस मौत को आत्महत्या बता कर खारिज करने की कोशिश और केवल एक व्यक्ति की गिरफ्तारी ने इस राज्य के लोगों को अपने घरों से बाहर निकालने के लिए मजबूर कर दिया है। आरजी कर घटना के बाद से प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों के फोरम ने भी इस रैली में हिस्सा लिया। दक्षिण कोलकाता में रामकृष्ण मिशन स्कूल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के पूर्व और वर्तमान छात्रों ने गोलपार्क से रवींद्र सदन एक्साइड क्रॉसिंग तक मार्च निकाला। वहीं सेंट जॉन्स डायसेसन गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के पूर्व-वर्तमान छात्र और उनके अभिभावकों ने भी मार्च निकाला। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की महिला सदस्यों ने दुष्कर्मियों के लिए मृत्युदंड सुनिश्चित करने के लिए कानूनों में संशोधन की वकालत करते हुए विभिन्न ब्लॉकों पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा 29 अगस्त से एस्प्लेनेड में डोरिना क्रॉसिंग पर धरना दे रही है।

एयर मार्शल ...

एयर मार्शल सिंह रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के भी पूर्व छात्र हैं। एयर मार्शल तेजिंदर सिंह एक लड़ाकू स्क्वाड्रन, रडार स्टेशन और एक प्रमुख लड़ाकू बेस की कमान संभाल चुके हैं। इसके साथ ही वह जम्मू-कश्मीर के एयर ऑफिसर कमांडिंग भी थे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में बताया गया कि कमांड मुख्यालय में ऑपरेशनल स्टाफ, वायु सेना मुख्यालय में एयर कमोडोर (कार्मिक अधिकारी -1), एकीकृत रक्षा स्टाफ के उप सहायक प्रमुख, मुख्यालय आईडीएस में वित्तीय (योजना), एयर कमोडोर (एयरोस्पेस सुरक्षा) की कमान भी संभाल चुके हैं।

बयान में आगे बताया गया कि वायुसेना मुख्यालय में वायु कर्मचारी संचालन (ऑफेंसिव) और एसीएएस संचालन (स्ट्रैटेजी) की भी कमाल संभाल चुके हैं। अपनी वर्तमान नियुक्ति से पहले वह मेघालय के शिलॉन्ग में भारतीय वायुसेना के मुख्यालय पूर्वी वायु कमान में वरिष्ठ वायु कर्मचारी अधिकारी थे। उन्हें 2007 में वायु सेना पदक और 2022 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया था। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को सेंट्रल एयर कमांड में एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के पद पर नियुक्त किया गया।

तेलंगाना में भारी...

रविवार की सुबह जलस्तर 27 फीट था। भारी बारिश को देखते हुए राज्य सरकार ने स्थिति पर नजर रखने के लिए राज्य सचिवालय में आपदा प्रबंधन विभाग ने एक विशेष नियंत्रण कक्ष खोला है जिसका फोन नंबर 040-23454088 है। झीलों, तालाबों और नालों में उफान के कारण महबूबनगर और नलगोंडा जिलों में कुछ स्थानों पर गांवों का संपर्क टूट गया है। वारंगल जिले में, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस टोपनपल्ली में बाढ़ में फंस गई। यात्रियों ने बस में रात बिताई क्योंकि झील से आए बाढ़ के पानी से सड़क जलमग्न हो गई थी।

भारी बारिश के कारण बुनियादी ढांचे को गंभीर नुकसान हुआ है, कई इलाकों में यातायात रुक गया है और पुरानी इमारतें ढह गई हैं। सिंगरेनी जिले में कोयला उत्पादन पर भी काफी असर पड़ा है। ग्रामीण क्षेत्रों में भारी वर्षा से धान, कपास, मक्का और ज्वार के खेतों में पानी भर गया है। तेलंगाना के खम्मम जिले में एरु धारा के उफान के कारण बाढ़ के पानी में फंसे तीन लोगों को बचाया गया। विकाराबाद और कामारेड्डी सहित कई अन्य जिलों में यातायात बाधित होने और बाढ़ संबंधी घटनाओं की सूचना मिली है।

हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने रविवार और सोमवार को आदिलाबाद, निज़ामाबाद और महबूबनगर समेत कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश होने के अनुमान के साथ ही तेलंगाना के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। अन्य जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है और तीन सितंबर तक येलो अलर्ट पहले से जारी है। हैदराबाद में शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं, जिलाधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर छुट्टियों की घोषणा का अधिकार दिया गया है। एहतियात के तौर पर मुलुगु जिले के बोगाथा और लक्नवरम जैसे पर्यटन स्थलों को 48 घंटों के लिए बंद कर दिया गया है। मछुआरों और श्रद्धालुओं को मौसम में सुधार होने तक अपनी गतिविधियां स्थगित करने की सलाह दी गई है।

तेलंगाना के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जिला कलेक्टरों और आपदा प्रबंधन अधिकारियों के साथ समन्वय करते हुए रविवार सुबह राज्य में जारी भारी बारिश और बाढ़ के खतरों की समीक्षा की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्री ने विशेष रूप से खम्मम, कोठागुडेम, वारंगल, सूर्यापेट, नलगोंडा, हैदराबाद और अन्य प्रभावित जिलों की स्थिति के बारे में पूछताछ की। लगातार हो रही बारिश के कारण जिला कलेक्टरों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर रखा गया है। मंत्री ने निचले इलाकों से निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए बाढ़ संभावित क्षेत्रों में राहत प्रयासों को तेज करने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो वहां तुरंत पुनर्वास केंद्र स्थापित किए जाएं।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) सहित बचाव टीमों को तैयार रहने का निर्देश दिया गया है, साथ ही जरूरत पड़ने पर बचाव कार्यों के लिए हेलिकॉप्टर तैनात करने का भी आदेश दिया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को सचिवालय में 24 घंटे उपलब्ध रहने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने भद्राद्री कोठागुडेम के जिला कलेक्टर के साथ मनुगुरु की स्थिति पर भी चर्चा की और किसी भी जान-माल की क्षति को रोकने के लिए राहत उपायों के तत्काल कार्यान्वयन का निर्देश दिया। उन्होंने निर्बाध बिजली, पेयजल और परिवहन सेवाएं सुनिश्चित करने का आदेश दिया है। इस बीच महबूबाबाद जिले के इनुगुर्थी में 298 मिमी बारिश दर्ज की गई। सूर्यापेट जिले के चिलकुर में 297.8 मिमी बारिश हुई। महबूबाबाद, खम्मम और सूर्यापेट जिलों के कुछ इलाकों में 277 से 296 मिमी बारिश हुई। मौसम कार्यालय ने 11 जिलों - आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, महबूबाबाद, जनगांव, कामारेड्डी, महबूबनगर, नागरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटों में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा होने की संभावना है। मौसम कार्यालय ने 11 अन्य जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है।

असम के टीएमसी ...

को लागू ही नहीं किया गया।

पूर्व राज्यसभा सदस्य रिपुन बोरा ने अपने त्यागपत्र में कहा, असम टीएमसी में काफी संभावनाएं हैं, लेकिन विभिन्न मुद्दों ने हमारी प्रगति को बाधित किया है, जिसमें टीएमसी को पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी के रूप में देखा जाना भी शामिल है। इस धारणा का मुकाबला करने के लिए हमने कई सुझाव दिए हैं। बोरा ने कहा कि उन्होंने टीएमसी को राष्ट्रीय स्तर पर एक असमिया नेता की जरूरत है। साथ ही कोलकाता के टॉलीगंज में भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका के आवास को विरासत स्थल घोषित करने और कूचबिहार में मधुपुर को सांस्कृतिक केंद्र में बदलने का सुझाव दिया था।

असम के पूर्व मंत्री और राज्य कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रहे बोरा ने अभिषेक बनर्जी को लिखी चिट्ठी में कहा कि, पिछले डेढ़ साल में इन चिंताओं को दूर करने के लिए आपसे और पार्टी प्रमुख ममता दीदी से मिलने का समय लेने की कई बार कोशिश की, लेकिन मैं असफल रहा। उन्होंने कहा कि वे दो साल से अधिक समय से असम टीएमसी के राज्य अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं और इस अवधि के दौरान उन्होंने राज्य भर के लोगों के साथ व्यापक रूप से बातचीत की है। दुर्भाग्य से, ऊपर बताए गए मुद्दों की वजह से असम में कई लोग अभी भी टीएमसी को पश्चिम बंगाल की क्षेत्रीय पार्टी के रूप में देखते हैं। असम के लोग ऐसी पार्टी को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं जिसे वे दूसरे राज्य से मानते हैं। बोरा ने कहा, इन चुनौतियों और उचित समाधान की कमी के मद्देनजर, मैं कड़ा फैसला लेने के लिए बाध्य महसूस कर रहा हूं और मैंने खुद को टीएमसी से अलग करने का फैसला किया है।

खिलाड़ियों के...

टोक्यो पैरालंपिक में अवनि ने एक स्वर्ण और एक कांस्य समेत दो पदक जीते थे। स्वर्ण उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में जीता था और कांस्य उन्होंने महिलाओं की 50 मीटर राइफल की पी-3 एसएच-1 स्पर्धा में अपने नाम किया था। वह भारत की पहली महिला एथलीट बनी थीं, जिन्होंने एक पैरालंपिक में दो मेडल जीते थे। उनसे पहले जोगिंदर सिंह सोढ़ी इन खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। अवनि पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी भी हैं।

ग्वालियर के मोटे गणेशजी, अपने आकार व अर्जी से मनोकामना के लिए हैं प्रसिद्ध

प्रथम पूज्य श्रीगणेशजी की आराधना का 10 दिवसीय उत्सव भाद्रपद की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी से शुरु होगा। नगर के खासगी बाजार में मोटे गणेशजी व पिछले डेढ़ दशक से एमएलबी रोड पर स्थित अर्जी वाले गणेशजी की मान्यता बढ़ी है। गणेशजी के दोनों ही विग्रह 100 से 150 वर्ष प्राचीन है।मोटे गणेशजी अपने आाकार के लिए तो अर्जी वाले गणेश के साथ रिद्धि-सिद्धि के साथ अनूठी प्रतिमा के कारण श्रद्धा और विश्वास का केंद्र बने हुए हैं। अमूमन गणेशजी के हाथ में मोदक या लड्डू होते हैं। अर्जी वाले गणेशजी के हाथों में वेद, शस्त्र, कमल और माला है। बुधवार को दोनों मंदिरों को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है।चूकि ग्वालियर पर मराठी साम्राज्य रहा है, इसलिए इस क्षेत्र में श्रीगणेश की अधिक मान्यता है।

आकार के लिए प्रसिद्ध है मोटे गणेशजी

इंदौर में बड़े गणपति की तरह यहां भी मोटे गणेशजी की प्राचीन प्रतिमा महाराज बाड़े के नजदीक खासगी बाजार विराजित है।इस प्रतिमा को राजस्थान के मेबाड़ रियासत से स्थापित कराने के लिए लाया गया थी। इस मंदिर का जीणोद्धार तत्कालीन महाराज जीवाजी राव सिंधिया ने

कराया था।

इसलिए गणेशभक्त इन्हें मोटे गणेशजी के नाम से पुकारते हैं। यहां आने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि मोटे गणेशजी के दर्शन मात्र से सभी समस्याओं का समाधान हो जाता है। मोटे वाले गणेशजी के संबंध में एक और किदवंती प्रचलित है कि मोटे गणेशजी की प्रतिमा धरती से प्रकट हुई थी।

गणेशोत्सव के अलावा बुधवार को यहां श्रद्धालुओं की अधिक भीड़ होती है।श्रद्धालु दुर्वा के साथ लड्डू व मोदक अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

डेढ़ सौ साल प्राचीन हैं अर्जी वाले गणेशजी

एमएलबी रोड पर कांग्रेस कार्यालय के सामने विराजित अर्जी वाले श्रीगणेशजी की अदभूत प्रतिमा डेढ़ सौ साल पूर्व की बताई गई है। बप्पा की सूड़ में तीन अंटे लगे हैं। इन्हें अर्जी वाले गणेशजी कहते हैं।

इस मंदिर के प्रमुख ललित खंडेलवाल ने बताया कि मंदिर मांगने के लिए आने वाले श्रद्धालु नारियल के साथ एक पर्ची पर अपनी मन्नत लिखकर गणेशजी के श्रीचरणों में अर्पित करते हैं और मान्यता है कि यहां आने वाले श्रद्धालु की हर मन्नत पूरी करे के साथ श्रीजी सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु छप्पन भोग के साथ भंडारा भी कराते हैं।। श्रीजी यहां कांच के शीश महल जैसे भव्य मंदिर में विराजमान हैं।प्रति बुधवार को यहां भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही अर्जी वाले गणेशजी को मोदक व बुंदी के लड्डू सबसे प्रिय हैं। बुधवार को सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाता है। मंदिर परिसर में राधा-कृष्ण भी विराजित हैं।

ओम पर्वत से गायब हुआ 'ॐ'

जानें इस छोटा कैलाश कहलाने वाले पर्वत की कहानी

हिंदू धर्म से जुड़े कई ऐसे पवित्र स्थल हैं, जो चमत्कारिक हैं। जैसे अमरनाथ की गुफा और ओम पर्वत। हर साल अमरनाथ में बर्फ से अपने आप तय जगह पर बर्फ से शिवलिंग बनता है, जिसके दर्शन करने के लिए लाखों भक्त कई किलोमीटर लंबा दुर्गम रास्ता तय करके पहुंचते हैं। इसी तरह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में ओम पर्वत है। इस पर्वत पर हर साल बर्फ से 'ऊं' की आकृति बनती है। ओम पर्वत चीन सीमा से लगते लिपुलेख दर्रे के पास है। इस आकृति के कारण ही यह पर्वत ओम पर्वत नाम से मशहूर है।

पहली बार ऐसा हुआ है कि ओम पर्वत बर्फ से बनने वाली 'ॐ' की आकृति गायब हो गई है। खबरों के मुताबिक ओम पर्वत पर इस साल ऊं की आकृति नहीं बनी है। वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग तो इसकी बड़ी वजह है ही, साथ में यहां पर पर्यटन काफी बढ़ रहा है। टूरिज्म बढ़ने के कारण सड़कें बनाई जा रही हैं, टूरिस्ट्स की सुविधा के लिए कई स्ट्रक्चर्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हिमालय रीजन के वातावरण पर बुरा असर पड़ रहा है।

ओम पर्वत पिथौरागढ़ जिले से 170 किलोमीटर दूर नाभीढांग में स्थित है। नास्तिकों को भी यह चमत्कार आश्चर्य में डालता है कि कैसे हर साल इस पर्वत पर बर्फ से ओम की आकृति बन जाती है। यह जगह शिवशक्ति के आशीर्वाद की गवाह है। कहा जाता है इस पर्वत पर कोई भी भगवान शिव की उपस्थिती और आशिर्वाद महसूस कर सकता है। ओम पर्वत के धार्मिक और पौराणिक महत्व का उल्लेख महाभारत, रामायण एवं वृहत पुराण, जैसे ग्रंथों में मिलता है।

स्कंद पुराण के मानस खंड में आदि कैलाश एवं ऊं पर्वत की यात्रा को कैलाश मानसरोवर यात्रा जितना ही महत्व दिया गया है। इसलिए इसे छोटा कैलाश भी कहा जाता है। हिमालय में ओम पर्वत को विशेष स्थान माना जाता है।

बता दें कि इस पर्वत की ऊंचाई समुद्र तल से 6,191 मीटर यानी 20,312 फीट की ऊंचाई पर है। खास बात ये है कि जब इस पर्वत पर सूर्य की पहली किरण पड़ती है तो ओम शब्द आपको अलग ही चमकता हुआ नजर आएगा। जो देखने में बहुत अद्भुत लगता है।

अद्भुत है नैनीताल का नंदा देवी महोत्सव

यहां मां की मूर्तियों का केले के पेड़ से होता है निर्माण, जानें परंपरा

उत्तराखंड के नैनीताल में 8 सितंबर से नंदा देवी महोत्सव की शुरुआत होने जा रही है। इस भव्य महोत्सव का आयोजन नैनीताल की सबसे पुरानी संस्था श्री राम सेवक सभा द्वारा विगत कई सालों से निरंतर किया जा रहा है। इस दौरान नैनीताल स्थित नयना देवी मंदिर में कुमाऊं की अधिष्ठात्री देवी मां नंदा सुनंदा की मूर्ति तैयार की जाती है।

ऐसे में नंदाष्टमी के दिन मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा कर भक्तों के दर्शन के लिए खोली जाती है। क्या आपको पता है कि नंदा सुनंदा की मूर्तियों का निर्माण खास कदली के पेड़ से किया जाता है। जिसे महोत्सव के शुरुआत में ही नैनीताल के निकटवर्ती जगह से लाया जाता है। जहां पूरे शहर में शोभा यात्रा निकालकर अंत में नयना देवी मंदिर प्रांगण में भक्तों के दर्शन के लिए रखा जाता है।

उस शाम ही इस पेड़ से मां की सुंदर मूर्ति पारंपरिक लोक कलाकारों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यताओं के अनुसार कदली यानी केले के पेड़ में मां नंदा सुनंदा का वास है। इसके साथ ही केले का पेड़ बेहद पवित्र होता है। यही वजह है की मूर्ति निर्माण में केले के पेड़ का प्रयोग किया जाता है।

नंदा देवी महोत्सव कुमाऊं की संस्कृति से जुड़ा हुआ है। जहां मां नंदा सुनंद कुमाऊं के चंद राजवंश से जुड़ी हुई हैं।

पुराणों में वर्णित कथाओं के अनुसार मां नंदा सुनंदा के पीछे जब भैसा पड़ गया था तो उनकी रक्षा केले के पेड़ ने की थी। तबसे ही केले का पेड़ मां नंदा सुनंद से जुड़ा हुआ है। केले का पेड़ बेहद शुद्ध होता है। जिस वजह से ही मां की मूर्तियों का निर्माण केले से किया जाता है। वहीं, तकनीकी आधार पर केले में नौ प्रकार की देवियों का स्वरूप भी माना जाता है।

नंदा देवी महोत्सव का आधार केला है। जिस गांव से केले का पेड़ लाया जाता है। वहां से केले के पेड़ के चयन की प्रक्रिया भी बेहद खास है। इसके लिए स्वच्छ पर्यावरण में केले के पेड़ का होना जरूरी है। साथ ही जिस पेड़ को लाया जाता है।

उसमें केले के फल नहीं लगे होने चाहिए और उसकी पत्तियां भी कटी फटी न हो। इसके बाद विधि विधान से कदली के वृक्ष का चयन किया जाता है। इस साल नैनीताल के निकटवर्ती थापला गांव के रोखड़ ग्रामसभा से केले का पेड़ लाया जाएगा।

मां नंदा देवी महोत्सव के उद्घाटन के दिन ही एक दल केले का पेड़ लेने जाता है। जबकि दूसरे दिन केले के पेड़ को नगर में लाया जाता है। पूरे शहर में केले के पेड़ की शोभा यात्रा निकाली जाती है। मान्यता है कि मां नंदा सुनंदा केले के रूप में आती हैं। जिसके बाद केले के पेड़ की प्राण प्रतिष्ठा कर इस दिन रात्रि से ही मूर्ति निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाती है। सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मां नंदा सुनंदा की मूर्ति को दर्शन के लिए मंदिर प्रांगण में स्थापित किया जाता है।

महिलाओं का श्मशान घाट जाना क्यों है वर्जित, जानें क्या कहता है गरुड़ पुराण

सनातन धर्म में कुल 16 संस्कार बताए गए हैं, जिसमें 16वां संस्कार अंतिम संस्कार माना जाता है। हिंदू धर्म में व्यक्ति की मृत्यु के बाद कई परंपरा निभाई की जाती है। मृत्यु के बाद व्यक्ति का अंतिम संस्कार श्मशान घाट में किया जाता है, लेकिन हिंदू धर्म में श्मशान घाट में महिलाओं का जाना वर्जित है। क्या आपको पता है कि आखिर किस कारण से महिलाएं श्मशान घाट में नहीं जाती हैं। अगर नहीं पता, तो आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तारपूर्वक।

ये है वजह

किसी की मृत्यु हो जाने के बाद घर में शोक का माहौल होता है। मृतक को जब श्मशान घाट ले जाया जाता है, तो वह समय बहुत ही पीड़ादायक माना जाता है। इसलिए महिलाओं का श्मशान घाट जाना वर्जित है। क्योंकि महिलाओं को अधिक संवेदनशील माना जाता है।

गरुड़ पुराण के अनुसार, श्मशान घाट में बुरी आत्माओं का वास माना जाता है। मृत्यु के दौरान शोक में डूबी महिलाएं अपने मन

पर काबू नहीं रख पाती हैं। इसलिए महिलाओं का श्मशान घाट जाना वर्जित है।

व्यक्ति की मृत्यु के बाद घर और परिवार में शोक का माहौल होता है। गरुड़ पुराण के अनुसार, शव को ले जाने के बाद उस इंसान की आत्मा कुछ दिनों तक घर में ही वास करती हैं। इसलिए घर को अकेला नहीं छोड़ा जाता है। इसी वजह से महिलाएं घर पर ही रहती हैं।

हिंदू धर्म में जो लोग अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट जाते हैं, तो मृतक के परिवार के लोग मुंडन करवाते हैं, लेकिन मुंडन औरतों और लड़कियों का कराना अशुभ माना जाता है। यह भी एक खास वजह है कि महिलाओं के श्मशान घाट न जाने की।

गरुड़ पुराण के अनुसार, अगर कोई महिला श्मशान घाट जाती हैं, तो उस पर बुरी शक्तियों का असर पड़ता है।

सोमवार को पूजा के समय करें ये 5 आसान उपाय, आर्थिक तंगी होगी दूर

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को बेहद प्रिय है। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव संग मां पार्वती की विशेष पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त सोमवार का व्रत रखा जाता है। सनातन शास्त्रों में निहित है कि चातुर्मास के दौरान सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। अतः सावन से लेकर कार्तिक महीने तक भगवान

शिव की विशेष पूजा करते हैं। भगवान शिव की पूजा करने से साधक की हर मनोकामना पूरी होती है। ज्योतिष शास्त्र में सोमवार के दिन विशेष उपाय करने का विधान है। इन उपायों को करने से जीवन में व्याप्त सभी प्रकार के दुख एवं संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है। आइए, उपाय जानते हैं।

सोमवार के उपाय

सोमवार का दिन देवों के देव महादेव को समर्पित होता है। इस दिन साधक भगवान शिव संग मां पार्वती की पूजा करते हैं। साथ ही उनके निमित्त सोमवार का व्रत रखते हैं। देवों के देव महादेव को भोलेनाथ भी कहा जाता है। भगवान शिव महज जलाभिषेक से प्रसन्न हो जाते हैं। अतः सोमवार के दिन पूजा के समय गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक करें।

अगर आप मनचाहा वर पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन विधि-विधान से भगवान शिव की पूजा करें। इस समय भगवान शिव को सफेद चंदन, बेलपत्र, काले तिल, भांग, धतूरा जरूर अर्पित करें। इन चीजों को अर्पित करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं।

अगर आप अपने जीवन में व्याप्त दुख एवं संकट से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन पूजा के समय शिव रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। इस स्तोत्र के पाठ से सभी संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

अगर आप शारीरिक एवं मानसिक कष्टों से निजात पाना चाहते हैं, तो सोमवार के दिन पूजा के समय गंगालाज में काले तिल मिलाकर भगवान शिव का अभिषेक करें। इस समय महामृत्युंजय मंत्र का एक माला जप करें।

धन संबंधी परेशानी से निजात पाने के लिए सोमवार के दिन गन्ने के रस से देवों के देव महादेव का अभिषेक करें। इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर होती है। साथ ही सुख और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

होगा धन लाभ, मिलेगी बड़ी खुशखबरी

जानें कैसा बीतेगा 02 सितंबर का दिन

सितंबर का महीना शुरू हो चुका है। यह महीना कई जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। इस महीने कई जातकों पर एंजल की कृपा बरसेगी। आइए, अंक ज्योतिष और टैरो विशेषज्ञ पल्लवी एके शर्मा से जानते हैं कि 02 सितंबर का दिन कैसा रहने वाला है और आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना है ?

02 मूलांक –अंक ज्योतिष और टैरो कार्ड रीडर पल्लवी एके शर्मा की मानें तो 02 मूलांक के स्वामी चंद्र देव हैं। इसका अभिप्राय यह है कि 02, 11 और 20 तारीख के दिन जन्म लेने वाले जातकों का मूलांक 02 होता है। मन के कारक चंद्र देव कर्क राशि के स्वामी होते हैं। वहीं, वृषभ राशि में चंद्र देव उच्च के होते हैं। वर्तमान समय में चंद्र देव सिंह राशि में विराजमान हैं। चंद्र देव की कृपा से कर्क और तुला राशि के जातकों को अगले दो दिनों तक सर्वाधिक लाभ प्राप्त होगा।

एंजल सलाह–एंजल की सलाह है कि अपनी अंतरात्मा को सुनें। ईश्वर मार्ग दर्शन पर ध्यान दें और परम पिता परमेश्वर पर यकीन करें। कार्यों को पूरा करने के लिए प्लानिंग करें। इसके लिए टीम के साथ चर्चा करें। साथ ही उन्हें प्रेरित करें। अपनी क्रिएटिविटी का सही उपयोग करें। अपने माता-पिता की सेवा करें। उनकी देखभाल करें, उन्हें मान-सम्मान दें। प्यार और स्नेह देने के लिए माता-पिता का आभार व्यक्त करें। अपने पार्टनर के मनोभाव को समझने की कोशिश करें। निजी और प्रोफेशनल लाइफ में सामंजस्य बिठाएं। कुंडली में सूर्य और चंद्र को मजबूत करें। नकारात्मक विचारों से दूर रहें। असफलता से निराश नहीं होना है, बल्कि सफल होने के लिए प्रयास करना है। दुविधा में न रहें।

क्या करें – आज के दिन 02 मूलांक के जातक बिना रुकें कुछ देर तक यह जरूर दोहराएं। मेरे जीवन में व्याप्त सभी चीजों के लिए मैं परम पिता परमेश्वर का शुक्रगुजार हूं।

मंत्र जप करें– ॐ नमः शिवाय मंत्र का जप करें।
ॐ गं गणपतये नमः मंत्र का जप करें।
गायत्री मंत्र का पाठ सुबह में करें।
ॐ हुं हनुमते नमः मंत्र का जप करें।
मुझ पर परम पिता परमेश्वर की कृपा बरसेगी।

बाणों की शैय्या पर दर्द से जूझ रहे थे भीष्म पितामह

फिर आखिर क्यों 58 दिन तक जीवित रहे

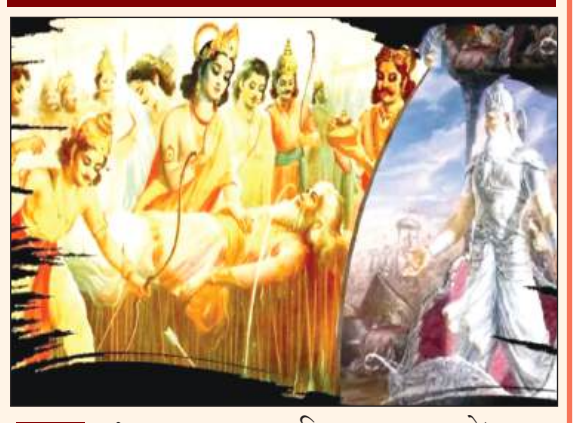

महाभारत का युद्ध दुनिया का सबसे भीषण और खतरनाक युद्ध था। इसमें भाई-भाई से सत्ता के लिए भिड़ गए थे। खुद भगवान कृष्ण तक इस युद्ध से अपने आपको दूर नहीं रखा पाए थे। भीष्म पितामह महाभारत की ताकतवर शख्सियत थे। वह भले ही उम्र में बड़े थे, लेकिन उनमें शक्ति अपार थी। वह एक महान योद्धा थे। भीष्म पितामह को इच्छा मृत्यु का वरदान मिला था, जिससे वह 58 दिन तक बाणों की शय्या पर लेटे रहे थे। आखिर क्या कारण था कि उन्होंने तुरंत प्राण नहीं त्यागे थे।

युद्ध में निभाई जरूरी भूमिका

भीष्ण पितामह बहुत ही धार्मिक थे। वह हमेशा धर्म की तरफ ही रहे, लेकिन कर्तव्यों से बंधे होने की वजह से युद्ध में कौरवों का साथ देना पड़ा। वह एक शक्तिशाली योद्धा थे, इसलिए उनके रहते पांडवों का जीतना बहुत ही मुश्किल था। ऐसे में अर्जुन ने उन पर इतने बाणों के तीर छोड़े कि वह उठ ना सके। वह बुरी तरह घायल हो गए, लेकिन उन्होंने 58 दिन बात प्राण त्यागे।

इसका पहला कारण

भीष्ण पितामह बहुत ही धार्मिक थे। वह सूर्य उत्तरायण में ही अपने प्राणों को त्यागना चाहते थे। हिंदू धर्म में मान्यता है कि किसी व्यक्ति के अगर प्राण सूर्य उत्तरायण में निकलते हैं, तो उसकी आत्मा को मोक्ष मिलता है। उसको फिर से धरती पर जन्म नहीं लेना पड़ता है। भीष्म पितामह जब अर्जुन के तीरों से घायल थे, तब सूर्य दक्षिणायन था। उन्होंने प्राणों को त्यागने के लिए 58 दिन इंतजार किया। उसके बाद सूर्य उत्तरायण होने पर प्राणों को त्याग दिया।

इसका दूसरा कारण

भीष्म पितामह के 58 दिन बाद प्राण त्यागने का दूसरा कारण था कि वह हस्तिनापुर को सही हाथों में देखना चाहते थे। वह युद्ध के परिणामों को लेकर बहुत ही चिंतित थे।

उनको लगता था कि कौरव जीत गए, तो हस्तिनापुर बर्बाद हो जाएगा। ऐसे में उन्होंने पांडवों को धर्म और नीति का ज्ञान दिया, जिससे वह राज्य की जिम्मेदारी का सही निर्वहन कर पाएं।

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के प्रीक्वल का हिस्सा होंगे ऋतिक रोशन?

शोरनर पायने के बयान ने बढ़ाई हलचल

द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 को लेकर काफी चर्चा हो रही है। इसी बीच जिस बात ने प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया वह है बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन के इसमें शामिल होने की संभावना। जी हां, हाल ही में शोरनर जे. डी. पायने ने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के भविष्य के सीजन में कलाकारों की सूची में शामिल होने की संभावना का संकेत दिया। जे.डी के बयान ने प्रशंसकों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है। पायने ने अभिनेता मेगन रिचर्ड्स और मार्केला कावेनघ के साथ सीरीज में ऋतिक रोशन की संभावित भागीदारी पर चर्चा की। पायने ने बताया, पिछली बार जब मैं मुंबई में था, तो हमारी मुलाकात ऋतिक रोशन से हुई थी। वह अद्भुत थे। अगर सही भूमिका मिलती है तो दरवाजे खुले रहेंगे, अवसर मौजूद हैं। इस बयान ने उन प्रशंसकों के बीच उत्साह बढ़ा दिया है जो ग्रीक गॉड को फैंटेसी सीरीज में देखने के लिए उत्सुक हैं।जब द रिंग्स ऑफ पावर के आने वाले सीजन में अन्य भारतीय अभिनेताओं को शामिल करने के बारे में सवाल किया गया, तो पायने ने खुलासा किया कि शो में मेरिमैक की भूमिका निभाने वाले गैवी सिंह चेरा कलाकारों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, हमने वास्तव में सीजन 2 में भारतीय अभिनेताओं को कास्ट किया...गैवी सिंह चेरा, वह बिल्कुल अद्भुत है। वह कुछ एपिसोड में हैं।

यह बहुत अच्छा होगा।द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर सीजन 2 का प्रीमियर 29 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ। आठ-एपिसोड की सीरीज हर गुरुवार को अलग-अलग भागों में जारी की जाएगी। इसके पहले तीन एपिसोड गुरुवार को स्ट्रीम होंगे, इसके बाद 5, 12, 19 और 26 सितंबर को अगले एपिसोड होंगे और सीजन का समापन 3 अक्तूबर को होगा। यह सीरीज जे. आर. आर. टॉल्किन के मिडल-अर्थ के इतिहास और लोकप्रिय उपन्यास द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स से प्रेरित है।

इंडो-वेस्टर्न आउटफिट पहन सान्या मल्होत्रा ने शेयर किया ग्लैमरस लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने फिल्म दंगल से लोगों के बीच सुर्खियां बटौरी थीं।

इस फिल्म में लोगों ने उनकी एक्टिंग की काफी तारीफ भी की थी। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच पोस्ट की हैं।इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं, साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टनिंग तस्वीरें क्लिक करवाई हैं। एक्ट्रेस का ये लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही छा गया है।एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान गोल्डन कलर का बेहद ही सेक्सी इंडो- वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रहे हैं। बालों को बांधकर और कानों में इयररिंग्स पहनकर एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उन्होंने अपने कातिलाना अंदाज से एक बार फिर से फैंस के दिलों पर खंजर चला दिए हैं।सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। बता दें कि वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती है।

मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है: कृतिका कामरा

बॉलीवुड में नेपोटिज्म को लेकर अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा कि यह कभी न खत्म होने वाली बहस है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसकी बहस में पडऩा सही नहीं है, क्योंकि आखिरी में दर्शक ही होते हैं जो एक कलाकार की किस्मत का फैसला करते हैं।अभिनेत्री कृतिका कामरा ने कहा, मैंने हमेशा अपने काम पर विश्वास किया है। मैं किसी कनेक्शन या पारिवारिक संबंधों के कारण यहां नहीं पहुंची। मुझे जो भी अवसर मिले हैं, वे वर्षों की कड़ी मेहनत और मेरी दृढ़ता का परिणाम हैं।उन्होंने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि नेपोटिज्म की बहस में फंसना सही है ,क्योंकि अंत में दर्शक ही होते हैं जो आपकी किस्मत का फैसला करते हैं। मैं उन सभी भूमिकाओं के लिए आभारी हूं जो मुझे मिली हैं, और यह इस बात का प्रमाण है कि आप इस उद्योग में एक बाहरी व्यक्ति के रूप में भी सफल हो सकते हैं।अभिनेत्री को हाल ही में थ्रिलर सीरीज ग्यारह ग्यारह में देखा गया था। यह सीरीज कोरियाई शो सिग्नल का रूपांतरण है। इस शो में राघव जुयाल, धैर्य करवा और आकाश दीक्षित भी हैं।वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की मटका किंग में दिखाई देंगी।मटका किंग मुंबई में शुरू हुए मटका जुए की जटिल दुनिया को दिखाता है।सीरीज में विजय वर्मा मटका किंग की मुख्य भूमिका में हैं।कृतिका ने कितनी मोहब्बत है शो में आरोही शर्मा की भूमिका निभाकर सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्हें कुछ तो लोग कहेंगे, रिपोर्टर्स और प्रेम या पहेली - चंद्रकांता जैसे शो में देखा गया।अभिनेत्री ने डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा 7 में भी भाग लिया है और तांडव और बंबई मेरी जान जैसी सीरीज में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।35 वर्षीय अभिनेत्री ने 2018 में रिलीज हुई मित्रों से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वो प्रतीक गांधी के साथ फॉर योर आईज ओनली में भी नजर आएंगी।

पुष्पा 2 की रिलीज से पहले मालामाल हुए मेकर्स इस ओटीटी से इतने करोड़ में हुई डील!

साउथ सिनेमा के स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा' साल 2021 में रिलीज हुई थी और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन किया था। ये फिल्म लोगों को इतना पसंद आई कि इसके दूसरे पार्ट फिल्म 'पुष्पा 2' का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। फिल्म 'पुष्पा 2' पहले 15 अगस्त को रिलीज होने वाली थी लेकिन इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ने से फैंस निराश हो गए। अब अल्लू अर्जुन की ये फिल्म 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। इसी बीच फिल्म 'पुष्पा 2' को लेकर जो खबर आई है कि वो फैंस को पक्का खुश करने वाली है। दरअसल, इस फिल्म के ओटीटी राइट्स बिक गए हैं और रिलीज से पहले ही बंपर कमाई कर ली है।

अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' पहले सिनेमाघरों में फिर ओटीटी पर एंटरटेनकरेगी। बताया जा रहा है कि फिल्म के ओटीटी राइट्स बिक चुके हैं। मेकर्स ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स के साथ डील की है। 'आकाशवाणी' के मुताबिक, नेटफ्लिक्स ने अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' के ओटीटी राइट्स 270 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। इस तरह से मेकर्स ने फिल्म का आधा बजट कवर कर लिया है। बताया जाता है कि इस फिल्म को 500 करोड़ रुपये में बनाया गया है। फिल्मों के ओटीटी राइट्स डील की बात करें तो फिल्म 'पुष्पा 2' चौथी सबसे महंगी भारतीय फिल्म बन गई है। फिल्म 'केजीएफ' पहले नंबर पर, 'आरआरआर' दूसरे नंबर पर और 'कल्कि 2898 एडी' तीसरे नंबर पर है।

पॉपुलर डायरेक्टर सुकुमार के डायरेक्शन में बनने वाली अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा 2' बॉक्स ऑफिस पर विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' भिड़ने वाली है। विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' भी 6 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज वाली है। फिलहाल, अल्लू अर्जुन और विक्की कौशल के तमाम चाहने वाले फैंस दोनों की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

कश्मीर में शुरू अल्फा की शूटिंग

सामने आई आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की पहली तस्वीर

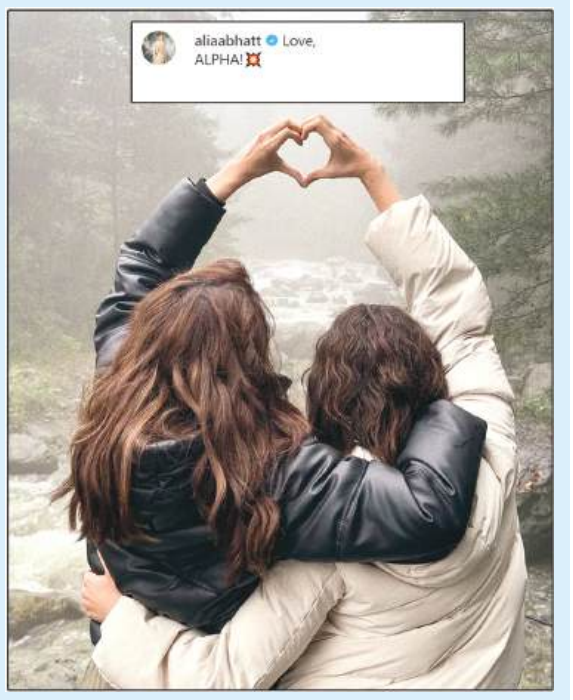

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ ने यशराज स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म अल्फा की शूटिंग का दूसरा शेड्यूल कश्मीर की ठंडी वादियों में हो रहा है। फिल्म अल्फा का कश्मीर में 10 दिनों का शूटिंग शेड्यूल है। यहां, हाल ही में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पहुंची थी। अब कश्मीर की वादियों के बीच फिल्म अल्फा की शूटिंग के दौरान इन दोनों हसीनाओं की एक तस्वीर सामने आई है। इसमें दोनों ही एक्ट्रेस के बीच का प्यार देखने को मिल रहा है।शरवरी वाघ ने कश्मीर की वादी से यह तस्वीर शेयर की है।

इस तस्वीर में आलिया और शरवरी एक-दूजे के ऊपर हाथ डाले हाथ से हार्ट शेप बनाकर खड़े हुए हैं और सामने खूबसूरत झरने का नजारा दिख रहा है। शरवरी काली जैकेट में तो वहीं, आलिया को ग्रे जैकेट में देखा जा रहा है। इस तस्वीर को शेयर कर आलिया और शरवरी ने लिखा है, प्यार।।अल्फा। आलिया और शरवरी की तस्वीर पर कई फैंस और सेलेब्स जमकर प्यार लुटा रहे हैं। विक्की कौशल ने भी इस तस्वीर को लाइक किया है। इस तस्वीर पर 13 लाख से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, ऑस्कर विनिंग फिल्म की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा ने भी इस तस्वीर पर फायर इमोजी छोड़े हैं। आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने इस तस्वीर पर हैंड्स क्लेप, फायर और हार्ट इमोजी शेयर किया है।बता दें, यशराज बैनर तले बन रही फिल्म अल्फा को शिव रवैल डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में ऋतिक रोशन का भी रोल बताया जा रहा है, लेकिन मेकर्स ने स्टार कास्ट में अभी आलिया भट्ट और शरवरी वाघ पर ही मुहर लगाई है। फिल्म अगले साल रिलीज होने जा रही है। यह पहली बार जब यशराज बैनर फीमेल लीड एक्शन फिल्म बनाने जा रहा है।

टीवी की मधुबाला का धूमधाम से सेलिब्रेट हुआ बेबी शॉवर, मां बनने के लिए बेकरार दिखीं दृष्टि धामी

टीवी एक्ट्रेस दृष्टि धामी जल्द ही मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने कुछ दिनों पहले ही इस बात की घोषणा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए की थी। दृष्टि ने बताया था कि उनके घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। अब हाल ही में दृष्टि धामी के लिए बेबी शॉवर रखा गया, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के कई बड़े सितारे शामिल हुए। दृष्टि धामी के बेबी शॉवर से अब तस्वीरें सामने आ रही हैं। इन फोटोज में मॉम टू बी दृष्टि धामी अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ जमकर एंजॉय कर रही हैं।एक्ट्रेस दृष्टि धामी ब्लू कलर का आउटफिट पहनें नजर आ रही हैं। इन फोटोज में दृष्टि बेबी शॉवर पर केक काटती नजर आ रही हैं। दृष्टि के साथ एक्ट्रेस सुनैना फौजदार नजर आ रही हैं। फोटोज में सुनैना दृष्टि के बेबी बंप पर हाथ रखकर पोज देती नजर आ रही हैं।दृष्टि धामी पति नीरज खेमका को गले लगाती नजर आ रही हैं। फोटो में दृष्टि और नीरज पैरेंट्स बनने के लिए बहुत एक्साइटेड दिखाई दे रहे हैं।एक्ट्रेस दृष्टि धामी केक खाती नजर आ रही हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि मॉम टू बी दृष्टि बड़े ही स्वाद से केक खा रही हैं।एक्ट्रेस दृष्टि धामी के बेबी शॉवर में नकुल मेहता भी शामिल हुए।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास। खुद को एकाग्र करने की कोशिश करें इससे सारे काम अच्छी तरह हो पाएंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपके माता पिता आपकी फिजूलखर्ची को देखकर आज चिंतित हो सकते हैं और इसलिए आपको उनके गुस्से का शिकार भी होना पड़ सकता है। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं। किताब पढ़कर आप अपनी विचारधारा को और सशक्त कर सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी आज बिगड़ती सकती है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन आप व आपके जीवनसाथी के बीच का बंधन बहुत मज़बूत है और इसे तोड़ना आसान नहीं है। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

बैंक से जुड़े लेन-देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। रिश्तेदारों स अचानक तोहफ़ा मिल सकता है, लेकिन पूरी संभावना है कि ये इसके बदले में आपसे कुछ चाहते हों। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आज आपको रिश्तों की अहमियत का अंदाज हो सकता है क्योंकि आज के दिन का ज्यादातर समय आप अपने परिवार के लोगों के साथ बिताएंगे। अगर आप अपने जीवनसाथी की छोटी-छोटी बातों को नज़रअन्दाज़ करेंगे, तो उन्हें बुरा लग सकता है। इस समाहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहते हैं, लेकिन अगर आप काम टालते रहेंगे तो ख़ुद पर ही खीझ पैदा होने लगेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

सेहत को लेकर ज़्यादा देखभाल की ज़रूरत है। आपको कमीशन, लाभांश या रोयल्टी के ज़रिए फ़ायदा होगा। नाती-पोतों से आज काफ़ी ख़ुशी मिल सकती है। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं-न-कहीं से शुरुआत करनी होगी- इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें। यह समय जीवन में आपको वैवाहिक जीवन का भरपूर आनन्द देगा। अगर आज कुछ ज़्यादा करने को नहीं है तो किसी लाइब्रेरी में समय बिताना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक़ पूरे करने या उन कार्यों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज़्यादा मज़ा आता है। अगर सफ़र कर रहे हैं तो अपने कीमती सामान का विशेष ध्यान रखें अगर आप ऐसा नहीं करते तो सामान के चोरी होने की संभावना है। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी। आपके दिन की शुरुआत शानदार रहेगी और इसलिए आज पूरे दिन आप ऊर्जावान महसूस करेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका गर्मजोशी भरा वर्ताव घर का माहौल ख़ुशनुमा कर देगा। अपने प्रिय की गैरमौजूदगी में आप ख़ुद को बिल्कुल खाली महसूस करेंगे। वह काम जो आज आप दूसरों के लिए स्वेच्छा से करेंगे, न सिर्फ़ औरों के लिए मददगार साबित होगा बल्कि आपके दिल में ख़ुद की छवि भी सकारात्मक होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है। ऑफिस के दोस्तों के साथ ज़्यादा समय बिताना आपके लिए अच्छा नहीं है ऐसा करके आप अपने घर वालों के गुस्से का शिकार हो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बीमारी आपकी उदासी की वजह हो सकती है। आपको परिवार में फिर से ख़ुशी का माहौल बनाने के लिए जल्द-से-जल्द इससे बाहर आने की ज़रूरत है। जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा। रिश्तेदारों को लेकर जीवनसाथी के साथ नोंकझोंक हो सकती है। आज आपका व्यक्तित्व लोगों को निराश कर सकता है इसलिए आपको अपने व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव करने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। मेहमानों के साथ का आनंद लेने के लिए बढ़िया दिन है। अपने रिश्तेदारों के साथ कुछ ख़ास करने की योजना बनाएँ। इसके लिए वे आपकी तारीफ़ करेंगे। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे। परिवार के साथ शॉपिंग पर जाना संभव लग रहा है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। कोई ऐसा जिसके साथ आप रहते हैं, आपके लापरवाह और अनिश्चित वर्ताव की वजह से चिढ़ सकता है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए यही सही वक़्त भी है। आगे चलकर यह निर्णय काफ़ी लाभदायक साबित होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। अगर आप जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालेंगे और ग़ैर-ज़रूरी काम करेंगे, तो आज का दिन काफ़ी निराशाजनक हो सकता है। लंबे समय के बाद आप भरपूर नींद का मज़ा ले पाएंगे। इसके बात आप बहुत शान्त और तरोताज़ा महसूस करेंगे।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू काम-काज निपटाने में बच्चे मदद करेंगे। खाली वक़्त में उन्हें ऐसे काम करने के लिए उत्साहित करें। आपके प्रिय की तबीयत ख़राब हो सकती हैं। आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता प्रभावशाली साबित होगी। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें। यात्रा पर किसी हसीन अजनबी से मुलाकात आपको अच्छे अनुभव करा सकती है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 02 सितंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या अहोरात्र
नक्षत्र : मघा रात्रि 12:21 तक
योग : शिव सायं 06:19 तक
करण : चतुष्पाद सायं 06:21 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:28 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:19 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- पितृ कार्य सोमवती अमावस्या, गण्डमूल रात्रि 12:21 तक , कुशोत्पाटिनी अमावस्य

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चुनाव की तारीख बढ़ाने पर कांग्रेस भाजपा में शुरू हुई जुबानी जंग

- **कांग्रेस सांसद बोले- भाजपा के लिए काम कर रहा आयोग**
- **यह भाजपा की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है : विज**

चंडीगढ़, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीख 1 अक्टूबर से बढ़ाकर 5 अक्टूबर करने के चुनाव आयोग के फैसले ने सियासी हलचल को तेज कर दिया है। इस निर्णय पर कांग्रेस और भाजपा के बीच जमकर बयानबाजी हो रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने चुनाव आयोग के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा ने तदर्थवाद के तहत सरकार चलाई है और अब उसी तदर्थवाद के तहत चुनाव की तारीखें तय की हैं। तिथियों में बदलाव से प्रशासन, मतदाता, और समय सारिणी प्रभावित हुई है, लेकिन इससे कांग्रेस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह भाजपा की विफलता का संकेत है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि लगातार हार का सामना कर रहे उम्मीदवारों को बदलने की बात पर भी विचार किया जाएगा।

कांग्रेस नेता अजय माकन ने इस मुद्दे पर कहा कि हम पूरी तरह तैयार हैं। अगर चुनाव कल भी होते हैं तो हम तैयार हैं। भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते चुनाव को टालने की कोशिश कर रही है, लेकिन हमें कोई फर्क नहीं पड़ता, हम आराम से जीतेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी उन्हीं उम्मीदवारों को टिकट दे रही है, जिनकी जीतने की क्षमता है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भी अब भाजपा के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि तारीखों में बदलाव भाजपा की हार के डर को दर्शाता है। हरियाणा में भाजपा की अलोकप्रिय सरकार का हर निर्वाचन क्षेत्र में भारी अंतर से पराजित होना तय है।

इस बीच, भाजपा नेता अनिल विज ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह भाजपा की लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। चुनाव की तिथियों में संशोधन लोगों के हित में किया गया है। यदि कांग्रेस को यह प्रक्रिया पसंद नहीं है, तो वे घर पर बैठ सकते हैं। जिन्हें यह प्रक्रिया पसंद है, उन्हें मतदान करने दिया जाए। वहीं, हरियाणा कांग्रेस प्रमुख उदयभान और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा हरियाणा स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक के लिए हिमाचल भवन पहुंचे।

स्वतंत्रता आंदोलन में घुमंतू जातियों का योगदान अतुलनीय: दिलावर

उदयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की स्वतंत्रता के लिए हुए आंदोलन में घुमंतू जातियों का योगदान अतुलनीय है। घुमंतू जातियां देश की धरोहर हैं, इन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की आवश्यकता है।

यह बात पंचायतीराज एवं शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने रविवार को उदयपुर दौरे पर पंचायत समिति गिर्वा सभागार में घुमंतू जाति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित संवाद कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि पूर्व में गाड़िया लौहारों समेत अन्य घुमंतू जातियों के लोगों के नाम मतदाता सूचियों में नहीं होने के कारण इन्हें देश का नागरिक नहीं माना जाता था तथा किसी भी सरकार ने इस दिशा में कोई प्रयास नहीं किया। मैंने हमारी

सरकार के समय चुनाव आयोग से अपील कर राजस्थान के लगभग 10 हजार से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूचियों में जुड़वाए। सौभाग्य से इस बार पंचायती राज विभाग मेरे पास है। मैं इन जातियों की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।

श्री दिलावर ने कहा कि घुमंतू जातियों को अल्पसंख्यकों के लिए अपनाई जाने वाले प्रक्रिया की तर्ज पर कार्यवाही करते हुए पट्टे वितरित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। आगामी दो अक्टूबर को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के माध्यम से पट्टे वितरित किये जाएंगे। हमारा प्रयास है कि पट्टे वितरण के बाद सभी को प्रधानमंत्री आवास योजना का भी लाभ मिले। उन्होंने कहा कि प्रमाण पत्र बनाने की जिम्मेदारी ग्राम विकास अधिकारियों एवं बीडीओ की है इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरती जाए।

लूट की फर्जी वारदात बताकर रुपए हड़पने के आरोप में मुनीम गिरफ्तार

भीलवाड़ा, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ थाना क्षेत्र में एक व्यापारी के मुनीम के साथ लूट की वारदात जांच में झूठी पाये जाने पर पुलिस ने मुनीम और उसके साथी को गिरफ्तार करके चार लाख 33 हजार 500 रुपए बरामद किए हैं।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि को बरुंदनी निवासी व्यापारी अंकित कुमार सोमाणी ने थाने में शिकायत की कि 31 अगस्त को उसने अपने मुनीम विनोद कुमार को मांडलगढ़ स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) शाखा से चेक से रुपये निकलवाने के लिए भेजा था। मध्यान्ह करीब साढ़े बारह बजे विनोद कुमार ने व्यापारी को फोन से बताया कि वह रुपये लेकर कोतवाल का खेड़ा कंजर बस्ती के पास से गुजर रहा था, तभी एक महिला ने उससे रुपयों से भरा बैग छीन लिया और कंजर बस्ती में भाग गई।

पुलिस ने बताया कि इस पर पुलिस ने मामला दर्ज करके मामले की गहराई से जांच की। पुलिस दल ने संदिग्धों के साथ ही वारदातस्थल और उसके आस-पास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही 100 से अधिक सीसी टीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, लेकिन लूट जैसा कोई साक्ष्य सामने नहीं आया।

पुलिस के अनुसार इस पुलिस ने मुनीम विनोद कुमार की गतिविधियों को संदिग्ध मानकर उससे कड़ाई से पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने अपने साथी नरेश के साथ फर्जी कहानी रचते हुये राशि हड़पना कबूल किया। इस पर विनोद कुमार (25) नरेश (24) को गिरफ्तार कर लिया गया। साथ ही उनकी निशानदेही पर चार लाख 33 हजार 500 रुपये भी बरामद कर लिये।

कंटेनर से एक करोड़ रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद, एक गिरफ्तार

जयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान में सिरोही जिले के आबूरोड थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कंटेनर से करीब एक करोड़ रुपए की अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर मावल चैकी पर नाकाबंदी के दौरान शनिवार मध्यरात्रि के बाद उदयपुर की तरफ से आए एक कंटेनर को रुकवाकर तलाशी ली गयी। तलाशी के दौरान कंटेनर में अंग्रजी शराब के 1003 कार्टन बरामद किये गये। पुलिस ने बताया कि बरामद शराब का मूल्य करीब एक करोड़ रुपये है। पुलिस ने इस मामले में कंटेनर को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

मेरे लिए हरियाणा की सभी 90 सीटें सेफ, कहीं से भी लड़ सकता हूं चुनाव : सीएम सैनी

झज्जर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि उनके लिए हरियाणा की सभी 90 सीटें सेफ है, वह जहां चाहे किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने झज्जर के गांव सिलानी में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ और प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली भी मौजूद रहे।

सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि वह हरियाणा में

किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा हरियाणा में चुनाव की तिथि बदले जाने पर भाजपा सहित अन्य दलों और सामाजिक संगठनों ने चुनाव आयोग को चुनाव की तिथि बदलने के लिए पत्र लिखा था। चुनाव आयोग भी चाहता है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में हिस्सा लेने से कोई भी व्यक्ति वंचित न रहे। इसी के चलते चुनाव आयोग ने हरियाणा में चुनाव की तिथि बदली है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोगों को फॉर्म भरने के लिए भी उम्मीदवार नहीं मिल रहे हैं और एक ही परिवार का कांग्रेस पार्टी को सहारा लेना पड़ रहा है। कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की संपत्ति ईडी द्वारा अटैच मामले में मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि इस मामले को राजनीति से जोड़ना ठीक नहीं। इस मामले में स्वतंत्र एजेंसियां अपना काम कर रही हैं।

दिव्यांग व निर्धन सामूहिक विवाह में 51 जोडें परिणय सूत्र में बंधे

उदयपुर, 01 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के उदयपुर में नारायण सेवा संस्थान के 42वें निःशुल्क दिव्यांग एवं निर्धन सामूहिक विवाह समारोह में रविवार को 51 जोड़े परिणय सूत्र में बंधें। संस्थान के बडी स्थित परिसर में आयोजित दिव्यांग एवं निर्धन विवाह समारोह में देशभर से बड़ी संख्या में आए अतिथियों एवं धर्म माता-पिताओं ने इन जोड़ों को प्रधानमंत्री के आह्वान ..एक पेड़ मां के नाम.. थीम पर नवविवाहितों को तुलसी, अशोक, बिल्व और पीपल के पौधे भेंट करते हुए दाम्पत्य जीवन हरा भरा रहने का आशीर्वाद दिया। इस तरह के स्नेह लुटाते हुए वातावरण ने हर किसी को अपनेपन से भर दिया।

संस्थान के संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव, सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल, अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, निदेशक वन्दना अग्रवाल, ट्रस्टी देवेंद्र चैबिसा एवं विशिष्ट अतिथि दिल्ली के कुसुम गुप्ता, नरेंद्रपाल सिंह, सत्यनारायण गुप्ता, बृजबाला, अलवर के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, गुड़गांव के नितिन मित्तल, सूरत के हरीश कुमार, मुंबई के सतीश अग्रवाल और उदयपुर के संतोषसिंह शलूजा ने वैदिक मंत्रोचार के बीच गणपति की छवि के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विवाह समारोह की पारंपरिक रस्मों की शुरुआत की।

इससे पूर्व परिसर में दुल्हा- दुल्हनों की गाजे- बाजे के साथ बिंदोली निकाली गई। हाडा सभागार के द्वार पर दुल्हों ने नीम की डाली से तोरण रस्म का निर्वाह किया। इसके बाद श्रीनाथजी की झांकी की आरती के साथ ही वर वधुओं का मंच पर प्रवेश हुआ। सजे-धजे डोम में हजारों की मौजूदगी में वरमाला एवं आशीर्वाद समारोह संपन्न हुआ। दूल्हा-दुल्हन ने परस्पर बारी-बारी से वरमाला पहनाकर हमेशा के लिए रिश्तों की डोर को उल्लास से अपने साथ जोड़ लिया। तालियों की गड़गड़ाहट और मंगल गीतों की समधुर गूंज की आल्हादित करती वेला, पुष्प वर्षा और आतिशबाजी ने वातावरण को और अधिक भव्यता प्रदान की। जोड़ों में कोई दूल्हा दिव्यांग था, तो कोई दुल्हन। कोई दोनों ही दिव्यांग। कोई बैशाखी सहारे तो कोई व्हीलचेयर पर था। इनमें जन्मजात प्रज्ञाचक्षु जोड़ा भी शामिल था। वरमाला के बाद 51 वेदियों पर नियुक्त आचार्यों ने मुख्य आचार्य के निर्देशन में वैदिक मंत्रों के साथ पवित्र अग्नि के सात फेरों की रस्म अदायगी के साथ पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया। विदाई के वक्त सभी की आंखें नम थी दुल्हनों को डोली में बिठाकर उनके विश्राम स्थल तक पहुंचाया गया, जहां से संस्थान के वाहनों से दूल्हा-दुल्हन ने अपने-अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान किया।

पूर्व गर्वनर सत्यपाल मलिक बोले

कंगना राजनीति में नाबालिग है उसे भाजपा पार्टी से निकाले

करनाल , 01 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के करनाल में शिरोमणि पंथ अकाली दल की ओर से माता साहब शहीद जंग सिंह गुरुद्वारा सभागार में सिख सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें जम्मू व कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक भी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंगना रणौत राजनीति में नाबालिग है उसे भाजपा को पार्टी से निकाल देना चाहिए। सत्यपाल मलिक ने कहा कि कंगना के बयान अक्सर लोगों के खिलाफ होते हैं, बयानों के लिए माफी मांगने से काम नहीं चलेगा। सम्मेलन की अध्यक्षता जगदीश सिंह झींडा ने की।

इस दौरान हरियाणा के गुरुद्वारों को सरकार के कब्जे से मुक्त करवाने का आह्वान किया गया। वहीं सरकार से मांग की गई कि परीक्षाओं में सिखों के धार्मिक चिह्नों को धारण करने से अभ्यर्थियों को नहीं रोका जाए। यदि सरकार उनकी मांग पर विचार कर एक नवंबर तक एचए-सजीपीसी के चुनाव कार्यक्रम घोषित नहीं करती है तो 21 नवंबर को प्रदेश भर की सिख संगत कुरुक्षेत्र उपायुक्त कार्यालय का घेराव करेगी। उसके बाद बेमियादी धरना दिया जाएगा।पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने कहा कि जो सरकार उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करेगी वह उस सरकार का बहिष्कार करेंगे।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से केसी त्यागी का इस्तीफा, राजीव को जिम्मा

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से राष्ट्रीय महासचिव किशन चंद त्यागी (केसी त्यागी) ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 'अमर उजाला' से बातचीत में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि 1984 से इस तरह की भूमिका में रहा। वह कर्पूरी ठाकुर, बीजू पटनायक आदि का जमाना था। तब इस भूमिका को निभा रहा हूं। अब हर समय बात करने की उम्र नहीं रही, इसलिए राष्ट्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी छोड़ दी है।

वहीं केसी त्यागी ने पत्र के माध्यम से सीएम नीतीश कुमार को लिखा कि मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि मुझे (पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता के) पद से मुक्त करें क्योंकि मैं इस पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहा हूं। अन्य कार्यों में मेरी भागीदारी रहेगी। इधर, जनता दल यूनाईटेड के महासचिव आफाक अहमद खान ने चिट्ठी जारी कर यह जानकारी दी। कहा कि केसी त्यागी ने प्रवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया गया है। उन्होंने पद छोड़ने का कारण निजी बताया है। उनकी जगह राजीव रंजन प्रसाद को जदयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है।

इधर, राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि केसी त्यागी ने निजी और व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और पार्टी के साथ हैं। जहां तक हमारी नियुक्ति का सवाल है तो पार्टी ने पूर्व में भी जो जिम्मेदारी दी है उसको ईमानदारी के साथ मैंने किया है। मैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आभारी हूं।

निःसंदेह जो पार्टी की अपेक्षाएं हैं उस कसौटी पर मैं खरा उतरने की कोशिश करूंगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ लंबे समय तक काम कर चुके किशनचंद त्यागी को जनता दल यूनाईटेड की 22 मई 2023 एक बार फिर इज्जत के साथ पद पर वापसी हुई थी। इस बार उन्हें विशेष सलाहकार बनाया गया, लेकिन मुख्य धारा में रखने के लिए राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता की जिम्मेदारी भी दी गई। राष्ट्रीय महासचिव और प्रवक्ता के पद से उन्हें मार्च महीने में हटाया गया था, तब उन्होंने कहा था कि वह पार्टी के किसी जिम्मेदारी वाले पद पर खुद काम नहीं करना चाहते हैं।

1989 में हापुड़-गाजियाबाद सीट से पहली बार जनता दल के प्रत्याशी किशन चंद त्यागी को लोगों ने जिताकर संसद भेजा। राजनीति में सक्रिय होने और स्थानीय होने का उन्हें पूरा लाभ मिला।

हालांकि उनका कार्यकाल दो साल ही रहा। इस दौरान वह जनता के बीच ही उपलब्ध रहे। 73 वर्षीय केसी त्यागी पहली बार चौधरी चरण सिंह की पार्टी लोकदल से 1984 में गाजियाबाद-हापुड़ लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और कांग्रेस के केदारनाथ सिंह से हार गए। वह दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें 22.5 फीसदी वोट मिले।

दूसरी बार 1989 में जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव बने और गाजियाबाद से चुनाव लड़ा। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता और सांसद बीपी मौर्य को हरा दिया। 1991 में वह इसी सीट से तीसरी बार जनतादल के टिकट से चुनाव लड़े और भाजपा के रमेश चंद तोमर से हार गए। वह करीब 24 हजार वोटों से हार गए। इसके बाद 1996 में वह समाजवादी पार्टी के टिकट से गाजियाबाद सीट से चौथी बार चुनाव लड़े लेकिन उन्हें हार का समाना करना पड़ा। इस चुनाव में वह दूसरे स्थान पर रहे। 2004 में मेरठ सीट से जनतादल यूनाइटेड के टिकट पर चुनाव लड़े लेकिन हार का सामना करना पड़ा। 2012 में बिहार से राज्यसभा सांसद बने। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। बिहार राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के खास लोगों में हैं। वह जिले के मोरटा गांव के रहने वाले हैं।

सुपौल में पुल की रेलिंग से टकराई तेज रफ्तार बाइक

नाबालिग सहित दो की मौत, परिवार में पसरा मातम

पटना (एजेंसियां)।

सुपौल के जदिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरियापट्टी के समीप रविवार की सुबह एक तेज रफ्तार बाइक पुल के रेलिंग से टकरा गई। घटना में बाईक पर सवार एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में एक 18 वर्षीय युवक है, जबकि दूसरा 16 वर्षीय नाबालिग लड़का है।

इधर, मौत की खबर सुनते ही मृतकों के परिवार में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। वही पुलिस शव को कब्जे में लेकर कानूनी कार्रवाई में जुटी है। दोनों मृतक की पहचान जदिया थाना क्षेत्र के मानगंज पूर्वी वार्ड 10 निवासी मंगल ऋषिदेव के 18 वर्षीय पुत्र विजय ऋषिदेव और विनोद ऋषिदेव के 16 वर्षीय पुत्र विकेश ऋषिदेव के रूप में हुई है। परिजनों द्वारा बताया जा रहा है कि घर से बाइक पर सवार होकर दोनों कोरियापट्टी बाजार के लिए निकले थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए।

वही जदिया थाना से त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचे पुलिस अवर निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एक ही बाईक पर दोनों लड़के सवार हो कर जा रहे थे। इसी दौरान रफ्तार तेज होने की वजह से बाइक का संतुलन बिगड़ गया। जिसके बाद बाईक पुल के रेलिंग से टकरा गयी। घटना में बाईक सवार विजय ऋषिदेव की मौत मौके पर हो गई, जबकि जख्मी विकेश को उपचार के लिए त्रिवेणीगंज अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। हालांकि इलाज के क्रम में उसने भी दम तोड़ दिया। इधर, मौत की खबर सुनते ही दोनों परिवारों में मातम है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना हुआ है।

पटना से पूर्णिया तक बनेगा बिहार का पहला एक्सप्रेस-वे, जल्द शुरू होगा काम : जदयू सांसद

पटना (एजेंसियां)।

मधेपुरा सांसद दिनेश चंद्र यादव ने मधेपुरा सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में सड़क निर्माण को लेकर 26 हजार करोड़ रुपए बिहार के लिए स्वीकृत किया गया है। केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद बिहार का पहला सिक्स लेन वाला एक्सप्रेस-वे पटना से पूर्णिया के निर्माण कार्य को लेकर भी रास्ता साफ हो गया है। जल्द ही इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू होगी। निर्माण हो जाने के बाद पटना से पूर्णिया जाने की दूरी घट जाएगी और मात्र तीन घंटे में लोग पटना पहुंच जाएंगे।

उन्होंने कहा कि एनएच-106 और 107 का निर्माण कार्य पूर्ण होने में देरी हुई है। एनएच 106 में वीरपुर से उदाकिशुनगंज तक लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

शेष बचा हुआ कार्य वर्ष 2025 के मार्च माह तक पूर्ण कर लिया जाएगा। एनएच 107 का काम धीमी गति से चल रहा है। इसके निर्माण कार्य को तेज करने की पहल की गई है। उन्होंने कहा कि मधेपुरा जिले में पांच आरओबी का निर्माण कार्य चल रहा है। आरओबी का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद यातयात काफी सुगम हो जाएगा। यह सब काम हो जाने से यह इलाका भी सड़क के मामले में विकसित हो जाएगा।

सांसद दिनेश चंद्र यादव ने कहा कि मठाही में एनएच-107 पर लगभग डेढ़ किलोमीटर रोड खराब है। पहले यह रोड एनएचएआई को हैंडओवर किया गया था। आरओबी और बायपास का निर्माण हो रहा है। मठाही में पुराने रोड का मेंटेनेंस ठीक ढंग से नहीं हो रहा था।

उन्होंने कहा कि एनएचएआई से बात कर लगभग ढाई करोड़ राशि पथ निर्माण विभाग को दिलवा दिया है। टेंडर प्रक्रिया में विलंब होने के कारण रोड निर्माण में देरी हो रही है। चीफ इंजीनियर से बात कर इसका टेंडर जल्द करते हुए उसका निर्माण शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

छपरा में जाति जनगणना, आरक्षण के मुद्दे पर जेडीयू का धरना

पूर्व मंत्री जितेंद्र राय-सुरेंद्र राम हुए शामिल

छपरा (एजेंसियां)।

सारण जिला राजद इकाई ने जातिगत जनगणना और आरक्षण के मुद्दे को लेकर छपरा शहर के नगर पालिका चौक पर एक दिवसीय धरना का आयोजन किया है। इसमें पूर्व मंत्री सह राजद विधायक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। नगर पालिका चौक पर पूर्व मंत्री सह मढ़ौरा से राजद विधायक जितेंद्र कुमार राय, पूर्व मंत्री सह गड़खा से राजद विधायक सुरेंद्र कुमार राम, सराज जिला राजद के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार राय, इसुआपुर के प्रखंड प्रमुख मितेंद्र राय और जिला उपाध्यक्ष राजेश राय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

इस मौके पर राजद के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार राय ने कहा कि केंद्र सरकार शोषितों, वंचितों, पिछड़ों, अति पिछड़े, दलितों और आदिवासियों को हक और अधिकार नहीं देना चाहती है। जबकि राष्ट्रीय जनता दल किसी भी परिस्थिति में पूरे देश में एक साथ जातिगत जनगणना कराने और बिहार में 65 फीसदी आरक्षण व्यवस्था को नवमीं अनुसूची में शामिल कराने के प्रति कृत संकल्पित है। इसके लिए राजद की ओर से संघर्ष और आंदोलन सड़क से सदन तक किया जाएगा।

वहीं, पूर्व मंत्री सह राजद विधायक जितेंद्र कुमार राय ने राज्य और केंद्र सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी बढ़ाने और अपराध को रोकने में अक्षम रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश में जाति आधारित गणना करवाने के लिए राष्ट्रीय जनता दल आंदोलन कर रही है। हमारी पार्टी द्वारा वर्ष 2023 में किए गए जातीय सर्वेक्षण के निष्कर्षों को संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर सारण जिला सहित पूरे बिहार में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर आंदोलन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हालांकि हमारे नेता तेजस्वी यादव ने पहले ही ओबीसी, एससी और एसटी के लिए 65 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। लेकिन अब इसको नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की जा रही है।

परंतु भाजपा की सरकार इस आरक्षण को खत्म करना चाहती थी, जिस कारण इसे नौवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया जा रहा है। लेकिन राजद ने देश में जातिगत जनगणना और 65% आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल किए जाने का समर्थन किया है।

राजद के आंदोलन पर मंगल पांडेय का हमला

आरक्षण पर घड़ियाली आंसू बहा रहा लालू परिवार तक ही यह सीमित

पटना (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय जनता दल के आंदोलन के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि आरक्षण को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और उनकी पार्टी राजद घड़ियाली आंसू बहा रहा है। राजद का आरक्षण लालू परिवार तक ही सीमित रहा है। लालू यादव को पत्नी, बेटा व बेटी के अलावा कभी किसी दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े की याद नहीं आई। वह राजद आज आरक्षण के नाम पर दलितों, पिछड़ों व अतिपिछड़ों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है जो शुरू से ही इनकी हकमारी करता रहा है। राजद और कांग्रेस हमेशा

अति पिछड़ों का अपमान करते और धोखा देते रहे हैं।

स्वास्थ मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने अतिपिछड़ों के लिए गठित काका कालेलकर और मुंगेरीलाल कमीशन की रिपोर्ट को ढंडे बस्ते में डाल दिया और उसे कभी लागू नहीं किया। कांग्रेस ने 1953 में पिछड़े वर्गों के लिए गठित काका कालेलकर कमिटी की 1955 में आई रिपोर्ट को 45 वर्षों तक ठंडे बस्ते में रखा, न पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया न पिछड़ों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया। जनता पार्टी की उस सरकार ने 1978 में मंडल कमीशन का गठन किया, जिसमें भाजपा के अटल, आडवाणी भी शामिल थे। 1980 में पिछड़े वर्गों को सरकारी नौकरियों में 27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए आई मंडल कमीशन की रिपोर्ट को कांग्रेस ने 10 वर्षों तक दबा कर रखा, अन्ततः भाजपा के सहयोग से गठित बीपी सिंह की सरकार ने 1989 में आरक्षण का प्रावधान किया।

मंगल पांडेय ने कहा कि मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू करने के बाद पिछड़े वर्ग को केवल सरकारी नौकरियां ही नहीं बल्कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण के जरिए नामांकन का मौका मिला। बिहार में पिछड़े वर्गों के लिए गठित मुंगेरीलाल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर 1978 में कर्पूरी जी की उस सरकार ने नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की जिसमें जनसंघ की ओर से कैलाश पति मिश्र जी मंत्री थे। इसके तहत सरकारी नौकरियों में पिछड़ों को एनेक्चर-1 और 2 के तहत आरक्षण लागू किया गया। कहा कि बिहार में जब 2005 में एनडीए (भाजपा-जदयू) की सरकार बनी तब जाकर स्थानीय निकाय के चुनाव में अति पिछड़ों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया गया जबकि राजद-कांग्रेस ने तो 2002 में एकल पदों पर आरक्षण का प्रावधान किए बिना ही पंचायत का चुनाव करा कर अति पिछड़ों की हकमारी कर ली।

पटना में चोरी का विरोध करने पर गोली मारकर हत्या

चाचा का शव देखकर भतीजे की भी मौत

पटना (एजेंसियां)।

पटना जिला के शाहजहांपुर थानाक्षेत्र के ऐरई गांव में शनिवार की देर रात एक युवक की गोली मार कर हत्या कर दी गई। जबकि एक अन्य की मौत घटना को देखने से हो गई। बताया जा रहा है कि उपेंद्र मांझी (35) को गोली मार दी गई। वहीं, उनके भतीजे राजीव मांझी (27) की मौत गोली चलने की घटना देखने से हो गई।

स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, चार से पांच युवक ऐरई गांव के महादलित टोला में शराब पीने आए। फिर उपेंद्र मांझी की चार बकरियों को चोरी कर ले जाने लगे। इस बात की भनक लगते ही

उपेंद्र चोर का पीछा करने लगे। चोरी को लेकर विरोध जताने के दौरान उनका भतीजा भी साथ में था। साथ ही मौके पर ग्रामीण जुटने लगे। यह देख कर अज्ञात चोरों ने उपेंद्र मांझी पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। साथ ही खून से लथपथ अपने चाचा की लाश देखने से भतीजे राजीव मांझी की भी मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया। परिवार बालों का रो-रो कर बुरा हाल है।

वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही शाहजहांपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम कराने के लिए अस्पताल भेज दिया। वहीं, एसडीपीओ 2 पंकज कुमार ने बताया कि मामले को लेकर पुलिस अपराधियों की खोजबीन में जुट गई। पुलिस ने बताया कि तकनीकी अनुसंधान कर जल्द ही आरोपी की पहचान कर आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

नालंदा में विवाहिता की लाश मिली

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा के गिरियक थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। घटना संगतपर गांव में हुई है। मृतका की पहचान 26 वर्षीया सुनीता कुमारी के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी राजा साहू की पत्नी थीं। सुनीता के परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनकी बेटी को पीट-पीटकर मार डाला गया है।

जानकारी देते हुए सुनीता के मामा रंजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि राजा साहू नशे का आदी था और जुए की लत में डूबा हुआ था। वह अक्सर सुनीता से पैसे और गहने मांगता रहता था, जिसका वह विरोध करती थी। इसी कारण उसके साथ मारपीट की जाती थी।

ममता बनर्जी को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, बंगाल में महिला के साथ जघन्य अपराध : केंद्रीय मंत्री

पटना (एजेंसियां)।

पश्चिम बंगाल में महिला डाक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध पर केन्द्रीय मंत्री सह पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी जमकर बरसे। उन्होंने ने कहा कि पश्चिमी बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी न्याय यात्रा निकाल रही है। ऐसी घटना के लिए ममता बनर्जी को शर्म और लाज लगना चाहिए। उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। उक्त बातें उन्होंने बोधगया में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद

पत्रकारों से कहीं।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी के द्वारा निकाली गई न्याय यात्रा पर उन्होंने कहा की एक महिला सीएम है और महिला के साथ जघन्य अपराध होता है तो ऐसे में तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट स्वत संज्ञान लेती है तो सीएम ममता बनर्जी को शर्म लगनी चाहिए। न्याय यात्रा लोगों को भ्रमित करने के लिए निकाली गई है। ऐसी जघन्य घटना पर ममता बनर्जी राजनीत कर रही है। देश की जनता के बीच पहले जो नजरिया था, अब जनता सब समझ चुकी है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने किसान आंदोलन में विनेश फोगाट के शामिल होने पर उन्होंने कहा कि हाल हीं में बजट आया है। एमएसपी बढ़ाया गया है किसानों को सुविधा दी जा रही है। पॉलिटिकल प्रॉब्लम हो तो इसका कोई जवाब नही है। देश के पीएम नरेंद्र मोदी किसान और इन्वेस्ट्रो को लाभ देने का प्रयास कर रहे है।

किसान के हित में अगर कोई सलाह देगा तो हमे लगता है वह जरूर मानेंगे। अब इसमें कोई राजनीत करे तो अलग बात है।कोई धरना देगा तो इससे ज्यादा फायदा होने वाला नही है।समस्या को लिखकर दे सलाह दें। वहीं भाजपा में लोबिन हेंब्रम के शामिल होने पर कहा की उनका स्वागत है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com